



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 99]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 1, 2016/चैत्र 12, 1938

No. 99]

NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 1, 2016/ CHAITRA 12, 1938

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी और संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 2016

(अंतिम जांच-परिणाम)

**विषय:** संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) और चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित मिथाइल एसिटोएसिटेट के आयातों संबंधी पाटनरोधी जांच।

मामले की पृष्ठभूमि

**फा. सं. 14/7/2014-डीजीएडी:**—यतः समय-समय पर यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात अधिनियम कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए मैसर्स लक्ष्मी ऑर्गेनिक इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) और चीन जन.गण. (जिन्हें एतदपश्चात संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल की अथवा वहां से निर्यातित मिथाइल एसिटोएसिटेट (जिसे एतदपश्चात संबद्ध वस्तुएं भी कहा गया है) के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात 'प्राधिकारी' कहा गया है) के समक्ष एक याचिका प्रस्तुत की है और प्राधिकारी से संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क के लिए अनुरोध किया है।

2. और यतः प्राधिकारी ने यह पाया कि मैसर्स लक्ष्मी ऑर्गेनिक इंडस्ट्रीज लि. द्वारा दाखिल याचिका में संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के पाटन, घरेलू उद्योग को क्षति होने, और कथित पाटन तथा क्षति के बीच कारणात्मक संबंध होने के पर्याप्त प्रमाण दिए गए हैं, ताकि पाटनरोधी जांच आरंभ करने को न्यायोचित ठहराया जा सके और प्राधिकारी ने संबद्ध देशों संबद्ध वस्तुओं के कथित पाटन और घरेलू उद्योग को इसके परिणामस्वरूप हुई क्षति के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम-5 के अनुसार पाटनरोधी जांच की शुरुआत की है, ताकि आरोपित किसी पाटन का निर्धारण, मात्रा और प्रभाव का पता लगाया जा सके और ऐसे पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जा सके, जिसे यदि लगाया जाता है, तो वह घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने में पर्याप्त होगा।

अपनाई गई क्रियाविधि

3. निम्नलिखित क्रियाविधि अपनाई गई है:

- (i) प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुसार जांच की कार्यवाही शुरू करने से पहले आवेदन-पत्र प्राप्त होने के संबंध में भारत में संबद्ध दूतावासों को अधिसूचित किया है।
- (ii) प्राधिकारी ने जांच शुरू करने को न्यायोचित ठहराने के लिए आवेदकों द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त प्रमाणों के आधार पर संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में जांच शुरू करने का निर्णय लिया है।
- (iii) प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच आरंभ करने के लिए दिनांक 07 जनवरी, 2015 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की, जो भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित हुई।
- (iv) प्राधिकारी ने सभी ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) तथा उद्योग परिसंघों को सार्वजनिक सूचना की प्रति प्रेषित की और उन्हें पाटनरोधी नियमावली के अनुसार निर्धारित समय-सीमा के भीतर लिखित में अपने विचार देने का अवसर प्रदान किया।
- (v) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भारत में संबद्ध वस्तुओं के सभी ज्ञात आयातकों को भी भेजी और उन्हें निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपने विचार लिखित में प्रदान करने की सलाह दी।
- (vi) प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार आवेदक की ओर से प्रस्तुत किए गए आवेदन के अगोपनीय अंश की एक प्रति संबद्ध देशों के दूतावासों को उपलब्ध कराई। आवेदन की एक प्रति अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी अनुरोध के अनुसार प्रदान की गई।
- (vii) प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को संगत सूचना प्रकट करने के लिए निर्यातक प्रश्नावली (चीन जन.गण. के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली सहित) भेजी:

(क) किंगदाओ डबल-पीच स्पेशियलिटी केमिकल्स (ग्रुप) कं. लि., चीन

(ख) झांगजियांग होप केमिकल्स कं. लि., चीन

(ग) नानटोंग एसिटिक एसिड केमिकल कं. लि., चीन

(घ) वांग लोंग ग्रुप कं. लि., चीन

(ङ) ईस्टमैन केमिकल्स कं., यूएसए

- (viii) निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों/ट्रेडर ने उत्तर दिया और निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किए:

(क) जियांग्सू तियांचेंग बायोकेमिकल प्रोडक्ट्स कं. लि., चीन

(ख) नानटोंग टियानहोंग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि., चीन

(ग) नानटोंग एसिटिक एसिड केमिकल कं. लि., चीन

(घ) किंगदाओ डबल-पीच स्पेशियलिटी केमिकल्स (ग्रुप) कं. लि., चीन

(ङ) निंगबो वांगलोंग टेक्नोलॉजी कं. लि., चीन

(च) ईस्टमैन केमिकल्स कंपनी, यूएसएस

(छ) ईस्टमैन केमिकल लि., सिंगापुर

- (ix) जियांग्सू तियांचेंग बायोकेमिकल प्रोडक्ट्स कं. लि., चीन ने भी बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली दाखिल की थी।

- (x) भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को भी प्रश्नावली भेजी गई थी:

क) सी.जे. शाह, मुंबई

ख) सोजित्ज, मुंबई

ग) हजेल, मुंबई

घ) सरना केमिकल्स प्रा. लि., गुजरात

ङ) एस एम केमिकल्स, हैदराबाद

च) आर्क फार्मालैब्स लि., मुंबई

छ) अरविन्दो फार्मा लि., हैदराबाद

ज) कलरटेक्स इंडस्ट्रीज लि., सूरत, गुजरात

झ) कैलाश केमिकल्स, अहमदाबाद

ञ) डाया कैमि, मुंबई

ट) प्राइमा केमिकल्स पोलिगोन केमिकल्स, अहमदाबाद

(xi) जांच प्रारंभ अधिसूचना के प्रत्युत्तर में निम्नलिखित आयातकों ने प्रश्नावली उत्तर दाखिल किए थे।

क. प्राइमा केमिकल्स

ख. मैसर्स सी.जे. शाह एंड कं.

- (xii) जांच की शुरुआत द्वितीयक स्रोत आईबीआईएस से याचिकाकर्ता द्वारा प्रदान किए गए आंकड़ों पर आधारित थी क्योंकि उस समय डीजीसीआईएंडएस (वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय) के पूरे आंकड़े उपलब्ध नहीं थे। तथापि, जांच की अवधि सहित विगत तीन वर्षों के लिए भारत में संबद्ध वस्तुओं के आयातों के व्यौरे एकत्र करने के लिए डीजीसीआईएंडएस को अनुरोध किया गया था और डीजीसीआईएंडएस से वह सूचना प्राप्त की गई है और अब इस जांच में अंगीकार की गई है।
- (xiii) प्राधिकारी ने नियमावली के अनुसार अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को एक अवसर प्रदान करने के लिए दिनांक 15 सितंबर, 2015 को एक जन सुनवाई की, जो पक्षकार मौखिक सुनवाई में उपस्थित हुए उन्हें मौखिक रूप से प्रस्तुत सूचना को लिखित में प्रस्तुत करके दाखिल करने का परामर्श दिया गया। हितबद्ध पक्षकारों को अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत सूचना/विचारों पर प्रत्युत्तर प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान की गई। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त अनुरोधों पर पर्याप्त रूप से विचार किया है।
- (xiv) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए रखी गई एक सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय भाग उपलब्ध कराया है।
- (xv) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान की गई सूचना की गोपनीयता के दावों की पर्याप्तता के संदर्भ में जांच की गई है। प्राधिकारी ने संतुष्ट होने पर, जहां-कहीं भी उचित था, गोपनीयता के ऐसे दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय समझा है और उन्हें ऐसे अन्य पक्षकारों के समक्ष प्रकट नहीं किया है। जहां-कहीं भी संभव हुआ है, वहां गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले हितबद्ध पक्षकारों को निदेश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का अगोपनीय भाग प्रस्तुत करें।
- (xvi) आवेदकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों से आवश्यकता के अनुसार आगे सूचना मांगी गई थी।
- (xvii) प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत और गैर-क्षति कीमत निकालने के लिए अनुबंध-III में विनिर्दिष्ट दिशा-निर्देशों के आधार पर यथासंभव रूप से घरेलू उत्पादक द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना की जांच की है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुए क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।
- (xviii) वर्तमान जांच के प्रयोजन से जांच की अवधि (पीओआई) अप्रैल, 2013 से जून, 2014 तक थी। क्षति विश्लेषण के प्रसंग में जांच में वर्ष 2011-12, 2012-13, 2013-14 और जांच की अवधि शामिल थी।
- (xix) प्राधिकारी के अनुरोध पर केंद्र सरकार ने 06.04.2016 तक की समय अवधि जांच को पूरी करने और अंतिम जांच परिणाम अधिसूचित करने के लिए बढ़ाई।
- (xx) प्रकटीकरण विवरण, जिसमें इस जांच में आवश्यक ऐसे तथ्य शामिल हैं जो अंतिम जांच परिणाम का आधार होगा, दिनांक 22.03.2016 को हितबद्ध पक्षकारों को जारी किया गया था। प्रकटीकरण विवरण के उपरांत के अनुरोधों पर इस जांच परिणाम अधिसूचना में संगत समझी गई सीमा तक विचार किया गया है।
- (xxi) इस अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना में \*\*\*, सूचना को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत किए जाने को दर्शाता है तथा नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा उस पर विचार किया गया है।
- (xxii) यूएस डॉलर को रुपए में परिवर्तित करने के लिए विनियम दर जांच की अवधि के लिए 60.87 यूएस डॉलर मानी गई है।

#### विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) और समान वस्तु

4. वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) मिथाइल एसिटोएसिटेट है। मिथाइल एसिटोएसिटेट (जो एमएए/एमएएई/एएएमई के रूप में भी ज्ञात है) एस्टर अथवा एसिटोएसिटेट आधारित एक डाईक्टेन है। एमएए का रासायनिक सूत्र C5H8O3 है और 99% शुद्धता है। यह स्पष्ट तौर पर द्रव है और यह रंगहीन है।
5. मिथाइल एसिटोएसिटेट उत्पादन शुल्क अधिनियम के अध्याय 29 में वर्गीकृत है और "मिथाइल एसिटोएसिटेट" के रूप में उप-शीर्ष

29183040 के तहत आता है। यद्यपि, विचाराधीन उत्पाद के आयात संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण करने पर सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम के तहत समर्पित सीमा शुल्क वर्गीकरण किया गया। यह पाया गया है कि विचाराधीन उत्पाद को विभिन्न अन्य कोडों के तहत भी आयातित किया जा रहा है जैसे 29146990, 29153910, 29153940, 29153990, 29183090, 29331990, 29410090 and 29189900। अतः सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतक है और यह जांच के क्षेत्र के संबंध में किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है।

6. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए यह विचार किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद आवश्यक उत्पाद विशिष्टताओं जैसे वास्तविक और तकनीकी विशिष्टताएं, निर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, मूल्य, वितरण एवं विपणन तथा टैरिफ वर्गीकरण के संदर्भ में संबद्ध देशों से आयातित उत्पाद के मुकाबले में है। ये दोनों ही तकनीकी और वाणिज्यिक दृष्टि से एक-दूसरे का स्थान ले सकते हैं। प्राधिकारी संबद्ध देशों से आयातित किए जा रहे संबद्ध उत्पादन को घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं के "समान वस्तु" मानते हैं।

7. विचाराधीन उत्पाद से संबंधित मामलों पर कोई विवाद नहीं है और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अपने अनुरोध में इस पर कोई तर्क नहीं दिया गया है।

### घरेलू उद्योग का क्षेत्र और मत

8. यह याचिका मैसर्स लक्ष्मी ऑर्गेनिक इंडस्ट्रीज लि. द्वारा दाखिल की गई है। याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि उन्होंने संबद्ध देशों से न तो संबद्ध वस्तुओं का आयात किया है और न ही इनका संबद्ध देशों में उत्पाद के निर्यातक अथवा आयातक से कोई संबंध है, वे तो केवल भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादक हैं और भारत में विचाराधीन उत्पाद का कोई अन्य उत्पादक नहीं है।

9. उपलब्ध रिकार्ड में साक्ष्य के अनुसार, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता का उत्पादन समान वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन में शामिल है, याचिकाकर्ता केवल घरेलू उत्पादक हैं। अतः प्राधिकारी यह तय करते हैं कि मैसर्स लक्ष्मी ऑर्गेनिक इंडस्ट्रीज लि. (एतदपश्चात् इसे घरेलू उद्योग (डीआई) अथवा याचिकाकर्ता भी कहा गया है) नियम 2(ख) के तात्पर्य से घरेलू उद्योग में आता है और याचिका में पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) के संदर्भ में इस मत के मापदंड को पूरा करती है।

10. घरेलू उद्योग और इसके मत से संबंधित मामले पर कोई विवाद नहीं है और हितबद्ध पक्षकारों ने अपने अनुरोध में इस पर कोई तर्क नहीं दिया है।

### विविध मामले

#### निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

11. प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- (i) महानिदेशक (सुरक्षा) के जांच परिणाम के संबंध में प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया कि सुरक्षा व्यवस्था संबंधी क्षति अवधि और वर्तमान पाटनरोधी व्यवस्था दोहरापन है।
- (ii) महानिदेशक (सुरक्षा) ने सुरक्षा जांच को समाप्त करने से पूर्व विस्तृत तथ्यात्मक परिणामों की गहन जांच की थी।
- (iii) यह भी अनुरोध किया जाता है कि महानिदेशक (सुरक्षा) ने यह निष्कर्ष निकाला था कि घरेलू उद्योग की स्थिति में बाजार अंश, उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग की दृष्टि से सुधार हुआ है। इस आधार पर महानिदेशक (सुरक्षा) ने यह पाया था कि घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति होने की कोई संभावना नहीं है।
- (iv) सुरक्षा के संबंध में लागू प्रोफार्मा में यह अपेक्षित है कि पाटन अथवा सब्सिडी प्रदान करने के कारण क्षति, यदि कोई हो, से संबंधित सूचना विशेष तौर पर प्रदान किए जाने की जरूरत है। तथापि, घरेलू उद्योग ने भ्रामक रूप से यह कहा है कि कोई अन्य कारण नहीं है, सिवाय इसके कि विचाराधीन उत्पादकों के आयातों में वृद्धि हुई है।
- (v) यह कहना है कि डीजीसीआईएंडएस डाटा को हटाना पूरी तरह अनुपयुक्त होगा, जो कि सबसे अधिक प्रभावी, तुरंत उपलब्ध होने वाला है और इसके बदले आईबीआईएस डाटा को अंगीकार किया है। आईबीआईएस डाटा का उपयोग उचित नहीं है क्योंकि आईबीआईएस ने कई लेन-देन की सूचना दी है, जो कि नकल है।
- (vi) याचिकाकर्ता का यह मानना है कि एमएए के आयात अन्य अनेक वर्गीकरणों के तहत स्वीकृत किए गए हैं, जो कि डीजीसीआईएंडएस डाटा को हटाने और अन्य दूसरे स्रोतों के आंकड़े अपनाने के लिए अपर्याप्त थे।
- (vii) घरेलू उद्योग ने आईबीआईएस डाटा पर विश्वास किया जबकि उसे और भी अधिक विश्वसनीय स्रोत से डाटा अर्थात् डीजीसीआईएंडएस द्वारा संकलित डाटा सुलभ थे।
- (viii) डीजीसीआईएंडएस आयातकों द्वारा यांत्रिक रूप से सूचित वर्गीकरण को नहीं अपनाता। डीजीसीआईएंडएस डाटा का ध्यानपूर्वक

प्रक्रिया अपनाने के बाद अपने स्वयं के वर्गीकरण को अपनाता है। अतः भारत सरकार द्वारा प्रकाशित डाटा को ऐसी स्थिति में वरियता दी जाए जब विचाराधीन उत्पादन का समर्पित सीमा शुल्क वर्गीकरण है।

- (ix) एमएए उत्पादन के लिए घरेलू उद्योग की क्षमता और भारत में घरेलू मांग की पूर्ति का डाइक्टेन की पर्याप्त गुणवत्ता का उत्पादन करने के लिए इसकी क्षमता से सीधा संबंध है।
- (x) यह कहना है कि याचिकाकर्ता के पास डाइक्टेन के उत्पादन के लिए सीमित क्षमताएं हैं, याचिकाकर्ता ने अपने उत्पादों के उत्पादन के लिए साझा माध्यम का उपयोग किया है।
- (xi) याचिकाकर्ता के लिए यह उचित होगा कि सबसे पहले एक ऐसे उत्पाद पर ध्यान दिया जाए जिसमें अधिक लाभ हो, और केवल उसके बाद ही एमएए के उत्पादन के लिए उत्पादन सुविधाओं का उपयोग करे।
- (xii) याचिकाकर्ता ने स्वयं ही इस तथ्य से स्वीकार किया है कि संबद्ध वस्तुओं में सामयिक अस्तित्व है। याचिकाकर्ता के समक्ष एमएए के उत्पादन में सामयिक अस्तित्व की समस्या आ रही है क्योंकि अन्य उत्पादों में भी सामयिक अस्तित्व है। अतः घरेलू उद्योग के उत्पादन में सामयिक अस्तित्व समस्या का समाधान करने के बाद ही, निर्धारण करना चाहिए।
- (xiii) उत्पादन में सामयिक अस्तित्व के कारण आयातों में वृद्धि हुई है।
- (xiv) घरेलू उद्योग ने जन सुनवाई के दौरान यह कहा है कि डाइक्टेन के लिए इसकी संस्थापित क्षमता एमएए के उत्पादन के लिए अपेक्षित क्षमता का तीन गुना है। ईस्टमैन यूएसए का यह कहना है कि यह गलत और गुमराह करने वाला प्रतीत होता है क्योंकि घरेलू उद्योग अपनी वेबसाइट पर प्रवेश के जरिए एमएए के अलावा डाइक्टेन से कई अन्य उत्पाद तैयार करता है और इसीलिए एमएए बनाने के लिए सभी डाइक्टेन अंतरित नहीं कर सकता। अतः एमएए उत्पादन के लिए पर्याप्त परिष्कृत डाइक्टेन की प्राप्ति सुलभ न होना प्रतीत होता है।
- (xv) याचिकाकर्ता ने प्रोफार्मा IV-क में विनिर्दिष्ट सभी मापदंडों को या तो गोपनीय रखा या उपलब्ध नहीं कराया। याचिकाकर्ता ने आरओआई, नकद लाभ, ब्याज और मूल्यहास, एनएफए, निवेश, निवल पूंजी, तथा कार्यशील पूंजी पर सूचना प्रकट नहीं की है। इसके अलावा, कीमत कटौती पर कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई है और ऐसा प्रतीत होता है कि चूंकि कीमत कटौती पर्याप्त नकारात्मक है इसलिए आवेदक घरेलू उद्योग ऐसी सूचना प्रदान करने से बचा हुआ है।
- (xvi) भंडारण के दिनों की संख्या गोपनीय रखी गई है। सामान्य मूल्य निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के वास्तविक आंकड़े प्रकट नहीं किए गए हैं। खंड-VI लागत संबंधी सूचना गोपनीय मानी गई है। सूचीबद्ध सूचना प्रदान की जानी चाहिए थी।
- (xvii) घरेलू उद्योग ने सार्वजनिक दस्तावेजों का दावा किया है जैसे कि इसकी लेखा परीक्षा रिपोर्ट गोपनीय होनी चाहिए। निंगबो वांगलोंग ने यह भी अनुरोध किया कि घरेलू उद्योग ऐसी पर्याप्त सूचना प्रदान करने में असफल रहा जिससे कि निर्यातक प्रस्तुत सूचना को समुचित रूप से समझ सके और वह पाटनरोधी नियमावली के तहत अपने दायित्वों को पूरा करने में विफल रहा। इसका निर्यातक के बचाव के अधिकार पर गंभीर प्रभाव पड़ा।
- (xviii) यह कहना है कि याचिकाकर्ता ने, खासकर मूल्य और लागत संबंधी आंकड़ों के संबंध में सूचना की अत्यधिक प्रतिक्रिया दी है जिससे विशेष रूप से संबद्ध देशों से आयातों से होने वाली कथित कीमत कटौती के गोपनीय दावों के संबंध में याचिकाकर्ता के विशिष्ट दावों के लिए उत्तरदायी प्रतिवेदन के संबंध में ईस्टमैन यूएसए की क्षमता को आघात पहुँचा है।
- (xix) यह कहना है कि याचिकाकर्ता पूर्व प्रभाव से पाटनरोधी शुल्क लगाने की मांग करता है, जबकि महानिदेशक (सुरक्षा) ने यह पाया है कि वर्तमान मामले की जांच की अवधि (पीओआई) के दौरान पहले तीन माह में कोई गंभीर क्षति नहीं थी।
- (xx) यह कहना है कि घरेलू उद्योग ने भारतीय बाजार में कब्जा बनाने के लिए और मुक्त व्यापार बाजार में मुकाबले से बचने के लिए गलत इरादे से पाटनरोधी जांच आरंभ करने की मांग की है। यह अनुरोध किया जाता है कि प्राधिकारी घरेलू उद्योग की याचिका को अस्वीकार करे।
- (xxi) ईस्टमैन यूएसए ने यह प्रस्तुत किया है कि ईस्टमैन यूएसए की निर्माण और निर्यात श्रृंखला की प्रकृति और संरचना को अधूरा प्रस्तुत करने का याचिकाकर्ता का आरोप पूरी तरह से गलत और अनुचित है।
- (xxii) ईस्टमैन यूएसए का यह दावा है कि उसने निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में अपनी निर्यात और निर्माण श्रृंखला का पूर्ण और सही ब्यौरा उपलब्ध कराया है। ईस्टमैन यूएसए द्वारा प्रस्तुत किए गए उत्तर में ईस्टमैन सिंगापुर के संबंध में सूचना दी गई है, जो कि ईस्टमैन यूएसए की एक स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।
- (xxiii) ईस्टमैन यूएसए ने निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में प्रदान किए गए आंकड़ों को अलग किया है और ईस्टमैन सिंगापुर की ओर से अलग से उत्तर प्रस्तुत किया है। अतः ईस्टमैन यूएसए का उत्तर ईस्टमैन सिंगापुर की ओर से उत्तर माना जाए।
- (xxiv) ईस्टमैन इंडिया जो कि ईस्टमैन यूएसए की एक अन्य पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, निर्यात श्रृंखला में कोई भूमिका अदा नहीं करती। अतः पाटनरोधी नियमावली के तहत उसकी ओर से कोई भी सूचना भरने की जरूरत नहीं है।

### घरेलू उद्योग के विचार

12. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- (i) प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध में बार-बार महानिदेशक (सुरक्षा) के जांच परिणामों पर बल दिया गया है। उस जांच में यह निष्कर्ष निकाला गया था कि घरेलू उद्योग को कोई गंभीर क्षति होने की आशंका नहीं है। तथापि, पाटनरोधी जांच के तहत लागू महत्वपूर्ण क्षति से गंभीर क्षति भिन्न है।
- (ii) पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए पाटन को प्रमाणित करने और सुरक्षा शुल्क लगाने के लिए अनपेक्षित परिस्थितियों के लिए कानूनी अपेक्षाओं के बीच अंतर के आधार पर याचिकाकर्ता का यह कहना है कि महानिदेशक (सुरक्षा) के जांच परिणाम वर्तमान पाटनरोधी जांच में मार्गदर्शक बिन्दु न माने जाएं।
- (iii) प्राधिकारी ने विशेष रूप से यह उल्लेख किया था कि क्षति की प्रवृत्तियां कारणात्मक विश्लेषण और संभवतः कीमत संबंधी कारक के कारण उसके अनुरूप प्रतीत नहीं होती जो कि सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 8बी के तहत सुरक्षा जांच का विषय नहीं है। कीमत संबंधी क्षति पाटनरोधी जांच में एक प्रमुख कारक है।
- (iv) पाटनरोधी जांच पाटन और वास्तविक क्षति की मौजूदगी के स्पष्ट साक्ष्य पर आधारित है। इसके अलावा, विश्व व्यापार संगठन विभिन्न व्यापार संबंधी उपचारात्मक जांच करने के लिए विभिन्न मापदंड और शर्तें तय करता है जिसमें पाटनरोधी जांच घरेलू उद्योगों की कीमत "सुरक्षा" के लिए किए गए आयातों को अस्थायी रूप से सीमित करने के लिए आकस्मिक उपायों के संबंध में पाटन (काफी कम कीमत पर बिक्री करने के लिए) और सुरक्षा जांचों के लिए की गई कार्रवाई के संबंध में है।
- (v) प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों का यह मत कि चूंकि सुरक्षा जांच और वर्तमान जांच में जांच की अवधि (पीओआई) ओवरलेप हो रही है, महानिदेशक (सुरक्षा) के जांच परिणाम वर्तमान जांच में लागू होने चाहिए, उनका कानूनन कोई आधार नहीं है। इसके अलावा, इस जांच में जांच की अवधि (पीओआई) अप्रैल, 2013 से जून, 2014 तक की है जो कि सुरक्षा जांच में अपनाई गई जांच की अवधि (पीओआई) अर्थात् 2010-11 से 2012-13 से भिन्न है।
- (vi) डीजीएडी की संस्थापित प्रक्रिया के अनुसार मूल पाटनरोधी जांच में जांच की अवधि (पीओआई) के पश्चात के विश्लेषण के लिए कोई जरूरत नहीं है।
- (vii) जहां तक आयात संबंधी आंकड़ों के स्रोत का संबंध है, विचाराधीन उत्पाद में केवल उसी के लिए समर्पित वर्गीकरण अर्थात् 29183040 दिया गया है, संबद्ध वस्तुएं विभिन्न अध्यायों में उप-शीर्ष के तहत आयातित की जा रही हैं।
- (viii) घरेलू उद्योग ने आयात संबंधी आंकड़े आईबीआईएस से प्राप्त किए गए हैं, चूंकि डीजीसीआईएंडएस के पास लेन-देन-वार आयात आंकड़े उपलब्ध नहीं थे और वित्त वर्ष के लिए प्रत्येक देश का केवल सारांश ही उपलब्ध था।
- (ix) आईबीआईएस से प्राप्त आयात संबंधी आंकड़े मात्रा, मूल्य, दरों के साथ-साथ कुल आयातों में हिस्सा और वर्तमान जांच के प्रयोजन से सारांश के संबंध में देश-वार उपयुक्त रूप से वर्गीकरण किया गया था।
- (x) घरेलू उद्योग ने मात्रा और मूल्य प्राप्त करने के प्रयोजन से संबद्ध वस्तुओं के आयातों को वर्गीकृत करने के लिए अपनाई गई कार्यप्रणाली के संबंध में एक संक्षिप्त नोट भी प्रस्तुत किया था।
- (xi) घरेलू उद्योग की पर्याप्त परिष्कृत डाइक्टेन को प्राप्त करने संबंधी कमी के संबंध में किए गए अनुरोध के संबंध में याचिकाकर्ता ने एमएए के उत्पादन के लिए मांग की तीन गुना डाइक्टेन क्षमता होने के संबंध में किसी भी विवरण से इंकार किया है। याचिकाकर्ता के अनुसार, डाइक्टेन डेरिवेटिव के उत्पादन की प्रक्रिया के संबंध में ईस्टमैन का परामर्श उनके भोलेपन को दर्शाता है।
- (xii) याचिकाकर्ता का यह कहना है कि डाइक्टेन उद्योग से कोई भी अनुभवी व्यक्ति इस तथ्य से सहमत होगा कि डाइक्टेन के उत्पादन की क्षमता मोटे तौर पर डाइक्टेन टेरिवेटिव उत्पादों के उत्पादन की क्षमता का दो-तिहाई रहने का अनुमान है क्योंकि डाइक्टेन डेरिवेटिव के निर्माण के लिए अपेक्षित कच्चे माल को मिलाने की भी जरूरत होती है। क्षमता में वृद्धि स्पष्ट तौर पर डाइक्टेन और डाइक्टेन डेरिवेटिव, दोनों के संदर्भ में है।
- (xiii) डाइक्टेन तथा डाइक्टेन डेरिवेटिव की क्षमता 100% अधिक तक बढ़ी है। इस तथ्य को कारोबार योजना में क्षति अवधि के दौरान विक्रयों की संभावना के साथ भी स्पष्ट किया गया है।
- (xiv) यह सूचना एक तर्कसंगत समझ की दृष्टि से पर्याप्त और उचित है। इस संबंध में प्रतिभागी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत अनुरोध का कोई आधार नहीं है।
- (xv) घरेलू उद्योग ने कटौती के संबंध में कोई भी दावा नहीं किया है और वह वास्तव में कीमतों में गिरावट और कम कीमत पर बिक्री की समस्या का सामना कर रहा है। प्रोफार्मा IV-क में अपेक्षित सभी सूचनाएं अनुमान को दर्शाने के लिए या तो प्रदान कर दी गई हैं या सूचीबद्ध की गई हैं। अतः ईस्टमैन यूएसए की कीमत में गिरावट के आरोप के प्रत्युत्तर की अक्षमता का संवेदनशील सूचना पर याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे की गोपनीयता से कोई संबंध नहीं है।
- (xvi) सी.जे. शाह और प्राइमा द्वारा सूचीबद्ध अधिकांश मापदंड आरओआई, नकद लाभ, ब्याज और मूल्यहास, एनएफए तथा कार्यशील पूंजी प्रोफार्मा IV-क में निर्दिष्ट नहीं किए गए हैं। प्रोफार्मा IV-क में अपेक्षित समाप्त सूचना अनुमान को दर्शाने के लिए या तो प्रदान कर दी गई है या सूचीबद्ध की गई है। केवल वही सूचना जो सारांश करने योग्य नहीं है, उसे प्राधिकारी की प्रक्रिया के अनुसार गोपनीय रखा गया है।
- (xvii) सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य, पाटन मार्जिन और लागत संबंधी आंकड़ों (खंड-VI) के वास्तविक आंकड़ों को प्रकट न करने के सी.जे. शाह और प्राइमा के आरोप के उत्तर में यह कहना है कि इन आंकड़ों में कारोबारी संवेदनशील सूचना शामिल नहीं है और

- इसीलिए उन्हें प्रकट नहीं किया सकता। वास्तविक आंकड़ों के अनुमान को दर्शाने के लिए सार्थक सीमा प्रदान की गई है।
- (xviii) इस विवाद के संदर्भ में कि घरेलू उद्योग एमएए पर एकाधिकार रखना चाहता है, घरेलू उद्योग का यह कहना है कि पाटनरोधी नियमावली घरेलू उद्योग व पाटित आयातों के संरक्षण के लाभ को नहीं रोकती।
- (xix) ईस्टमैन के उत्तर से यह स्पष्ट है कि ईस्टमैन यूएसए पहले विचाराधीन उत्पाद को ईस्टमैन, सिंगापुर को बेचता है, जो बाद में भारत को निर्यात करता है।
- (xx) डीजीएडी की आवश्यक प्रक्रिया के बावजूद, ईस्टमैन यूएसए और ईस्टमैन, सिंगापुर, दोनों के लिए पृथक प्रश्नावली दाखिल नहीं की गई।
- (xxi) चूंकि प्रश्नावली दाखिल नहीं की गई है, प्राधिकारी को उत्तरों को अस्वीकार कर देना चाहिए और उन्हें असहयोगी का दर्जा प्रदान किया जाना चाहिए।
- (xxii) इसके अलावा यह कहना है कि उनके आंकड़ों को कानून के अनुसार उनकी अपेक्षाओं की पूर्ति न करने के लिए अस्वीकार किया जाना चाहिए और आगे किसी भी अतिरिक्त उत्तर के लिए कोई भी अवसर प्रदान किए जाने की जरूरत नहीं है।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

13. घरेलू उद्योग और प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीयता के संबंध में किए गए अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा संगत पाए जाने के संबंध में जांच की गई है और इस प्रकार समाधान किया गया है:

- (i) याचिकाकर्ता का यह कहना है कि महानिदेशक (सुरक्षा) के जांच परिणामों को वर्तमान पाटनरोधी जांच में एक मार्गदर्शक के रूप में नहीं माना जाए। विभिन्न व्यापार उपचारात्मक जांचों के लिए विभिन्न मानक और शर्तें लागू होती हैं। पाटन के लिए की गई कार्रवाई के संबंध में पाटनरोधी जांच और आकस्मिक उपायों के संबंध में सुरक्षा जांच है ताकि घरेलू उद्योगों की "सुरक्षा" के लिए अस्थायी रूप से आयातों को सीमित किया जा सके। किसी सुरक्षा जांच में गंभीर क्षति, पाटनरोधी जांचों के तहत यथालागू वास्तविक क्षति से अधिक होती है (अप्रत्याशित परिस्थितियों के लिए)। सुरक्षा जांच 2012-13 तक की अवधि के आधार पर थी जबकि पाटन याचिका अप्रैल, 2013 से जून, 2014 तक की अवधि पर आधारित है। अतः महानिदेशक (सुरक्षा) के जांच परिणामों को वर्तमान पाटनरोधी जांच के लिए विचार के लिए शामिल नहीं किया जा सकता।
- (ii) डीजीसीआईएंडएस की बजाय आईबीआईएस से आयात संबंधी आंकड़े प्राप्त करने की अनुचितता के लिए सभी प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा लगाए गए आरोप के संबंध में, प्राधिकारी यह उल्लेख करते हैं कि यद्यपि विचाराधीन उत्पाद का एक संगत वर्गीकरण अर्थात् 29183040 है, फिर भी संबद्ध वस्तुएं विभिन्न अध्याय उप-शीर्षों के तहत आयातित की जा रही हैं। इसके अलावा, लेन-देन-वार आयात संबंधी आंकड़े डीजीसीआईएंडएस से उपलब्ध नहीं थे और वित्त वर्ष के लिए प्रत्येक देश से आयातों का केवल एक सारांश उपलब्ध था। डीजीएडी द्वारा की गई जांचों से कई ऐसे उदाहरण हैं, जहां पर कि आईबीआईएस से आयात संबंधी आंकड़ों को डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त आयात संबंधी आंकड़ों पर तरजीह दी गई थी। घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान किए गए आयात संबंधी आईबीआईएस के आंकड़ों की जांच आरंभ करने से पूर्व पर्याप्त विश्लेषण किया गया था और घरेलू उद्योग द्वारा स्पष्ट की गई कार्यप्रणाली को विधिवत विचार करने के बाद स्वीकार किया गया था। अतः वर्तमान जांच आरंभ करने के प्रयोजन से आईबीआईएस के आयात संबंधी आंकड़े विश्वसनीय और भरोसेमंद माने गए थे। तथापि, डीजीसीआईएंडएस से जांच की अवधि सहित विगत तीन वर्षों के लिए, भारत में संबद्ध वस्तुओं के आयातों से संबंधित ब्यौरे प्रदान करने का अनुरोध किया गया था और डीजीसीआईएंडएस से वह सूचना प्राप्त की गई थी तथा अब इस जांच में अपनाई गई है।
- (iii) प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों का यह कहना है कि याचिकाकर्ता द्वारा एमएए का उत्पादन और बिक्री सामयिक है जैसा कि सुरक्षा जांच में बताया गया है और यह कैलेंडर वर्ष की पहली दो तिमाहियों में आयातों की विपरीत आनुपातिक है। तथापि, वर्तमान जांच में जांच की अवधि में घरेलू उद्योग की बिक्री के साथ आयातों का सह-संबंध किसी भी सामयिकता का सूचक नहीं है। प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों के कथन के अनुसार यह रुझान स्पष्ट तौर पर अस्तित्व में नहीं है क्योंकि घरेलू उद्योग की बिक्रियों की गति के अनुसार, कैलेंडर वर्ष 2014 की प्रथम दो तिमाहियों में, जो जांच की अवधि का ही एक भाग है, भारत में आयातों की गति का अनुसरण होता है। घरेलू उद्योग द्वारा एमएए का उत्पादन और बिक्रियां मांग और आपूर्ति की बाजारी शक्तियों द्वारा कड़ाई से संचालित होते हैं इसका सामयिकता अथवा कच्चे माल की सुलभता से कोई संबंध नहीं है।
- (iv) प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों का यह कहना है कि याचिकाकर्ता ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान की गई सूचना की अनुपयुक्तता और अपर्याप्तता के संबंध में प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा लगाए गए आरोप आधारहीन हैं। केवल वही सूचना, जो सारांश करने योग्य नहीं है, उसे ही प्राधिकारी की प्रक्रिया के अनुसार गोपनीय रखा गया है। यह सूचना तर्कसंगत रूप से समझने के लिए पर्याप्त और समुचित है।
- (v) विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा लगाए गए आरोप के संदर्भ में कि याचिकाकर्ता ने कीमत कटौती के संबंध में सूचना प्रदान नहीं की थी, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यद्यपि, घरेलू उद्योग का कीमत कटौती के संबंध में कोई दावा नहीं था यह

पाया गया कि सकारात्मक कीमत कटौती है। वास्तव में वह कीमतों में गिरावट और कम कीमत पर बिक्री की समस्या का सामना कर रहा है।

- (vi) एकाधिकार को बनाए रखने के लिए व्यापार उपचारी उपायों के उपयोग के संबंध में प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों का यह तर्क है कि घरेलू उद्योग एमएसए पर एकाधिकार रखेगा, तथापि, याचिकाकर्ता संबद्ध वस्तुओं का एकमात्र उत्पादक है। एकाधिकार की स्थिति में आने पर एकाधिकार की स्थिति का गलत उपयोग करने से संबंधित मामला का महानिदेशालय, पाटनरोधी और संबद्ध शुल्क के तहत आने वाला नहीं है।
- (vii) जहां तक आरोप का संबंध है कि ईस्टमैन केमिकल्स कंपनी ने सभी सूचना दाखिल नहीं की थी, जो कि पाटन के व्यक्तिगत मार्जिन को प्राप्त करने के लिए आवश्यक समझी गई है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ईस्टमैन यूएसए और ईस्टमैन सिंगापुर ने अलग-अलग प्रश्नावली उत्तर दाखिल किए थे, जो कि सार्वजनिक फाइल में रखे गए थे। अतः प्राधिकारी ने ईस्टमैन यूएसए द्वारा प्रस्तुत किए गए निर्यातक प्रश्नावली उत्तर को स्वीकार करने का निर्णय लिया है और पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए शामिल किया है।

#### पाटन का आकलन – कार्यप्रणाली और मापदंड

#### सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण

14. प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किया है:

- i). निंगबो वांगलॉग ने जांच की अवधि में किए गए एक ही लेन-देन द्वारा विचाराधीन उत्पाद का सीमित निर्यात (50 मीट्रिक टन से भी कम) किया है। इसके अलावा, वह भारत में विचाराधीन उत्पाद की बिक्री, लाभ पर और सामान्य मूल्य से अधिक पर कर रहा है और इस प्रकार से उसके द्वारा विचाराधीन उत्पाद का पाटन किए जाने अथवा घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाने का प्रश्न ही नहीं उठता।

- ii). चूंकि ईस्टमैन ने सभी संगत सूचना प्रस्तुत की है, इसलिए प्राधिकारी से अपने सभी व्यापार माध्यमों के लिए व्यक्तिगत पाटन मार्जिन की गणना करने का अनुरोध किया गया है और तदनुसार इस संबंध में शुल्क दरों की सिफारिश की है।

15. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किया है:

- (i) चीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था है। किसी भी देश ने चीन को बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश का दर्जा प्रदान नहीं किया है। चीन का कोई भी उत्पादक बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे की अपेक्षा को पूरा नहीं कर सकता।
- (ii) यूएसए के मामले में, घरेलू उद्योग ने कच्चे माल की कीमतों और याचिका में प्रदान की गई सूचना के अनुसार उपयोगी दर पर विचार करने का प्रस्ताव किया है।
- (iii) समुद्री माल भाड़े, समुद्री बीमा, बैंक प्रभार, कमीशन, पैकिंग, स्वदेशी माल-भाड़ा, लोडिंग/अनलोडिंग और पोर्ट प्रभार जैसे व्यय के लिए समायोजन करने के बाद स्थापित नियमों के अनुसार निबल निर्यात कीमत का निर्धारित किया गया है। चीन के मामले में ही वेट के अंतर पर विचार किया जाना चाहिए।
- (iv) पाटन मार्जिन की गणना के प्रयोजन से निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच उचित तुलना की गई है। सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण कारखाना बाह्य स्तर पर किया गया है और यह उसी अवधि से संबंधित है। दोनों ही कीमतें करों से मुक्त हैं। इस प्रकार से की गई तुलना एक उचित तुलना है।
- (v) ईस्टमैन के प्रत्युत्तर से यह स्पष्ट है कि ईस्टमैन यूएसए पहले विचाराधीन उत्पाद की ईस्टमैन सिंगापुर को बिक्री करता है जो बाद में उसे भारत को निर्यात करता है। डीजीएडी की अनिवार्य प्रक्रिया के बावजूद, ईस्टमैन यूएसए और ईस्टमैन सिंगापुर, दोनों के लिए अलग-अलग उत्तर दाखिल नहीं किया गया है। चूंकि प्रश्नावली दाखिल नहीं की गई है, इसलिए प्राधिकारी को उत्तर को अस्वीकार कर देना चाहिए और उन्हें असहयोगी का दर्जा प्रदान कर देना चाहिए। इसके अलावा, यह कहना है कि उनके आंकड़ों को कानून के तहत अपेक्षाओं को पूरा न कर पाने के लिए तुरंत अस्वीकार कर देना चाहिए और उन्हें किसी अतिरिक्त प्रत्युत्तर के लिए आगे कोई अवसर प्रदान किए जाने की जरूरत नहीं है।

#### प्राधिकारी द्वारा जांच

#### A. सामान्य मूल्य

#### चीन जन-गण के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

16. धारा 9-क(1)(ग) के तहत, किसी वस्तु के संबंध में "सामान्य मूल्य" का तात्पर्य है:



- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप-धारा (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या भू-भाग में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातक देश या भू-भाग के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या भू-भाग की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसकी घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा :

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या भू-भाग से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा

(ख) उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम के देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत:

बशर्ते यदि उक्त वस्तु का आयात उद्गम के देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु का, निर्यात के देश से होकर केवल यानान्तरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम के देश में उसकी कीमत के संबंध में किया जाएगा।

17. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली भेजी जिसमें उन्हें निर्धारित फार्म में और निर्धारित तरीके से सूचना प्रदान करने की सलाह दी गई। संबद्ध देशों से निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल की है:

- (क) जियांग्सू तियांचेंग बायोकेमिकल प्रोडक्ट्स कं. लि., चीन
- (ख) नानटोंग तियांहोंग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि., चीन
- (ग) नानटोंग एसेटिक एसिड केमिकल कं. लि., चीन
- (घ) किंगदाओ डबल-पीच स्पेशियलिटी केमिकल्स (गु) कं. लि., चीन
- (ङ) निंगबो वांगलोंग टैक्रोलॉजी कं. लि., चीन
- (च) ईस्टमैन केमिकल कंपनी, यूएसए
- (छ) ईस्टमैन केमिकल लि., सिंगापुर

18. जियांग्सू तियांचेंग बायोकेमिकल प्रोडक्ट्स कं. लि., चीन ने भी बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली दाखिल की है।

19. जहां तक इस आरोप का संबंध है कि ईस्टमैन केमिकल्स कं. ने ऐसी सभी सूचना दाखिल नहीं की थी जो व्यक्तिगत पाटन मार्जिन प्राप्त करने के लिए आवश्यक समझी गई है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ईस्टमैन यूएसए और ईस्टमैन सिंगापुर ने अलग से प्रश्नावली उत्तर दाखिल नहीं किया था जिसे सार्वजनिक फाइल में रखा गया था। अतः प्राधिकारी ने ईस्टमैन यूएसए द्वारा प्रस्तुत निर्यातक प्रश्नावली उत्तर को स्वीकार करने का निर्णय लिया है और पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए इस पर विचार किया है।

20. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विगत तीन वर्षों में चीन जन.गण. को भारत द्वारा पाटनरोधी जांच में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है, यद्यपि पाटनरोधी नियमावली के तहत निर्यातक देश अथवा व्यक्तिगत निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा इससे इंकार किया गया है।

21. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 के तहत एक गैर-अर्थव्यवस्था वाले देश की परिकल्पना को हटाया जा सकता है यदि चीन जन.गण. से निर्यातक/उत्पादक सूचना उपलब्ध कराए और पैरा 8 के उप-पैरा 3 में उल्लिखित मापदंडों के आधार पर पर्याप्त साक्ष्य प्रदान कर दें और इसके खिलाफ तथ्य प्रस्तुत कर दें। चीन जन-गण से संबद्ध वस्तुओं के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली में पैरा 9 के उप-पैरा (3) में यथा उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करने अपेक्षित होते हैं ताकि प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार कर सके कि क्या:

- कीमतों, लागतों तथा इनपुट, जिनमें कच्ची सामग्रियां, प्रौद्योगिकी की लागत, श्रम, आउटपुट, बिक्रियां, तथा निवेश शामिल हैं, के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित फर्म के निर्णय आपूर्ति और मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतकों के प्रत्युत्तर में और इस संबंध में राज्य के पर्याप्त हस्तक्षेप के बिना किए गए थे और क्या प्रमुख इनपुट की लागत पर्याप्त रूप से बाजार के मूल्य को दर्शाती है;

- ऐसी फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति पूर्व गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से पर्याप्त विचलन के अधीन है, खासकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बढ़ते खाने में डालना, बार्टर ट्रेड तथा ऋणों की प्रतिपूर्ति के द्वारा भुगतान के संबंध में है;

• ऐसी फर्मों दीवालिएपन और संपत्ति कानूनों के अधधीन हैं, जो कानूनी निश्चितता और फर्मों के प्रचालन के लिए स्थायित्वता की गारंटी है, और

• विनिमय दर परिवर्तन बाजार दर पर किए गए हैं।

22. प्राधिकारी ने निर्यातक प्रश्नावली और बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी) के संबंध में प्रश्नावली की प्रतियां चीन जन-गण में निर्यातकों को भेजी। तथापि, जियांग्सू तियांगचेंग बायोकेमिकल्स प्रोडक्ट्स कं. लि. को छोड़कर किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने एमईटी का दावा नहीं किया है। यद्यपि जियांग्सू तियांगचेंग बायोकेमिकल्स प्रोडक्ट लि., चीन ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी) के दर्जे का दावा किया था, लेकिन एमईटी प्रत्युत्तर से यह देखा गया है कि कंपनी ने कच्ची सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं के पूर्ण ब्यौरे/स्रोतों तथा इसके प्रमोटरों द्वारा निवेश की गई पूंजी के स्रोतों के बारे में दस्तावेजों के साथ साक्ष्य प्रदान नहीं किए हैं। इसके अलावा, मूल कंपनी नामतः जियांग्सू तियांगचेंग साइंस ग्रुप के लिए एमईटी प्रत्युत्तर भी दाखिल नहीं किए गए हैं। इस सूचना के अभाव में प्राधिकारी ने कंपनी को एमईटी का दर्जा प्रदान न करने का प्रस्ताव किया है। उपरोक्त को देखते हुए प्राधिकारी ने चीन जन-गण. के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार आगे बढ़ना उपयुक्त समझा, जिसमें इस प्रकार का प्रावधान है:

"गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत सहित, सामान्य, मूल्य का निर्धारण तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव नहीं है, या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा। संबद्ध देश के विकास के स्तर तथा संबद्ध उत्पाद को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यथोचित पद्धति द्वारा एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन किया जाएगा और चयन के समय पर उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना पर यथोचित रूप से विचार किया जाएगा। बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी अन्य तीसरे देश के संबंध में किसी समयनुरूपी मामले में की जाने वाली जांच के मामले में जहां उचित हों, समय-सीमा के भीतर कार्रवाई की जाएगी। जांच से संबंधित पक्षकारों को किसी अनुचित विलंब के बिना बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के चयन के विषय में सूचित किया जाएगा और अपनी टिप्पणियां देने के लिए एक समुचित समयावधि प्रदान की जाएगी।"

23. उपरोक्त को देखते हुए, प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजन से अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार, सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। संबद्ध वस्तुओं के लिए चीन जन-गण. से भारत में आयात की गई संबद्ध वस्तुओं के लिए सामान्य मूल्य का निर्माण घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान की गई सूचना के अनुसार, घरेलू उद्योग के लिए अनुमत स्तर पर प्रमुख कच्ची सामग्री की अधिकतम खपत, कच्ची सामग्री के लिए अन्तर्राष्ट्रीय कीमतों, परिवर्तन लागत, ब्याज, एसजीए इत्यादि के साथ-साथ उत्पादन की लागत पर तर्कसंगत लाभ को ध्यान में रखकर किया गया है। तदनुसार, इस प्रकार से निर्धारित सामान्य मूल्य पाटन मार्जिन सारणी में नीचे दिया गया है:

#### यूएसए के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

##### **मैसर्स ईस्टमैन केमिकल कंपनी, यूएसए**

24. मैसर्स ईस्टमैन केमिकल कंपनी, यूएसए ने उत्तर दिया है और निर्धारित फॉर्मेट में सूचना प्रदान की है। कंपनी ने जांच की अवधि (पीओआई) के दौरान घरेलू बाजार में \*\*\*मीट्रिक टन विचाराधीन उत्पाद की बिक्री की है। कंपनी के आंकड़ों की स्थल पर पुष्टि करने पर पता चला कि जांच के अवधि के दौरान \*\*\*मीट्रिक टन एमएए की कुल घरेलू बिक्री में से \*\*\*मीट्रिक टन एमएए की बिक्री एक ग्राहक नामतः फ्यूचर फ्यूल केमिकल कंपनी ("फ्यूचर फ्यूल") और \*\*\*मीट्रिक टन की बिक्री अन्य ग्राहकों को की गई। कंपनी ने यह दावा किया था कि \*\*\*मीट्रिक टन की फ्यूचर फ्यूल को की गई बिक्री में से \*\*\*मीट्रिक टन की बिक्री सामान्य कारोबार के दौरान नहीं थी और शेष \*\*\*मीट्रिक टन की बिक्री सामान्य कारोबार के दौरान सामान्य मात्रा के आधार पर की गई। जांच की अवधि (पीओआई) के दौरान \*\*\*मीट्रिक टन एमएए की बिक्री ईस्टमैन केमिकल कंपनी और फ्यूचर फ्यूल के बीच हुए दीर्घावधिक आपूर्ति करार के अनुसरण में पूर्व सौदे के भाग के रूप में की गई थी, जिसमें ईस्टमैन यूएसए की पूर्ण स्वामित्वाधीन सहायक कंपनी, ईस्टमैन एसई, इंक. द्वारा फ्यूचर फ्यूल को नवंबर, \*\*\*में की गई बिक्री शामिल थी। ईस्टमैन केमिकल कंपनी द्वारा जांच की अवधि के दौरान फ्यूचर फ्यूल को \*\*\*मीट्रिक टन एमएए की बिक्री की गई थी।

25. जांच की अवधि के दौरान ईस्टमैन केमिकल कंपनी ने भारत को कुल \*\*\*मीट्रिक टन निर्यात बिक्री की थी। यह नोट किया जाता है कि ईस्टमैन केमिकल कंपनी की कुल घरेलू बिक्री (\*\*\*जिसमें सूचित बिक्री में सामान्य अवधि के दौरान नहीं की गई बिक्री शामिल है) भारत को की गई निर्यात बिक्रियों की प्रतिशतता के रूप में व्यक्त की गई है, वह \*\*\*% और \*\*\*% होगी (\*\*\*जिसमें सूचित बिक्री में सामान्य अवधि के दौरान की गई बिक्री शामिल है)। भारत को निर्यात बिक्रियों की प्रतिशतता के रूप में व्यक्त की गई सामान्य अवधि में की जाने वाली केवल \*\*\*% घरेलू बिक्रियों को देखते हुए कंपनी ने यह अनुरोध किया कि जांच की अवधि के दौरान चीन के एमएए की निर्यात बिक्री को ईस्टमैन केमिकल कंपनी के लिए सामान्य मूल्य का निर्माण करने के लिए उपयुक्त समझा जाए। इस संबंध में प्राधिकारी ने यह नोट

किया कि फ्यूचर फ्यूल केमिकल कंपनी ईस्टमैन यूएसए की एक संबद्ध कंपनी नहीं है और इस प्रकार से फ्यूचर फ्यूल को की गई बिक्री केवल इस कारण से व्यापार की सामान्य अवधि के दौरान नहीं मानी जा सकती कि ये बिक्रियां दीर्घावधिक करार के तहत की गई थी। अतः प्राधिकारी ने ईस्टमैन यूएसए के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए सभी घरेलू बिक्रियों पर विचार किया है।

26. कंपनी के उत्पादन की लागत की सौदे-वार घरेलू बिक्रियों के साथ तुलना की गई है और यह पाया गया कि \*\*\*% से बिक्रियां हानि में थीं। अतः प्राधिकारी ने जैसा कि अनुबंध-1 में बताया गया है, सभी घरेलू बिक्रियों में केवल लाभकारी घरेलू बिक्रियों के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया है। जैसा कि दावा किया गया है, डिस्काउंट, स्वदेशी माल-भाड़ा, पैकिंग लागत और ऋण लागत के संबंध में समायोजनों की अनुमति दी गई है। तदनुसार, इस प्रकार से परिकलित किया गया मूल्य नीचे पाटन मार्जिन सारणी में दर्शाया गया है

#### यूएसए से असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

27. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यूएसए से किसी भी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल नहीं किया है। अतः यूएसए से किसी भी अन्य उत्पादक/निर्यातक के लिए उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निवल निर्यात कीमत का निर्धारण से किया गया है। तदनुसार, सामान्य मूल्य का इस प्रकार से किया गया निर्धारण नीचे पाटन मार्जिन सारणी में दिया गया है।

#### चीन जन-गण के लिए निर्यात मूल्य का निर्धारण

##### किंगडाओ डबल-पीच स्पेशियलिटी केमिकल्स (ग्रुप) कं. लि., (उत्पादक/निर्यातक)

28. किंगडाओ डबल-पीच स्पेशियलिटी केमिकल्स (ग्रुप) कं. लि. ने जांच की अवधि (पीओआई) के दौरान भारत को \*\*\*मीट्रिक टन विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है। वस्तुओं का भारत में ग्राहकों को सीधे निर्यात किया गया है। भारतीय ग्राहकों को सीआईएफ के आधार पर बिक्री की गई है। उत्पादकों/निर्यातकों ने पोर्ट और हैंडलिंग प्रभारों, समुद्री माल-भाड़ा, समुद्री बीमा, ऋण व्यय तथा बैंक प्रभारों के संबंध में समायोजन का दावा किया है जिसे अनुमति दे दी गई है। प्राधिकारी द्वारा आकलित की गई निवल निर्यात कीमत नीचे पाटन मार्जिन सारणी में दी गई है।

##### जियांग्सू तियांचेंग बायोकेमिकल प्रोडक्ट्स कं. लि. (उत्पादक/निर्यातक)

29. जियांग्सू तियांचेंग बायोकेमिकल कं. लि. ने जांच के दौरान भारत को \*\*\*मीट्रिक टन विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है। \*\*\*मीट्रिक टन संबद्ध वस्तुओं का निर्यात सीधे किया गया है और \*\*\*मीट्रिक टन का निर्यात एक असंबद्ध कंपनी अर्थात् बी.के. रेखाटेक्स (एचके) लि., हांगकांग के माध्यम से भारत में ग्राहकों को किया गया है। भारतीय ग्राहकों को सीआईएफ के आधार पर बिक्री की गई है। प्रश्नावली उत्तर से यह देखा गया है कि बीके रेखाटेक्स (एचके) लि., हांगकांग ने प्रश्नावली का उत्तर दाखिल नहीं किया है जबकि उन्होंने भारत को संबद्ध वस्तुओं के कुल निर्यातों का \*\*\*% निर्यात किया है। चूंकि भारत को निर्यातित संबद्ध वस्तुओं की पर्याप्त प्रतिशतता से संबंधित सूचना भरी नहीं गई है, और इस प्रकार से मूल्य श्रृंखला पूरी नहीं है, इसलिए प्राधिकारी जियांग्सू तियांचेंग बायोकेमिकल कं. लि. के उत्तर को अस्वीकार करते हैं।

##### नानटोंग एसेटिक एसिड केमिकल कं. लि. (उत्पादक/निर्यातक)/नानटोंग तियानहोंग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि. (निर्यातक/व्यापारी)

30. नानटोंग एसेटिक एसिड केमिकल कंपनी लि. संबद्ध वस्तुओं की एक उत्पादक/निर्यातक कंपनी है और उसने जांच की अवधि (पीओआई) में नानटोंग तियानहोंग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि. के माध्यम से विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है। \*\*\*मीट्रिक टन वस्तुओं की बिक्री सीधे और \*\*\*मीट्रिक टन की बिक्री एक कंपनी नानटोंग तियांहोंग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि. के माध्यम से की गई है। इसके अलावा, \*\*\*मीट्रिक टन में से \*\*\*मीट्रिक टन की बिक्री जांच की अवधि के दौरान भारत को की गई है जबकि \*\*\*मीट्रिक टन की बिक्री जांच की अवधि (पीओआई) से पहले की गई है। अतः औसतन कारखान बाह्य कीमत पाने के लिए नानटोंग एसेटिक एसिड केमिकल कं. लि. (उत्पादक/निर्यातक) और नानटोंग तियानहोंग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि. (निर्यातक/व्यापारी) द्वारा जांच की अवधि के दौरान बेची गई मात्रा पर ही विचार किया गया है। भारतीय ग्राहकों को बिक्री सीआईएफ के आधार पर की गई है। तथापि, प्राधिकारी ने समुचित समायोजनों के बाद औसत कारखाना बाह्य कीमत का निर्धारण किया है। उत्पादक/निर्यातक और निर्यातक/व्यापारी ने पोर्ट और हैंडलिंग प्रभारों, समुद्री माल-भाड़ा, समुद्री बीमा, ऋण व्यय तथा बैंक प्रभारों के संबंध में समायोजनों का दावा किया है, जिसे अनुमति प्रदान की गई है। प्राधिकारी द्वारा आकलित की गई निवल निर्यात कीमत नीचे पाटन मार्जिन सारणी में दर्शाई गई है।

##### निंगबो वांगलॉग टैक्रोलॉजी कं. लि., चीन

31. निंगबो वांगलॉग टैक्रोलॉजी कं. लि., चीन, (उत्पादक/निर्यातक) ने जांच की अवधि के दौरान भारत को \*\*\*सौदे के अंतर्गत \*\*\*मीट्रिक टन विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है। पीओआई में संबद्ध वस्तु की कंपनी की कुल उत्पादन मात्रा \*\*\*मीटन है। पीओआई में भारत को निर्यात मात्रा पीओआई में कंपनी के कुल उत्पादन का केवल \*\*\*% है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि निंगबो वांगलॉग टैक्रालाजी कं. लि. द्वारा भारत को पीओआई में किए गए निर्यात निर्यात कीमत का रूझान जानने के लिए काफी कम हैं। इसके अलावा प्राधिकारी ने यह भी नोट किया कि पीओआई के दौरान चीन जन. गण. से औसत निर्यात कीमत निंगबो वांगलॉग टैक्रालाजी कं. लि. की तुलना में काफी कम है। जो स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि निंगबो वांगलॉग टैक्रालाजी कं. लि. से निर्यात कीमत व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में नहीं है। अतः प्राधिकारी अलग पाटन मार्जिन प्रदान करने के लिए निंगबो वांगलॉग टैक्रालाजी कं. लि. द्वारा किए गए निर्यातों पर विचार नहीं करने का प्रस्ताव करते हैं।

### चीन जन-गण से असहयोगी निर्यातक

32. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन जन-गण से किसी भी अन्य निर्यातक/उत्पादक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। अतः प्राधिकारी उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निम्न निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए आगे कार्रवाई करते हैं। तदनुसार, इस प्रकार से निर्धारित निर्यात कीमत नीचे पाटन मार्जिन सारणी में दर्शाई गई है।

#### यूएसए के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण

मैसर्स ईस्टमैन केमिकल लि., सिंगापुर (निर्यातक/व्यापारी) के माध्यम से मैसर्स ईस्टमैन केमिकल्स कंपनी, यूएसए (उत्पादक) के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण

33. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ईस्टमैन यूएसए एमएए का निर्माण करती है और भारत को एमएए के निर्यातों के मामले में ईस्टमैन यूएसए विचाराधीन उत्पाद की बिक्री ईस्टमैन केमिकल लि, सिंगापुर (ईस्टमैन सिंगापुर) को करती है, जो कि ईस्टमैन यूएसए की एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है (ईस्टमैन सिंगापुर को विचाराधीन उत्पाद को वास्तविक माप से आपूर्ति किए बिना) और ईस्टमैन सिंगापुर भारत के लिए ईस्टमैन यूएसए द्वारा किए गए सभी निर्यातों की बिक्री के इनवॉयस पर कार्रवाई करती है। ईस्टमैन सिंगापुर इनवॉयस लेकर आदेशों पर कार्रवाई करती है और भारत में ग्राहकों को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात करती है। ईस्टमैन यूएसए और ईस्टमैन सिंगापुर, दोनों ने प्रश्नावली प्रत्युत्तर दाखिल किए थे।

34. कंपनी ने जांच की अवधि के दौरान भारत को \*\*\* मीट्रिक टन विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है। दावा किए गए समायोजनों पर निम्न निर्यात कीमत, अर्थात् समुद्री माल-भाड़ा, बीमा, पैकिंग लागत और ऋण लागत के निर्धारण के लिए विचार किया जा रहा है। ईस्टमैन यूएसए (उत्पादक) और ईस्टमैन सिंगापुर (निर्यातक) के लिए निर्धारित की गई निम्न निर्यात कीमत नीचे पाटन मार्जिन सारणी में दर्शाई गई है।

#### यूएसए से असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण

35. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यूएसए से किसी भी अन्य निर्यातक/उत्पादक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को ऊपर नहीं दिया है। अतः प्राधिकारी उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निम्न निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए आगे कार्रवाई करते हैं। तदनुसार, इस प्रकार से निर्धारित की गई निर्यात कीमत नीचे पाटन मार्जिन सारणी में दर्शाई गई है।

#### पाटन मार्जिन सारणी

36. उपरोक्तानुसार निर्धारित सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमतों पर विचार करते हुए संबद्ध देशों से उत्पादकों/निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन इस प्रकार से निर्धारित किया गया है:

उत्पादक	निर्यातक	सामान्य कीमत (यूएस डॉलर/किग्रा)	निम्न निर्यात मूल्य (यूएस डॉलर/किग्रा)	पाटन मार्जिन (यूएस डॉलर/किग्रा)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन रेंज (%)
चीन जन.गण.						
किंगडाओ-पीच स्पेशियलिटी केमिकल्स (ग्रुप) कं. लि.	किंगडाओ-पीच स्पेशियलिटी केमिकल्स (ग्रुप) कं. लि.	****	****	****	****	25-50
नानटोंग एसिटिक एसिड केमिकल कं. लि.	नानटोंग एसिटिक एसिड केमिकल कं. लि.	****	****	****	****	25-45
कोई अन्य	कोई अन्य	****	****	****	****	40-50
यूएसए						
ईस्टमैन केमिकल कंपनी	ईस्टमैन केमिकल कंपनी, सिंगापुर	****	****	****	****	120-150
कोई अन्य	कोई अन्य	****	****	****	****	400-450

#### क्षति का आकलन

37. प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों के क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में निम्नलिखित अनुरोध किया है:

- (i) जांच की अवधि में वर्ष 2012-13 की तुलना में संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि हुई है। यह भी अनुरोध किया है कि वर्ष 2013-14 तक कुल मिलाकर आयातों में वृद्धि हुई है और उसके बाद जांच की अवधि में गिरावट आई है। इस प्रकार संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि मात्र आयातों को पुनः दर्शाना है।
- (ii) घरेलू उद्योग मांग में वृद्धि के साथ ही अपने उत्पादन और बिक्री में वृद्धि के लिए समर्थ हैं। वास्तव में उत्पादन और बिक्रियां पिछले वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में दो गुना हो गई है।
- (iii) विचाराधीन उत्पाद के लिए मांग में पूर्ण रूप से वृद्धि हुई है। मांग में वृद्धि होने और वस्तुओं की घरेलू आपूर्ति में कमी आने के कारण आयातों में वृद्धि हो रही है।
- (iv) घरेलू उद्योग का बाजार अंश जांच की अवधि में 30.85% तेजी से बढ़कर 46.16% हो गया है जबकि संबद्ध देशों से आयातों का बाजार अंश जांच की अवधि तक आधार वर्ष से केवल 2% से भी कम बढ़ा है।
- (v) यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि जब क्षति की अवधि के दौरान आयातों की कीमतों में वृद्धि हुई है, तो घरेलू उद्योग को उसकी कीमतों में आयातों के पहुँच मूल्य के स्तर तक वृद्धि करने से किसने रोका। यह भी स्पष्ट नहीं किया गया है कि आयातों में वृद्धि क्यों हो रही है जबकि आयात की कीमतें घरेलू बिक्री कीमत से अधिक हैं।
- (vi) याचिकाकर्ता द्वारा कीमत के कथित कीमत ह्रास के संबंध में, यह कहना है कि जांच की अवधि तक बिक्री कीमत में वृद्धि लागत में वृद्धि से भी अधिक थी। तथापि, जांच की अवधि में लागत में वृद्धि कीमत में वृद्धि से तीन गुना अधिक थी।
- (vii) घरेलू उद्योग की उत्पादन और क्षमताओं में पर्याप्त वृद्धि के साथ ही घरेलू उद्योग की वस्तु-सूची में 17% तक की महत्वपूर्ण गिरावट आई है जबकि उत्पादन में 100% से अधिक की वृद्धि हुई है।
- (viii) घरेलू उद्योग के उत्पादन में क्षति की अवधि के दौरान महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। तथापि, चूंकि उत्पादन पहले संयंत्र की क्षमता से काफी कम है इसलिए प्राधिकारी कृपया याचिकाकर्ता द्वारा इतने कम उत्पादन के लिए कारणों की जांच करे।
- (ix) घरेलू उद्योग का यह कहना है कि वह लगाई गई पूंजी पर लाभ और प्रतिफल की दृष्टि से गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है। यदि यह सही है तो भी यह याचिकाकर्ता के अपने आंतरिक कारणों की वजह से है। जांच की अवधि में क्षमता का विस्तार करने से अधिक ऊपरी लागत और वित्तीय लागत आई है।
- (x) घरेलू उद्योग की लाभप्रदता पर प्रभाव का कारण पूंजी सघन विस्तार है और संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों को जिम्मेदार नहीं माना जा सकता।
- (xi) याचिकाकर्ता पिछले कुछ समय से नुकसान का सामना कर रहा है। महानिदेशक (सुरक्षा) ने भारी वृद्धि और घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच की थी। महानिदेशक (सुरक्षा) द्वारा विचार की गई अवधि में 2012-13 तक की अवधि शामिल थी। महानिदेशक (सुरक्षा) ने यह पाया था कि सुरक्षा शुल्कों को लगाने का कोई औचित्य नहीं है। इस प्रकार से घरेलू उद्योग को लगातार हो रही वित्तीय हानि आयातों के कारण से नहीं है।
- (xii) याचिकाकर्ता ने जांच की अवधि में अपनी क्षमताओं में काफी वृद्धि की है। याचिकाकर्ता ने अपनी क्षमता बढ़ी है जबकि पहले से मौजूद क्षमताओं का ही कम उपयोग किया गया था।
- (xiii) घरेलू उद्योग की क्षमता पयोग में 2011-12 में वृद्धि हुई है और उसके बाद 2012-13 में गिरावट आई है। तथापि, उसने अतिरिक्त क्षमता के बावजूद जांच की अवधि में वृद्धि की है।
- (xiv) जांच की अवधि में क्षमता उपयोग आधार वर्ष की तुलना में अधिक था। क्षमताओं में दो गुना वृद्धि होने के बावजूद क्षमता उपयोग में वृद्धि थी। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि यदि याचिकाकर्ता पहले उत्पादन में वृद्धि करने में असमर्थ था तो वह क्षमता की समस्या के कारण से था न कि बिक्रियों की समस्या के कारण से था।
- (xv) कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि के अनुरूप इस अवधि के दौरान धीरे-धीरे आयात की कीमतों में वृद्धि हुई है।
- (xvi) विचाराधीन उत्पाद के लिए कच्ची सामग्री में लागत का एक महत्वपूर्ण भाग शामिल है। याचिकाकर्ताओं ने जांच की अवधि (पीओआई) में लागत में वृद्धि दर्शाई है। प्रतिवादी ने कच्ची सामग्रियों के माह-वार आयातों का विश्लेषण किया है और इसमें कीमतों में गिरावट दिखाई गई है। घरेलू उद्योग ने जन सुनवाई के दौरान यह कहते हुए इस तर्क का खंडन किया है कि यूएस डॉलर में आयात की कीमतों में वृद्धि हुई। तथापि, यह कहना है कि ठंडे एसेटिक एसिड की कीमतों, जिनमें लागत का 65% शामिल है, यूएस डॉलर में भी गिरावट आई है।
- (xvii) इस बात को स्वीकार करते हुए कि कच्ची सामग्री में इस उत्पाद की लागत का महत्वपूर्ण हिस्सा शामिल है, प्राधिकारी कृपया घरेलू उद्योग में उत्पादन की लागत में हुई वृद्धि के कारणों वाले तत्वों की जांच करे। यह देखा गया है कि क्षमता में वृद्धि के कारण लागत में वृद्धि हुई है और इसके परिणाम स्वरूप हानियों में वृद्धि हुई है।
- (xviii) आयातों में वृद्धि हुई है और मांग में वृद्धि को देखते हुए घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री की मात्रा में भी ऐसा ही है। यह उल्लेखनीय है कि 2012-13 तक क्षमता से अधिक मांग थी। इसके अलावा, आयात की कीमतों में वृद्धि हुई है और आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती नहीं हो रही है। इस प्रकार से घरेलू उद्योग को यदि कोई क्षति हुई है तो वह कथित आयातों के कारण से नहीं कही जा सकती।

- (xix) घरेलू उद्योग को किसी क्षति का सामना नहीं करना पड़ा है। इसकी वजाय यदि कोई क्षति है तो वह अन्य लाभकारी डाइक्टेन डेरिवेटिव के उत्पादन पर ध्यान देने हेतु उसके अपने निर्णय के कारण से है। इस संबंध में महानिदेशक (सुरक्षा) ने यह निष्कर्ष दिया है कि घरेलू उद्योग का अपनी सुविधा के अनुसार एमएए का सीमित/नियंत्रित उत्पादन करना यह दर्शाता है कि उनका बाजार अंश में हानि पर बल देना सही नहीं है।
- (xx) निंगबो बांगलॉग का अंत में यह कहना है कि उसने जांच की अवधि (पीओआई) में एक एकल सौदे के द्वारा विचाराधीन उत्पाद का सीमित निर्यात (50 मीट्रिक टन से भी कम) किया है। इसके अलावा, वह भारत में विचाराधीन उत्पाद की बिक्री लाभ पर और सामान्य मूल्य से अधिक मूल्य पर करता है। अतः विचाराधीन उत्पाद का पाटन किए जाने अथवा घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाने का प्रश्न ही नहीं उठता।

### **घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध**

38. घरेलू उद्योग ने क्षति के आकलन और कारणात्मक संबंध के बारे में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- (i) यह कहना है कि घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच यह सिद्ध करेगी कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के निरंतर पाटन के कारण भारी क्षति का सामना करना पड़ रहा है।
- (ii) यदि वार्षिक प्रवृत्तियों तथा आधार वर्ष की तुलना की जाए तो संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि में क्षति की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। घरेलू उत्पादन और याचिकाकर्ता की बिक्रियों के संबंध में संबद्ध देशों से आयात अभी भी काफी अधिक है और आयातों में वृद्धि की दर भी अधिक है।
- (iii) घरेलू उद्योग ने बिक्रियों की लागत में वृद्धि के परिणामस्वरूप क्षति की अवधि के दौरान अपनी कीमत में वृद्धि हुई है। इस तथ्य के बावजूद कि कीमतें बराबरी पर हैं, आयातों में वृद्धि हो रही है क्योंकि गंभीर कीमत ह्रास हो रहा है, जिससे घरेलू उद्योग को भारी क्षति हो रही है।
- (iv) आयातित उत्पाद का पहुँच मूल्य वास्तव में घरेलू कीमत से अधिक नहीं है और घरेलू उद्योग द्वारा कीमतों में गिरावट के संबंध में कोई आरोप नहीं लगाए गए हैं।
- (v) याचिकाकर्ता को अपना प्रचालन कायम रखने और अपने संयंत्र को चालू अवस्था में रखने के लिए भारतीय बाजार में बिक्री करने के लिए आयात के समान स्तर से कम कीमत पर बिक्री करने पर बाध्य होना पड़ा है।
- (vi) घरेलू उद्योग क्षमता के उपयोग को अधिक रखने और निर्धारित लागतों को बहाल करने के लिए अधिकाधिक बिक्री करने की दृष्टि से आयात के समान कीमतों को रखने के लिए बाध्य होना पड़ा है।
- (vii) देश में विचाराधीन उत्पाद के लिए बढ़ती मांग को देखते हुए घरेलू उद्योग को अपने बाजार में उचित लाभ पर संबद्ध वस्तुओं की बिक्री करने के लिए समर्थ होना चाहिए।
- (viii) याचिकाकर्ता को यहां तक कि इसमें लगाई गई पूंजी पर न्यूनतम प्रतिफल की बात तो छोड़ो उसे इसकी बिक्री लागत की भी वसूली नहीं हो रही। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की पहुँच और घरेलू उद्योग की गैर-क्षति कीमत की तुलना करने पर यह देखा जा सकता है कि काफी कम कीमत पर बिक्री हो रही है जिससे घरेलू उद्योग को भारी क्षति हो रही है।
- (ix) उपरोक्त से यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग उचित बिक्री कीमत प्राप्त करने में असमर्थ है और संबद्ध देशों से पाटित आयातों से मुकाबला करने के लिए संबद्ध वस्तुओं की लागत से कम कीमत पर बिक्री करने के लिए बाध्य होना पड़ा है। अतः घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से पाटित आयातों से प्रस्तावित कीमतों के समान अथवा बेहतर करने के लिए बाध्य होना पड़ा है।
- (x) घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री संबद्ध देशों से भारत में संबद्ध वस्तुओं के पाटन से बुरी तरह प्रभावित हुई है। यह देखा जा सकता है कि याचिकाकर्ता की बिक्रियों में वर्ष 2011-12 की तुलना में 2012-13 में गिरावट आई है। तथापि, घरेलू उद्योग को अपनी मार्जिनल लागतों को पाने के लिए और मालसूची पूरी करने के लिए कम कीमतों पर पाटित आयातों से मुकाबला करने के लिए जांच की अवधि के दौरान कम कीमतों पर बिक्री करने के लिए बाध्य हुआ है।
- (xi) घरेलू उद्योग भारी नुकसान उठा रहा है क्योंकि उसे संबद्ध देशों से पाटित आयातों की काफी कम कीमतों के कारण से लागत से भी कम कीमतों पर संबद्ध वस्तुओं की बिक्री करने के लिए बाध्य होना पड़ा है।
- (xii) इसके अलावा, संबद्ध वस्तुओं का पाटन होने से घरेलू उद्योग को अपनी लगाई गई पूंजी पर नकारात्मक प्रतिफल प्राप्त हुआ है और इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को भारी क्षति हो रही है।
- (xiii) देश में विचाराधीन उत्पाद की बढ़ती मांग को देखते हुए, घरेलू उद्योग को घरेलू बाजार में उचित लाभ पर संबद्ध वस्तुओं की बिक्री करने में समर्थ होना चाहिए। तथापि, एक जहां जांच की अवधि तक बिक्री की लागत बढ़ती रही, वहीं घरेलू उद्योग का लाभ 50% तक नीचे चला गया और घाटा बढ़ गया है।
- (xiv) देश में मांग में वृद्धि हुई है, जैसा कि घरेलू उद्योग ने अनुमान लगाया था। बढ़ती मांग को देखते हुए कारोबार की योजना के अनुसार क्षमता बढ़ाई गई थी ताकि घरेलू उद्योग भारतीय मांग को पूरा करने में समर्थ हो सके।
- (xv) याचिकाकर्ता ने देश में संबद्ध वस्तुओं की कुल मांग को पूरा करने के लिए अपनी क्षमता का विस्तार करने पर निवेश किया है। तथापि, अनुचित कीमतों पर आयातों से मुकाबला करने के दबाव के चलते याचिकाकर्ता की क्षमता का काफी कम उपयोग हो पाया है।
- (xvi) संबद्ध देशों से निरंतर पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग अपनी क्षमता अपयोग का वह स्तर प्राप्त नहीं कर पाया जिससे

उसका प्रचालन व्यावहारिक बनता। यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि 55% से अधिक क्षमता बेकार पड़ी रही जिससे घरेलू उद्योग को भारी क्षति का सामना करना पड़ा।

- (xvii) प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा कच्ची सामग्रियों की कीमतों में गिरावट के संबंध में कहना पूरी तरह से अस्वीकार किया जाता है क्योंकि जांच की अवधि के साथ-साथ क्षति की अवधि के दौरान कच्ची सामग्री की कीमतों में वृद्धि हुई है। प्राधिकारी इस संबंध में स्थल पर किए गए सत्यापन से देख सकते हैं। इसके अलावा, यह उल्लेख किया जाना चाहिए कि जांच की अवधि के दौरान मुद्रा विनिमय दर के संदर्भ में "रुपए" का काफी मूल्यहास हुआ है जिससे घरेलू उद्योग की समस्या और भी बढ़ी है क्योंकि एसेटिक एसिड का पूरी तरह से आयात किया जाता है।
- (xviii) पाटित आयातों की कीमतों में कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि के अनुसार वृद्धि नहीं हुई है और इससे घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में कमी हुई है। स्पष्ट रूप से संबद्ध देशों से आयात ऐसी कीमतों पर हो रहा है जिससे घरेलू कीमतों पर काफी गिरावट का प्रभाव जारी रहेगा।
- (xix) यह उल्लेख किया जाना चाहिए कि याचिकाकर्ता की घरेलू बिक्री कीमतों में हास के कारण प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुई क्योंकि वे विचाराधीन उत्पाद की कीमत में वृद्धि नहीं कर पाए हैं। यद्यपि बनाने और बेचने की लागत में वृद्धि हो रही है, लेकिन याचिकाकर्ता की बिक्री कीमत पूरी क्षति अवधि के दौरान बनाने व बेचने की लागत से कम रही है। डेल्टा व्यापक होता जा रहा है, जिससे याचिकाकर्ता को क्षति का सामना करना पड़ रहा है।
- (xx) उत्पादन में वृद्धि होने के बावजूद याचिकाकर्ता की क्षमता का विशेषकर देश में बढ़ती मांग को देखते हुए काफी उपयोग हो पा रहा है।
- (xxi) क्षमता में वृद्धि पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना याचिकाकर्ता अनुचित कीमत पर हुए आयातों से मुकाबला करने को बाध्य है और आयात के समान कीमत को अपनाने के लिए मजबूर है, जिसके कारण संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन में सुधार हुआ है।
- (xxii) जांच की अवधि के दौरान याचिकाकर्ता का निराशाजनक निष्पादन घरेलू उद्योग में संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण स्पष्ट रूप से जिम्मेदार है।

#### **प्राधिकारी द्वारा जांच**

39. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के विभिन्न अनुरोधों पर विचार किया है और उपलब्ध तथ्यों और लागू कानून पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का विश्लेषण किया है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध पर जहां तक संभव और संगत था विचार किया गया है और नीचे संगत शीर्षों में जांच की गई है।
40. कारणात्मकता का गंभीर उल्लंघन होने के तर्क के संबंध में प्राधिकारी ने उपयुक्त शीर्ष के तहत कारणात्मक संबंध का अलग से विश्लेषण किया है। तथापि, यह नोट किया गया है कि संबद्ध देशों से भारी मात्रा में आयात हो रहा है।
41. जहां तक इस बात का संबंध है कि घरेलू उद्योग को क्षति इसकी अपनी अक्षमताओं के कारण से है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वास्तव में घरेलू उद्योग ने अपने अन्य उत्पादित उत्पादों पर लाभ प्राप्त किया है। अतः निष्पादन में गिरावट और उसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को हुई क्षति इन मानदंडों के कारण नहीं कही जा सकती।
42. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि क्षति मार्जिन की गणना आधारहीन है, प्राधिकारी ने उपयुक्त शीर्षों के तहत इसका विश्लेषण किया है। जहां तक गैर-आरोपण कारकों का संबंध है, प्राधिकारी ने उपयुक्त शीर्षों के तहत अलग से विश्लेषण किया है।
43. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में (क) पाटित आयातों की मात्रा और घरेलू बाजार में समान वस्तु के लिए कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव, तथा (ख) ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों के इन आयातों का परिणामी प्रभाव, दोनों की एक उद्देश्यपरक जांच करने का प्रावधान है। पाटित आयातों की मात्रा संबंधी प्रभाव के संबंध में, प्राधिकारी को इस बात की भी जांच करनी अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है, वह भारत में उत्पादन अथवा खपत में निरपेक्ष अथवा सापेक्ष रूप से हुई हो। पाटित आयातों के कीमत संबंधी प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी को इस बात की जांच करनी अपेक्षित है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण काफी कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा काफी गिरावट हुई है अथवा कीमत में वृद्धि पर रोक लगी है, जो अन्यथा पर्याप्त मात्रा में हो गई होती।
44. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में यह प्रावधान है:
 

“पाटित आयातों से घरेलू उद्योग पर पड़ने वाले प्रभाव की जांच में सभी संबंधित आर्थिक कारणों का मूल्यांकन उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतक, बिक्री में कमी होने के प्राकृतिक एवं सम्भावित कारण लाभ, उत्पादन, मार्केट शेयर, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग, घरेलू मूल्यों को प्रभावित करने वाले कारण, वास्तविक पाटन के मार्जिन की मात्रा नकद प्रवाह, वस्तुसूची रोजगार, वेतन, वृद्धि, पूंजी निवेश में वृद्धि करने की क्षमता शामिल है।”
45. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच के लिए, प्राधिकारी ने उक्त नियमावली के अनुबंध-II (iv) के अनुसार ऐसे संकेतकों पर विचार किया है, जिनका उद्योग की स्थिति से संबंध है, जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभ, निवल बिक्री वसूली, पाटन की मात्रा और पाटन मार्जिन इत्यादि।

46. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II (iii) में प्रावधान है कि ऐसे मामले में जहां एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के आयातों के मामले में, जब पाटनरोधी जांच एक साथ की जा रही है, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इस प्रकार के आयातों का संचयी रूप से आकलन किया जाएगा:-

- प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त 2 प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयातों की मात्रा भारत में समान वस्तु के आयात का 3 प्रतिशत अथवा जहां प्रत्येक देश का निर्यात 3 प्रतिशत से कम है वहां संचयी रूप से आयात समान वस्तु के आयातों का सात प्रतिशत से अधिक होता है; और
- आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन, आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों की दृष्टि से उचित है।

47. वर्तमान मामले में यह नोट किया जाता है कि:

- प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन का मार्जिन निर्धारित सीमा से अधिक है।
- प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों की मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक है।
- आयातों के प्रभावों का संचित मूल्यांकन उपयुक्त है क्योंकि संबद्ध देशों से निर्यात न केवल उनमें से प्रत्येक द्वारा प्रस्तावित समान वस्तु के साथ मुकाबला करते हैं बल्कि भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित समान वस्तु के साथ भी मुकाबला करते हैं।

48. उपरोक्त को देखते हुए प्राधिकारी इसे उपयुक्त मानते हैं कि आयातों के प्रभाव का संचित रूप से आकलन किया जाए। प्राधिकारी ने हितवद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत सूचना का विश्लेषण करने के बाद घरेलू उद्योग को हुई क्षति का विश्लेषण किया है।

#### मात्रा संबंधी प्रभाव

##### मांग का निर्धारण

49. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री, अन्य भारतीय उत्पादों की बिक्री तथा सभी स्रोतों से (डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त सौदेवार आयात आंकड़ों पर) भारत में संबद्ध वस्तुओं के आयातों को जोड़कर मांग का निर्धारण किया है। इस प्रकार आकलित की गई मांग नीचे सारणी में दर्शायी जा रही है।

विवरण	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि	जांच की अवधि (वार्षिक)
यूएसए से आयात	मी. टन	1,087	1,665	1,344	2,578	2,062
चीन जन. गण. से आयात	मी. टन	1,428	1,601	2,095	1,974	1,579
संबद्ध देशों से आयात	मी. टन	2,515	3,267	3,439	4,552	3,641
अन्य देशों से आयात	मी. टन	1,131	505	891	447	357
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी. टन	1,778	2,692	2,050	4,903	3,922
मांग	मी. टन	5,424	6,464	6,380	9,901	7,921
घरेलू उत्पादन (कुल)	मी. टन	1,975	2,604	2,045	5,268	4,215

#### मात्रा संबंधी प्रभाव

विवरण	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि	जांच की अवधि (वार्षिक)
<b>आयातों की मात्रा</b>						
यूएसए से आयात	मी. टन	1,087	1,665	1,344	2,578	2,062
चीन जन. गण. से आयात	मी. टन	1,428	1,601	2,095	1,974	1,579
संबद्ध देशों से आयात	मी. टन	2,515	3,267	3,439	4,552	3,641
अन्य देशों से आयात	मी. टन	1,131	505	891	447	357
<b>कुल</b>	<b>मी. टन</b>	<b>3,646</b>	<b>3,772</b>	<b>4,330</b>	<b>4,998</b>	<b>3,999</b>



बाजार का अंश						
यूएसए से आयात	%	29.82	44.16	31.04	51.58	51.58
चीन जन. गण. से आयात	%	39.16	42.45	48.38	39.48	39.48
संबद्ध देशों से आयात	%	<b>68.98</b>	<b>86.61</b>	<b>79.42</b>	<b>91.06</b>	<b>91.06</b>
अन्य देशों से आयात	%	31.02	13.39	20.58	8.94	8.94
कुल आयात	%	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00
मांग में बाजार का अंश						
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	32.78	41.65	32.13	49.52	49.52
संबद्ध देशों से आयात	%	46.37	50.54	53.90	45.97	45.97
अन्य देश	%	20.86	7.81	13.97	4.51	4.51

50. यह नोट किया जाता है कि हितबद्ध पक्षकारों की ओर से किया गया अनुरोध यह है कि आयातों में सापेक्ष वृद्धि संबद्ध देशों और अन्य देशों के बीच आयातों का मात्र पुनः उल्लेख करना है जबकि वास्तविक अर्थों में आयातों में गिरावट आई है।
51. प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा मात्रा संबंधी प्रभाव के संबंध में किए गए अनुरोध के विपरीत संबद्ध देशों से आयातों में आधार वर्ष की तुलना में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

#### कीमत संबंधी प्रभाव

52. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी को यह विचार करना अपेक्षित होता है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमतों की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत अधोरदन किया गया है अथवा क्या इन आयातों का प्रभाव कीमतों का इतनी अधिक मात्रा में अवमंदन करना अथवा कीमतों में वृद्धि होने से रोकना है, जिनमें अन्यथा भारी मात्रा में वृद्धि हुई होती। घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच कीमत अधोरदन, कीमत निग्रहण और कीमत अवमंदन के संबंध में की गई है।

#### कीमत अधोरदन

53. यह निर्धारण करने के उद्देश्य से कि क्या इन आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों का अधोरदन हुआ है, प्राधिकारी ने आयातों की उतराई कीमत (डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त सौदेवार आयात आंकड़ों पर) की तुलना घरेलू उद्योग के निवल बिक्री प्रापण से की है :

विवरण	यू ओ एम	यू एस ए	चीन जन. गण.	संबद्ध देश
आयातों का पहुंच मूल्य	रु./ किग्रा	***	***	***
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./ किग्रा	***	***	***
कीमत कटौती	रु./ किग्रा	***	***	***
	%	***	***	***
	सीमा	0 से 5	0 से 5	0 से 5

54. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं की पहुंच कीमत, घरेलू उद्योग की बिक्री की कीमत से कम है, जो कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हो रही कीमत में कटौती को दर्शाती है।

#### कम कीमत पर बिक्री

55. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से पाटित आयातों के संबंध में घरेलू उद्योग के समक्ष आ रही कम कीमत पर बिक्री की भी जांच की है, जो इस प्रकार है:

विवरण	यूओएम	यूएसए	चीन जन. गण.	संबद्ध देश
गैर- क्षति कीमत	रु./ मी. टन	***	***	***
पहुंच मूल्य	रु./ मी. टन	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	रु./ मी. टन	***	***	***
	%	***	***	***
	सीमा (रेंज)	15-25	15-25	15-25

56. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के कारण जांच अवधि के दौरान काफी कम कीमत पर बिक्री करनी पड़ी है।

#### कीमत ह्रास

57. यह निर्धारण करने के लिए कि क्या पाटित आयातों से घरेलू कीमत का ह्रास अथवा गिरावट हो रही है और क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों की पर्याप्त मात्रा में ह्रास होगा और कीमत में उस वृद्धि पर रोक लगेगी जो अन्यथा पर्याप्त मात्रा में होती, इसलिए प्राधिकारी ने क्षति की अवधि के दौरान लागतों और कीमत में बदलावों पर विचार किया। कीमत ह्रास को नीचे सारणी से देखा जा सकता है :-

विवरण	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि (वार्षिक)
संबद्ध देशों से पहुंच कीमत	रु. किग्रा	***	***	***	***
सूचीबद्ध पहुंच कीमत	सूचीबद्ध	100.00	102.52	106.94	108.34
बिक्री की लागत	रु. किग्रा	****	****	****	****
सूचीबद्ध बिक्री लागत	सूचीबद्ध	100.00	103.72	106.29	119.11
घरेलू निवल बिक्री प्राप्ति	रु. किग्रा	***	***	***	***
सूचीबद्ध निवल बिक्री प्राप्ति	सूचीबद्ध	100.00	107.27	107.56	111.52

58. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कच्ची सामग्री में वृद्धि के कारण बिक्री लागतों में वृद्धि हुई है। यद्यपि आधार वर्ष की तुलना में उत्पादन की कीमत और बिक्री की लागत, दोनों में वृद्धि हुई है, लेकिन बिक्री की कीमत में वृद्धि बिक्री की लागत में वृद्धि से काफी कम है। इस प्रकार आयातों से क्षति अवधि में घरेलू कीमतों का ह्रास हो रहा है।

#### घरेलू उद्योग आर्थिक मापदंड

59. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध- 11 में प्रावधान है कि क्षति के निर्धारण के समय उत्पाद के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की एक उद्देश्यपरक जांच शामिल होगी। ऐसे उत्पादों का घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामस्वरूप प्रभाव के संबंध में नियमावली में यह भी प्रावधान है कि पाटित आयातों से घरेलू उद्योग पर पड़ने वाले प्रभाव की जांच में सभी संबंधित आर्थिक कारणों का मूल्यांकन उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतक, बिक्री में कमी होने के प्राकृतिक एवं संभावित कारण लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग, घरेलू मूल्यों को प्रभावित करने वाले कारक, वास्तविक पाटन के मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, वस्तु सूची, रोजगार, वेतन, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता शामिल है। घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को भारी क्षति का सामना करना पड़ा है।

60. घरेलू उद्योग के संबंध में विभिन्न क्षति मापदंडों पर नीचे चर्चा की गई है :-

(क) **क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा बिक्री**

(i) घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा बिक्री की मात्रा के संबंध में सूचना इस प्रकार है :-

विवरण	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि	जांच की अवधि (वार्षिक)
घरेलू उद्योग की संस्थापित क्षमता	मी. टन	4,950	4,950	4,950	11,875	9,500
घरेलू उद्योग का उत्पादन	मी. टन	1,975	2,604	2,045	5,268	4,215
घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग	%	39.89	52.61	41.32	44.37	44.37

(ii) यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की स्थापित क्षमताओं का काफी कम उपयोग हुआ है। घरेलू उद्योग के पास इस समय देश में संबद्ध वस्तु की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता है और उसने देश में संबद्ध वस्तु की अनुमानित बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए अपनी क्षमता में विस्तार के लिए निवेश भी किया है। जो वस्तुतः आधार वर्ष की तुलना में पीओआई में काफी अधिक बढ़ी है। घरेलू उद्योग को अनुचित कीमत वाले आयातों से प्रतिस्पर्धा करनी पड़ी है और उसे आयातों से बराबर कीमत को अपनाना पड़ा है जिसके परिणामस्वरूप, संबद्ध वस्तु के उत्पादन में सुधार हुआ है। उत्पादन में वृद्धि के बावजूद, याचिकाकर्ता की क्षमता का विशेष रूप से अब भी देश में बढ़ती हुई मांग के आलोक में काफी कम उपयोग हो पाया है। जाँच अवधि और क्षति अवधि के दौरान याचिकाकर्ता के हासमान कार्यनिष्पादन का कारण संबद्ध देशों से पाटित आयात रहे हैं।

**(ख) बाजार अंश**

मांग में बाजार अंश	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	32.78	41.65	32.13	49.52
संबद्ध देशों से आयात	%	46.37	50.54	53.90	45.97
अन्य देश	%	20.86	7.81	13.97	4.51
कुल	%	100.00	100.00	100.00	100.00

(iii) यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने वर्ष 2010-11 में विचाराधीन उत्पाद का निर्माण करने के लिए अपना प्रचालन आरंभ किया था और तब से लेकर अब तक वह भारतीय बाजार में बाजार का अंश पाने के लिए आयातों के साथ मुकाबला कर रहा है। आयातों की अनुचित कीमत के कारण से घरेलू उद्योग को ऐसी कीमतों पर बिक्री करनी पड़ी, जो आयातों के समान स्तर से कम है ताकि वह अपने प्रचालनों को बरकरार रखने और अपने संयंत्र को चालू हालत में रखने के लिए भारतीय बाजार में बिक्री कर सके। इसके बावजूद, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग का अंश देश की मांग को पूरा करने के लिए क्षमता होने के बाद भी 50 प्रतिशत से कम था।

**(ग) नकद लाभ**

(iv) घरेलू उद्योग के लाभ की जांच की गई है, जो इस प्रकार से है:

विवरण	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि (वार्षिक)
बिक्री की लागत	रु./ मी. टन	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100.00	103.72	106.29	119.11
बिक्री कीमत	रु./ मी. टन	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100.00	107.27	107.56	111.52
लाभ/हानि	रु./ मी. टन	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	(100.00)	(88.41)	(100.82)	(151.84)
लाभ/ हानि	रु. लाख	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	(100.00)	(66.63)	(75.10)	(263.19)

(v) यह नोट किया जाता है कि प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों ने घरेलू उद्योग के वर्ष 2013-14 के वित्तीय विवरणों के आधार पर एक करार किया है कि यह वित्तीय रूप से सक्षम कंपनी है और यह कि इसका प्रचालन लाभकारी रहा है।

(vi) सभी मापदंडों जैसे कि लाभप्रदता की स्थिति निराशाजनक है और अधिकांश क्षति अवधि के दौरान यह नकारात्मक स्तर पर रही।

**(घ) वस्तु सूची**

(vii) प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों की ओर से अनुरोध में कहा गया है कि घरेलू उद्योग की वस्तु सूचियों में काफी गिरावट आई है। यह इस तथ्य के कारण है कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों से मुकाबला करने के लिए और वस्तुसूची का निपटान करने हेतु हास कीमतों पर बिक्री करने के लिए बाध्य होना पड़ा है।

विवरण	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि	जांच की अवधि (वार्षिक)
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी. टन	1,778	2,692	2,050	4,903	3,922
वस्तु सूची	मी. टन	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	142.91	83.18	83.31	83.31

(ड.) रोजगार और मजदूरी तथा उत्पादकता

(viii) रोजगार स्तरों, मजदूरी तथा घरेलू उद्योग की उत्पादकता की स्थिति इस प्रकार है :

विवरण	यू ओ एम	2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
कर्मचारियों की संख्या	संख्या	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100.00	111.94	134.83	139.30
उत्पादकता प्रति कर्मचारी	मी. टन/संख्या	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100.00	117.83	76.82	153.23
उत्पादकता प्रतिदिन	मी. टन/संख्या	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100.00	131.90	103.58	213.45
मजदूरी	रु. लाख	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100.00	120.94	194.48	112.77

(ix) यह नोट किया जाता है कि रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में वृद्धि हुई है।

(च) पाटन का परिमाण

(x) एक संकेतक के रूप में पाटन का परिमाण, जिस सीमा तक पाटित आयात घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा सकता है, यह दर्शाता है कि संबद्ध देशों के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन न्यून से ठीक और पर्याप्त है।

(छ) पूंजी जुटाने की क्षमता

(xi) निवेश जुटाने की क्षमता के संबंध में यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के सिवाय नियोजित विस्तार को छोड़कर, जिसमें उसने पहले ही निवेश किया था, विचाराधीन उत्पाद में नया निवेश नहीं किया है। इसके अलावा, यद्यपि घरेलू उद्योग के पास क्षमता से कम मांग है, लेकिन घरेलू उद्योग अपनी क्षमता का उपयोग कर पाने में सक्षम नहीं है और नुकसान उठा रहा है।

(ज) घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

(xii) संबद्ध देशों और अन्य देशों से आयात की कीमतों की जांच, लागत संरचना में बदलाव, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा, पाटित आयातों के अलावा अन्य कारक, जो घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित कर सकते हैं यह दर्शाते हैं कि संबद्ध देशों से आयातित सामग्रियों का पहुंच मूल्य बिक्री कीमतों, और घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत से कम है, जिससे भारतीय बाजार में काफी कीमत ह्रास और कम कीमत पर बिक्री हो रही है। इस उत्पाद का कोई व्यवहार्य विकल्प नहीं है। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तुओं के लिए मांग जांच की अवधि के दौरान काफी वृद्धि दर्शा रही थी और यह घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला कारक नहीं था। इस प्रकार से घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का पहुंच मूल्य है।

**(झ) वृद्धि**

(xiii) वृद्धि के विभिन्न मापदंडों की जांच नीचे दी गई है। यह उल्लेख किया जाता है कि कुछ विशेष मापदंड खराब हो चुके हैं। उत्पादन और बिक्रियों में वृद्धि दर्शायी गई है क्योंकि घरेलू उद्योग बाजार अंश को बनाने और बरकरार रखने के लिए अपने मुनाफे की कीमतों पर उत्पादन और बिक्री करने को बाध्य था। घरेलू उद्योग का समग्र विकास क्षति अवधि के दौरान प्रतिकूल रहा है।

वृद्धि		2010-11	2011-12	2012-13	जांच की अवधि
उत्पादन (मी. टन)	%	-	31.90	(21.47)	106.08
बिक्री की मात्रा (मी. टन)	%	-	51.42	(23.85)	91.30
बिक्री की लागत (रु./ किग्रा)	%	-	***	***	***
		-	100	66.40	324.19
बिक्री कीमत (रु./ किग्रा)	%	-	7.27	0.26	3.69
लाभ (रु./ किग्रा)	%	-	***	***	***

**वास्तविक क्षति के संबंध में निष्कर्ष**

(xiv) संबद्ध देशों से आयातों के मात्रात्मक और कीमत संबंधी प्रभावों की जांच करने के बाद यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों में पूर्ण रूप से और साथ ही भारत में संबद्ध वस्तुओं की खपत के संबंध में पर्याप्त वृद्धि हुई है। अन्य मात्रात्मक मापदंडों की जांच करने के बाद यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के संबंध में पर्याप्त मात्रात्मक क्षति का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा, संबद्ध देशों के संबंध में, घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों के संबंध में कीमत ह्रास का सामना करना पड़ा है क्योंकि संबद्ध वस्तुओं की बिक्री कीमत में जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत में वृद्धि के अनुपात में वृद्धि नहीं हो सकी। जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का परिणामी प्रभाव का संबंध है, यह निष्कर्ष निकाला गया है कि घरेलू उद्योग का निष्पादन खराब रहा है। लाभ में गिरावट महत्वपूर्ण और वास्तविक है। इस प्रकार, से प्राधिकारी अंत में इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति का सामना करना पड़ा है।

**कारणात्मक संबंध**

(xv) जांच की अवधि और क्षति की अवधि के दौरान याचिकाकर्ता का निराशाजनक निष्पादन घरेलू उद्योग में संबद्ध देशों से पाटित आयातों के लिए स्पष्ट रूप से जिम्मेदार है। अतः याचिकाकर्ता का कम उत्पादन क्षमता संबंधी समस्याओं के कारण नहीं है जैसा कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध में आरोप लगाया गया है।

**अन्य ज्ञात कारक, जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई**

61. प्राधिकारी द्वारा आर्थिक क्षति की विद्यमानता, कीमत में कटौती होने, कम कीमत पर बिक्री होने और कीमत ह्रास और न्यूनीकरण प्रभाव जैसे कारकों के रूप में घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों की मात्रा और उनके कीमत पर पड़ने वाले प्रभाव तथा भारतीय नियमावली और पाटन-रोधी करार के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य सूचकों की जांच, यह देखने के लिए की गई है कि क्या पाटित आयातों के अतिरिक्त कोई ऐसा कारक भी है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो।

**(क) प्रौद्योगिकी तरक्की**

(i) ऐसी कोई बड़ी प्रौद्योगिकीय तरक्की नहीं हुई है जिससे कि क्षति अथवा वास्तविक समस्या पर कोई प्रभाव पड़ता।

**(ख) व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार**

(ii) वर्तमान में कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार नहीं है जो कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति के लिए जिम्मेदार हो सकता है।

**(ग) मांग का संकुचन और खपत की पद्धति में परिवर्तन**

(iii) मांग का संकुचन और खपत की पद्धति में परिवर्तन पद्धति में कोई दृष्टव्य परिवर्तन नहीं है।

**(घ) उत्पादकता**

- (iv) बाजार की प्रवृत्ति और आंतरिक प्रचालनों की वर्तमान स्थिति के आधार पर याचिकाकर्ता की उत्पादकता से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई बल्कि शुल्क लगाने से वास्तविक उत्पादन प्राप्त हो सकेगा।
- (v) पाटित वस्तुएं घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं के साथ उसी स्तर पर जैसे वाणिज्यिक, मानक और विनिर्देशनों पर घरेलू रूप से उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की तरह मुकाबला करती हैं।
- (vi) आयातित पाटित वस्तुएं और घरेलू रूप से उत्पादित वस्तुएं समान वस्तुएं हैं और ये उसी अनुप्रयोगों और अंतिम उपयोगों के लिए उपयोग हो रही हैं।
- (vii) इस प्रकार से कीमत संबद्ध वस्तुओं की खरीद के लिए एक महत्वपूर्ण कारक बन गया है और यह निर्धारित है कि क्या संबद्ध वस्तुएं आयातित स्रोतों अथवा घरेलू स्रोतों से खरीदी जानी हैं।

**(ड.) तृतीय देशों से आयात और अन्य कारक**

- (viii) तृतीय देशों से आयात नगण्य हैं अथवा उन पर पहले से ही पाटन रोधी शुल्क लगे हुए हैं तथा इस प्रकार उनसे घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है। संबद्ध देशों से भिन्न अन्य देशों और ऐसे देशों जिनकी संबद्ध वस्तुओं के अधिकतर आयात पर पाटन-रोधी शुल्क लग रहा था, उनकी कीमतें संबद्ध देशों की कीमतों से काफी अधिक थीं।

**घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन**

- (ix) निर्यात निष्पादन प्रासंगिक नहीं है क्योंकि प्राधिकारी ने क्षति का विश्लेषण करने के लिए घरेलू उद्योग के केवल घरेलू निष्पादन पर ही विचार किया है।

**कारणात्मक संबंध स्थापित करने के प्राचल**

- (x) यह नोट किया जाता है कि जब कि सूचीबद्ध ज्ञात अन्य कारक यह नहीं दर्शाते हैं कि उनके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है, फिर भी निम्नलिखित प्राचलों से ऐसा पता चलता है कि पाटित आयातों के कारण ही घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में तेजी से वृद्धि होने के फलस्वरूप भारत में विचाराधीन उत्पाद की मांग में पाटित आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई है। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग ने अपने बाजार के हिस्से को गंवा दिया है।
- (xi) संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पादन का पूरा पाटन होने से घरेलू उद्योग के प्रचालनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।
- (xii) अतः घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटन के बीच एक कारणात्मक संबंध है।

**क्षति और कारणात्मक संबंध पर निष्कर्ष**

62. क्षति और कारणात्मक संबंध की उपरोक्त जांच से प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालना चाहते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति का सामना करना पड़ रहा है जिसके कारण संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का पाटन हुआ है। संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में समूची क्षति अवधि के दौरान पूर्ण रूप से और भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में काफी वृद्धि हुई है। पाटित आयातों ने बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। संबद्ध देशों के लिए पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है और उसे महत्वपूर्ण माना गया है। घरेलू उद्योग का निष्पादन लाभ, नकद लाभ तथा निवेशों पर प्रतिफल के संबंध में काफी खराब रहा है। घरेलू उद्योग की संस्थापित क्षमताओं का काफी कम उपयोग किया गया है। प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालना चाहता है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण क्षति का सामना करना पड़ा है।

**क्षति मार्जिन का परिणाम**

63. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की क्षतिरहित कीमत की जांच की अवधि के दौरान क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए संबद्ध देशों से निर्यातों के पहुंच मूल्य के साथ तुलना की गई है। प्रस्तावित क्षति मार्जिन का निर्धारण इस प्रकार है :-

**क्षति मार्जिन सारणी**

उत्पादक	निर्यातक	एनआईपी (यूएसडी/ मी.टन)	पहुंच मूल्य (यूएसडी/ मी.टन )	क्षति मार्जिन (यूएसडी/ मी.टन )	क्षति मार्जिन (%)	क्षति मार्जिन रेंज(%)
चीन जन.गण.						
किंगडाओ-पीच स्पेशियलिटी केमिकल्स (ग्रुप) कं. लि.	किंगडाओ-पीच स्पेशियलिटी केमिकल्स (ग्रुप) कं. लि.	****	****	****	****	20-30
	नानटोंग एसिटिक एसिड केमिकल कं. लि.		****			15-25

नानटोंग एसिटिक एसिड केमिकल कं. लि.		****		****	****	
	नानटोंग टियानहोंग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि.					
कोई अन्य	कोई अन्य	****	****	****	****	25-35
यूएसए						
ईस्टमैन केमिकल कंपनी	ईस्टमैन केमिकल कंपनी, सिंगापुर	****	****	****	****	10-20
कोई अन्य	कोई अन्य	****	****	****	****	15-30

64. क्षति मार्जिन का यथा प्रस्तावित निर्धारण करने का स्तर महत्पूर्ण माना गया है।

#### झ. भारतीय उद्योग का हित और अन्य मामले

65. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सामान्यतः पाटनरोधी शुल्क लगाने का प्रयोजन पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करना है ताकि भारतीय बाजार में मुक्त और उचित प्रतिस्पर्धा की ऐसी स्थिति पुनः स्थापित हो सके जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय करने से संबद्ध देशों से किसी भी तरह से आयातों पर प्रतिबंध नहीं होगा और इसलिए उपभोक्ताओं को उत्पादन की उपलब्धता पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

66. यह पहचाना गया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं का उपयोग करने वाले निर्मित उत्पाद का कीमत का स्तर प्रभावित हो सकता है और उसके परिणामस्वरूप इस उत्पाद की संगत प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है, तथापि, भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा होने से यह पाटनरोधी उपायों से कम नहीं होगा, विशेष रूप से यदि पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक मात्रा में सीमित किया जाता है तो पाटनरोधी शुल्क लगाने से पाटन व्यवहार से प्राप्त अनुचित लाभों को दूर किया जा सकेगा, घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट रुक सकेगी और उपभोक्ताओं के लिए संबद्ध वस्तुओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध होने में मदद मिल सकेगी।

#### हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत प्रकटीकरण पश्चात विवरण

##### प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत प्रकटीकरण पश्चात विवरण

67. प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत प्रकटीकरण पश्चात का विवरण संक्षेप में नीचे दिया गया है:

- (i) जियांगशू तियानचेन बायोकेमिकल प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड के मामले में यह दर्ज किया गया है कि चूंकि बी.के. रेखाटैक्स (एच के) लिमिटेड, हांगकांग ने भारत में संबद्ध वस्तुओं का पर्याप्त प्रतिशत में निर्यात करने के बावजूद भी अपनी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है और इस प्रकार, मूल्य श्रृंखला पूरी नहीं है, इसलिए प्राधिकारी का यह प्रस्ताव है कि जियांगशू तियानचेन बायोकेमिकल प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड चीन जन. गण. के उत्तर को खारिज कर दिया जाए। यह निवेदन किया जाता है कि प्राधिकारी द्वारा उपयुक्त निर्णय अपने प्रकटन विवरण में लिया गया है जोकि विश्व में विभिन्न जांच प्राधिकारियों द्वारा अनुसरण की जा रही विधि और क्रियाविधि के विपरीत है। जियांगशू तियानचेन बायोकेमिकल प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड ने भारत को निर्यात के लिए अपने सभी बिक्री कारोबार के बारे में सूचित किया है। यह प्रश्नावली के उत्तर के परिशिष्ट-2 में सूचित निर्यात कारोबारों का आधार बनता है। वस्तुओं की पहले बिक्री एक स्वतंत्र क्रेता को की गई है और वह भारत में निर्यात कीमत का परिकलन करने के लिए आधार है। वास्तव में वस्तुएं भारत को सीधे चीन जन.गण. से भेजी गई हैं। असंबद्ध व्यापारिक और मांगकर्ता द्वारा उत्तर प्रस्तुत करना, जियांगशू तियानचेन बायोकेमिकल प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड के नियंत्रण से बाहर है। इस प्रकार, प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत नहीं किए जाने को जियांगशू तियानचेन बायोकेमिकल प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड के उत्तर को खारिज करने का एक साधन नहीं माना जा सकता है।
- (ii) इसके अतिरिक्त निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जियांगशू तियानचेन बायोकेमिकल प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड के पूरे उत्तर को खारिज किया जाना पाटनरोधी करार के अनुबंध-2 के पैरा-5 का भी घोर उल्लंघन है।
- (iii) बी.के. रेखाटैक्स (एच के) लिमिटेड, हांगकांग, जियांगशू तियानचेन बायोकेमिकल प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड चीन जन.गण. से संबंधित कंपनी नहीं है। इसके अतिरिक्त जियांगशू तियानचेन बायोकेमिकल प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड चीन जन.गण. और यह कंपनी प्रतिपूरक करार द्वारा प्रभावित आधार पर एक दूसरे से दूर है। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए भारत में सीधी की गई बिक्रियों और बी.के. रेखाटैक्स (एच के) लिमिटेड, हांगकांग के माध्यम से की गई बिक्रियों के संबंध में तथा जियांगशू तियानचेन बायोकेमिकल प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड चीन जन.गण. द्वारा दावा की गई निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए स्वीकार किया जाना चाहिए।
- (iv) निंगबो वांगलॉग द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों को निरंकुश खारिज किया जाना। इस आधार पर आंकड़ों को खारिज कर दिया जाना कि निंगबो वांगलॉग ने जांच अवधि में सीमित मात्रा में निर्यात किए हैं, विधि के अनुसार अनुचित और गलत हैं। जांच अवधि के दौरान निंगबो वांगलॉग द्वारा किए गए सीमित निर्यातों का कारण चीन जन.गण. में विचाराधीन उत्पाद की आपूर्ति की कमी होना था। तदनुसार, निंगबो वांगलॉग ने भारत को निर्यात करने की बजाए चीन जन.गण. (घरेलू बाजार) में

विचाराधीन उत्पाद को बेचने को प्रमुखता दी। इसलिए सीमित आयात किए गए और यह इसका औचित्य, कारण और/अथवा आधार का संकेतक नहीं है कि वह उचित व्यापारिक कीमत का परिचायक नहीं है। जहां तक व्यापार की सामान्य अवधि में किए गए निर्यात का संबंध है (जोकि मौजूदा मामले में किया गया था), प्राधिकारी द्वारा निर्यात कीमत को प्रयुक्त किया जा सकता है और उस पर विश्वास किया जा सकता है। यह बताना प्रासंगिक है कि निंगबो वांगलॉग भारत में विचाराधीन उत्पाद का नियमित निर्यातक है। संबद्ध जांच शुरू होने के परिणामस्वरूप निंगबो वांगलॉग ने जनवरी, 2015 से लेकर अब तक विचाराधीन उत्पाद के लगभग \*\*\* मी.ट. निर्यात किए हैं।

- (v) निंगबो वांगलॉग द्वारा आगे यह निवेदन किया गया है कि प्राधिकारी द्वारा निर्यातक की निर्यात कीमत को अस्वीकृत नहीं किया जा सकता है क्योंकि सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9 क (1) में दिया गया स्पष्टीकरण (ख) मौजूदा केस पर लागू नहीं होता है। स्पष्टीकरण (ख) (जोकि विश्व व्यापार संगठन के पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.3 के समान है, में यह स्पष्ट उल्लेख है कि ऐसे मामलों में जिनमें “संबंधित प्राधिकारियों को कोई निर्यात कीमत अथवा ऐसा नहीं पता लगता है कि निर्यात कीमत निर्यातक और आयातक अथवा तृतीय पक्षकार के बीच सहयोग होने अथवा एक प्रतिपूरक व्यवस्था होने के कारण अविश्वसनीय है, ऐसी स्थिति में निर्यात कीमत संरचित की जा सकती है”)। ऐसे स्पष्टीकरण के साथ पठित उक्त भाग से प्राधिकारी को निर्यातक द्वारा दिए गए आंकड़ों को अस्वीकृत करने और भारत में सीमित आयातों के आधार पर निर्यात कीमत संरचित करने की अनुमति नहीं देती है। इस संबंध में एच और आर जोनसन (इंडिया) लि0 बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी, वित्त मंत्रालय तथा क्वार्टर्स, 2005 (123) ईसीआर 337 (त्रि-दिल्ली) के मामले में दिए गए निर्णय पर विश्वास किया जाता है।
- (vi) इसके अतिरिक्त अधिनियम की धारा 9 क(6 क) के अंतर्गत यह मतादेश है कि पाटन मा मार्जिन का निर्धारण संबंधित सामान्य मूल्य और अनुरक्षित निर्यात कीमत तथा ऐसे निर्यातक अथवा उत्पादक द्वारा प्रदत्त की गई सूचना के आधार पर किया जाएगा। इसलिए, निंगबो वांगलॉग की निर्यात कीमत को इस कारण से कि उसने सीमित मात्रा में निर्यात किए हैं, अस्वीकार नहीं किया जा सकता है जोकि सांविधिक उपबंधों के खिलाफ हैं।
- (vii) इस संबंध में पाटनरोधी नियमावली के अनुच्छेद 6 (8) के साथ-साथ नियम-6(8) के प्रतिपादन के प्रयोजनार्थ विश्व व्यापार संगठन के पाटनरोधी करार के अनुबंध-2 (अनुच्छेद 6 के पैरा 8 के अनुसार उपलब्ध बेहतर सूचना) का हवाला दिया जाता है। अनुबंध-2 की धारा-3 में उल्लिखित अनुसार प्राधिकारी के लिए यह अनिवार्य है कि वह निर्यातक द्वारा दी गई सूचना को ध्यान में रखे यदि ऐसी सूचना (1) सत्यापन योग्य है और उसे उपयुक्त रूप से प्रस्तुत किया गया है ताकि उसका उपयोग बिना किसी कठिनाई के जांच में किया जा सके, (2) ऐसी सूचना समयबद्ध तरीके से प्रदान की गई है तथा (3) ऐसी सूचना जहां कहीं भी लागू होता है, प्राधिकारियों द्वारा अनुरोध किए जाने पर उचित माध्यम अथवा कंप्यूटर की भाषा में दी गई है।
- (viii) प्राधिकारी ने निंगबो वांगलॉग द्वारा किए गए सीमित निर्यातों के बारे में अपनी चिंता प्रकट करने में एक वर्ष से भी अधिक समय ले लिया है। इस संबंध में प्राधिकारी, घरेलू उद्योग और/अथवा किसी अन्य पक्षकार द्वारा कोई आपत्ति नहीं उठाई गई थी। प्राधिकारी ने प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों को ध्यान में रखे बिना और साथ ही निंगबो वांगलॉग को कोई अवसर प्रदान किए बिना इस संबंध में सुनवाई की थी, निंगबो वांगलॉग के आंकड़ों को स्वीकृत करने के लिए कार्रवाई की थी तथा निंगबो वांगलॉग को “अधिशेष श्रेणी” में अथवा निर्यातकों की ऐसी श्रेणी में डाल दिया था जिन्होंने प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया है।
- (ix) ईस्ट मैन, यूएसए ने यह निवेदन किया है कि जबकि प्राधिकारी ने फ्यूचर फ्यूल को की गई बिक्रियों को मानने से मना कर दिया है क्योंकि वह “व्यापार की सामान्य प्रक्रिया” के दौरान नहीं की गई है, क्योंकि फ्यूचर फ्यूल कैमिकल कंपनी को ईस्टमैन यूएसए की संबंधित कंपनी नहीं माना गया है, यह निवेदन किया जाता है कि फ्यूचर फ्यूल ईस्टमैन यूएसए की संबंधित कंपनी नहीं है, इसलिए फ्यूचर फ्यूल को ईस्टमैन यूएसए द्वारा की गई बिक्रियों को नहीं मानने का आधार नहीं हो सकती है क्योंकि यह व्यापार की समान प्रक्रिया के दौरान नहीं की गई है। विश्व व्यापार संगठन के अपील निकाय ने इस मामले में यह पाया है कि “जबकि बिक्रियों के कारोबार ऐसी शर्तों पर किए जाते हैं जोकि संबंधित बाजार में उसमें प्रचलित समान उत्पाद की बिक्रियों के लिए “सामान्य” वाणिज्यिक पद्धति” के समनुरूप नहीं है, “सामान्य” मूल्य का परिकलन करने के लिए कारोबार का एक उपयुक्त आधार नहीं है”। इस संबंध में यह निवेदन किया जाता है कि जबकि फ्यूचर फ्यूल को लागत से ऊपर बिक्रियां की गई हैं, फिर भी, वे घरेलू बाजार में एम ए ए की बिक्रियों के लिए सामान्य बाजार कीमत से अत्यधिक कम हैं।
- (x) घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हो रही है। घरेलू उद्योग की बिक्री, उत्पादन, बाजार का हिस्सा, क्षमता उपयोग आदि जैसे विभिन्न प्राचलों से सकारात्मक प्रवृत्ति का पता चला है। निंगबो वांगलॉग इस तथ्य से मनाही करता है कि संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों के कारण कीमत में कटौती और कीमत में ह्रास हो रहा है। यह नोट किया जा सकता है कि संबद्ध देशों के साथ-साथ विशेष रूप से चीन जन.गण. से विचाराधीन उत्पाद की पहुंच कीमत और बिक्री मूल्य में निरंतर वृद्धि हुई है। क्षति प्राचलों के विश्लेषण करने से यह स्पष्ट पता चलता है कि घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है। वर्ष 2013-14 की अवधि के लिए घरेलू उद्योग के तुलन पत्र जोकि जांच अवधि का ही एक भाग है, से यह स्पष्ट पता चलता है कि घरेलू उद्योग वित्तीय रूप से एक स्वस्थ कंपनी है और वह विस्तार करने के कगार पर है।
- (xi) प्राधिकारी ने निंगबो वांगलॉग द्वारा घरेलू उद्योग द्वारा अत्यधिक गोपनीयता बरतने का दावा करने से संबंधित निरंतर उठाए मुद्दे का निदान नहीं किया है।



- (xii) विचाराधीन उत्पाद एक ऐसा प्रमुख कच्चा माल है जिसका उपयोग भारत में पायरा जोलोन उद्योग और फार्मास्यूटीकल उद्योग द्वारा किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से अन्यो के साथ-साथ उपरोक्त दो क्षेत्रों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और यह जनहित के विरुद्ध होगा।

#### **घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत प्रकटीकरण पश्चात विवरण**

68. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत प्रकटीकरण पश्चात का विवरण संक्षेप में नीचे दिया गया है:

- (क) प्राधिकारी ने यह सही निर्धारित किया है कि सुरक्षात्मक जांच के लिए प्राचल और शर्ते पाटनरोधी जांच में विश्लेषित व्यवस्था से भिन्न है। पाटनरोधी जांच कुछ संबद्ध देशों नामतः चीन जन.गण. और संयुक्त राज्य अमरीका से पाटन (जोकि अनुचित कम कीमत पर बिक्री करते हैं) के खिलाफ की गई कार्रवाइयों से संबंधित होती है, जबकि सुरक्षात्मक जांच आपात उपायों से संबंधित होती है ताकि सभी स्रोतों से आयातों को स्थायी रूप से सीमित किया जा सके। इसके अतिरिक्त, मौजूदा पाटनरोधी जांच में जांच की अवधि सुरक्षात्मक जांच में जांच की अवधि से भिन्न है।
- (ख) प्राधिकारी से अनुरोध है कि वह आई वी आई एस द्वारा यथा व्यवस्थित आयात आंकड़ों को अपनाए क्योंकि इनमें विचाराधीन उत्पाद के आयात शामिल हैं जोकि कटिबद्ध वर्गीकरण अर्थात् 29183040 में दर्ज नहीं किया गया है।
- (ग) निंगबो वानग्लों टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड की निर्यात कीमत को चीन के लिए निर्यात कीमत का परिचायक नहीं माना जा सकता है क्योंकि उनके निर्यात तुच्छ मात्र हैं जोकि उचित कीमत निर्धारण का परिचायक नहीं हो सकते हैं।
- (घ) प्राधिकारी को निंगबो वानग्लों टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत किए गए निर्यात आंकड़ों की तुलना डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों के साथ करनी चाहिए। यदि निंगबो वानग्लों टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड द्वारा प्रदत्त किए गए आंकड़े डी जी सी आई एंड एस द्वारा प्रदत्त किए गए आंकड़ों से भिन्न होते हैं तो उस स्थिति में निंगबो वानग्लों टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड को असहयोगी माना जाना चाहिए और इस प्रकार, उसके आंकड़ों को खारिज कर दिया जाना चाहिए।
- (ङ.) प्राधिकारी निर्यात कीमत की संरचना करने के लिए निंगबो में तृतीय देश के निर्यात आंकड़ों के आधार पर उपयुक्त निर्यात कीमत का निर्धारण भी कर सकते हैं।
- (च) प्राधिकारी से अनुरोध है कि वह यह सुनिश्चित करें कि ईस्टमैन यूएसए की निर्यात कीमत, ईस्टमैन यूएसए के साथ-साथ ईस्टमैन सिंगापुर समस्त कारखानागत व्यय को घटाने के बाद उनकी वास्तविक कारखानागत मूल्य को प्रतिबिंबित करती है।
- (छ) प्राधिकारी से यह भी अनुरोध है कि वह इसकी जांच करे कि बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्ययों पर विचार करने के बाद ईस्टमैन सिंगापुर को लाभ हो रहा है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ईस्टमैन सिंगापुर किसी प्रकार के मध्यवर्ती पाटन करने का प्रयास नहीं कर रही है।
- (ज) इस समय घरेलू उद्योग के पास देश में संबद्ध वस्तुओं की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता विद्यमान है। प्राधिकारी यह नोट कर सकते हैं कि जबकि बड़ी हुई क्षमता जांच अवधि के दौरान ही प्रचालन में आई है, घरेलू उद्योग का पहले से ही उसकी व्यावसायिक योजना के अनुसार जांच अवधि में अपनी क्षमता में विस्तार करने की पहले से ही योजना थी ताकि वह विचाराधीन उत्पाद की घरेलू मांग को पूरा कर सके। घरेलू उद्योग को उसकी व्यावसायिक योजना के आधार पर वित्तीय संस्थानों से वित्त प्राप्त हुआ था, और उसने उसका निवेश जांच अवधि से पहले ही अपनी क्षमता का विस्तार करने के लिए किया था।
- (झ) घरेलू उद्योग का यह निवेदन है कि वर्ष 2013-14 के लिए उसके वित्तीय विवरण में लाभ इसलिए दर्शाया गया है क्योंकि लक्ष्मी ऑर्गेनिक इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक बहु-उत्पाद कंपनी है। इसलिए, उसके वित्तीय विवरण में दर्शाया गया लाभ घरेलू उद्योग द्वारा बेचे गए अन्य उत्पादों के कारण है और यह संबद्ध वस्तुओं से संबंधित नहीं है। साथ ही यह भी निवेदन किया गया है कि प्राधिकारी की विगत कार्य पद्धति और पूर्व दृष्टान्तों से यह स्पष्ट पता चलता है कि पाटनरोधी जांच उत्पाद विशिष्ट जांच होती है और नकि कंपनी विशिष्ट जांच।

#### **प्राधिकारी द्वारा जांच**

69. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों और घरेलू उद्योग के उपरोक्त अधिकांश तर्क की पुनरावृत्ति हो रही है और उन पर प्राधिकारी द्वारा पहले प्रकटीकरण विवरण में पूर्व में ही विचार किया जा चुका है तथा अंतिम जांच परिणाम में अधिसूचना में दोबारा भी विचार किया जा चुका है।

- (क) जियांगशू तियानचेन बायोकेमिकल प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड ने बी.के. रेखाटैक्स (एच के) लिमिटेड, हांगकांग के माध्यम से भारत में संबद्ध वस्तुओं का पर्याप्त प्रतिशत में निर्यात किया है, जिसने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। इस प्रकार, मूल्य श्रृंखला पूरी नहीं है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी ने उपरोक्त निर्यातक/व्यापारियों का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है और यह दावा किया है कि निर्यातक/व्यापारी के पास समस्त सूचना प्राधिकारी को प्रदान कर दी गई थी और कंपनी के पास पूरी मूल्य श्रृंखला के बारे में कोई सूचना नहीं है जिसका यह कारण है कि कंपनी और उससे असंबद्ध व्यापारियों के बीच के संबंध की प्रकृति भिन्न है। इस संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूंकि कंपनी द्वारा भारत को निर्मित संबद्ध वस्तुओं का \*\*\*% निर्यात उपरोक्त निर्यातक/ व्यापारी द्वारा किया गया है, इसलिए कंपनी यह दावा नहीं कर सकती है कि उसका उनके साथ कोई संबंध नहीं है और वह इन कंपनियों को पूर्ण मूल्य श्रृंखला के उत्तर प्रस्तुत करने के लिए नहीं कह सकती है। इसलिए, प्राधिकारी जियांगशू तियानचेन बायोकेमिकल प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड चीन जन.गण. के उत्तर को खारिज करने के अपने निर्णय के प्रति दृढ़ है।

- (ख) जहां तक जियांगशू तियानचेन बायोकेमिकल प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड (उत्पादक/निर्यातक) के उत्तर को खारिज कर दिए जाने का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान इस कंपनी का संबद्ध वस्तुओं के कुल उत्पादन की मात्रा की तुलना में

भारत में निर्यात की मात्रा \*\*\*% है। प्राधिकारी दोहराते हैं कि जियांगशू तियानचेन बायोकेमिकल प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड द्वारा जांच अवधि में किए गए निर्यात बहुत कम हैं जोकि उचित निर्यात कीमत की व्यवस्था का परिचायक नहीं है। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी ने यह भी नोट किया है कि जांच अवधि के दौरान चीन जन.गण. से औसत निर्यात कीमत जियांगशू तियानचेन बायोकेमिकल प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड से काफी कम है जिससे यह स्पष्ट पता चलता है कि जियांगशू तियानचेन बायोकेमिकल प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड की निर्यात कीमत व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के अनुरूप नहीं है। प्राधिकारी द्वारा यह भी नोट किया गया है कि ऐसे पूर्व दृष्टांत विद्यमान हैं जिनमें प्राधिकारी ने इस आधार पर सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के उत्तर को खारिज किया है कि जांच अवधि के दौरान भारत में ऐसे सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा किए गए निर्यात इतने कम होते हैं कि उन्हें उचित निर्यात कीमत व्यवस्था का परिचायक नहीं माना जा सकता है। इसलिए, प्राधिकारी जियांगशू तियानचेन बायोकेमिकल प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड उसको विशिष्ट पाटन मार्जिन स्वीकृत करने के लिए उसके द्वारा किए गए निर्यात को नहीं मानने के अपने निर्णय पर दृढ़ हैं।

(ग) जहां तक का ईस्टमैन यूएसए संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि फ्यूचर फ्यूल केमिकल कंपनी ईस्टमैन यूएसए की एक संबद्ध कंपनी नहीं है और इस प्रकार से फ्यूचर फ्यूल को की गई बिक्री केवल इस कारण से व्यापार की सामान्य अवधि के दौरान नहीं मानी जा सकती कि ये बिक्रियां दीर्घावधिक करार के तहत की गई थी। अतः प्राधिकार ने ईस्टमैन यूएसए के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए सभी घरेलू बिक्रियों पर विचार किया है।

(घ) जहां तक गोपनीयता के दावों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान की गई सूचना की गोपनीयता के दावों की पर्याप्तता के संदर्भ में जांच की गई है। प्राधिकारी ने संतुष्ट होने पर, जहां-कहीं भी उचित था, गोपनीयता के ऐसे दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय समझा है और उन्हें ऐसे अन्य पक्षकारों के समक्ष प्रकट नहीं किया है।

(ड.) जहां तक घरेलू उद्योग के निवेदनों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि अंतिम जांच परिणामों में उपयुक्त शीर्षों के अंतर्गत इन निवेदनों का पहले ही निदान कर दिया गया है।

#### निष्कर्ष और सिफारिशें

70. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरणों और उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने और रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी निम्नलिखित निष्कर्ष निकालते हैं :

- क) इस विचाराधीन उत्पाद का भारत को संबद्ध देशों से सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर निर्यात किया गया।
- ख) घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण वास्तविक क्षति सहन करनी पड़ी है।
- ग) घरेलू उद्योग को यह वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई है।

71. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच प्रारंभ की गई तथा सभी हितबद्ध पक्षकारों को इसकी सूचना दी गई और निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के सभी पहलुओं पर सकारात्मक जानकारी प्रदान कराने के लिए उन्हें पर्याप्त अवसर दिया गया। पाटनरोधी नियमावली में दी गई शर्तों के अनुरूप पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंधी की जांच प्रारंभ करके एवं आयोजित करके घरेलू उद्योग के लिए सकारात्मक पाटन मार्जिन तथा इन पाटित आयातों के कारण हुई वास्तविक क्षति की स्थापना करने के पश्चात प्राधिकारी का विचार है कि पाटन और परिणामी "क्षति" को दूर करने के लिए निर्णायक पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करना अपेक्षित है जिससे कि घरेलू उद्योग की क्षति दूर हो सके। घरेलू उद्योग ने सहन की जा रही क्षति का निराकरण करने के लिए पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने का अनुरोध किया है।

72. प्राधिकारी यह अपनाए गए न्यूनतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के न्यूनतर के बराबर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने की सिफारिश करते हैं जिससे कि घरेलू उद्योग की क्षति को दूर किया जा सके। तदनुसार, संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केंद्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में जारी अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका में विनिर्दिष्ट राशि के अनुरूप पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण किए जाने की सिफारिश की जाती है।

#### शुल्क तालिका

क्र.सं.	उप-शीर्ष	वस्तु विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	इकाई	मुद्रा
1	29183040, 29146990, 29153910, 29153940, 29153990, 29183090, 29331990, 29410090	मिथाइल एसिटोएसिटेट	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	किंगडाओ-पीच स्पेशियलिटी केमिकल्स (ग्रुप) कं. लि.	किंगडाओ-पीच स्पेशियलिटी केमिकल्स (ग्रुप) कं. लि.	0.353	किग्रा	यूएस डालर

	and 29189900								
2	29183040, 29146990, 29153910, 29153940, 29153990, 29183090, 29331990, 29410090 and 29189900	मिथाइल एसिटोएसिटेट	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	नानटोंग एसिटिक एसिड केमिकल कं. लि.	नानटोंग टियानहोंग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि.	0.277	किग्रा	यूएस डालर
3	29183040, 29146990, 29153910, 29153940, 29153990, 29183090, 29331990, 29410090 and 29189900	मिथाइल एसिटोएसिटेट	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	उपर्युक्त क्रम संख्या को छोड़कर कोई अन्य		0.404	किग्रा	यूएस डालर
4	29183040, 29146990, 29153910, 29153940, 29153990, 29183090, 29331990, 29410090 and 29189900	मिथाइल एसिटोएसिटेट	चीन जन.गण.	कोई	कोई	कोई	0.404	किग्रा	यूएस डालर
5	29183040, 29146990, 29153910, 29153940, 29153990, 29183090, 29331990, 29410090	मिथाइल एसिटोएसिटेट	संबद्ध देशों के अलावा कोई अन्य देश	चीन जन.गण.	कोई	कोई	0.404	किग्रा	यूएस डालर

	and 29189900								
6	29183040, 29146990, 29153910, 29153940, 29153990, 29183090, 29331990, 29410090 and 29189900	मिथाइल एसिटोएसिटेट	यूएसए	यूएसए	ईस्टमैन केमिकल कंपनी	ईस्टमैन केमिकल कंपनी, सिंगापुर	0.243	किग्रा	यूएस डालर
7	29183040, 29146990, 29153910, 29153940, 29153990, 29183090, 29331990, 29410090 and 29189900	मिथाइल एसिटोएसिटेट	यूएसए	कोई	कोई	कोई	0.293	किग्रा	यूएस डालर
8	29183040, 29146990, 29153910, 29153940, 29153990, 29183090, 29331990, 29410090 and 29189900	मिथाइल एसिटोएसिटेट	संबद्ध देशों के अलावा कोई अन्य देश	यूएसए	कोई अन्य	कोई अन्य	0.293	किग्रा	यूएस डालर

\*नोट: जहां कहीं किसी संबद्ध देश के संबंध में किसी सीमाशुल्क अधिसूचना में इस सम्बद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क का अतिरिक्त दान हुआ है, तो उस सम्बद्ध देश पर लागू शुल्क वह होगा जो सीमाशुल्क अधिसूचना के अंतर्गत अधिरोपित किया गया और जिसमें उस देश का उल्लेख विशेष रूप से 'उदगम का देश' कालम के अन्तर्गत किया गया।

73. इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथानिर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और इसमें उक्त अधिनियम की धारा 3, 3क, 8ख, 9 तथा 9क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी शुल्क शामिल होंगे।

74. केन्द्र सरकार द्वारा इस जांच परिणाम पर आधारित आदेश के विरुद्ध खिलाफ कोई अपील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

ए. के. भल्ला, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**  
**(Department of Commerce)**  
**DIRECTORATE GENERAL OF ANTI DUMPING AND ALLIED DUTIES**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 1<sup>st</sup> April, 2016

**(FINAL FINDINGS)**

**Subject: Anti-dumping investigation in respect of imports of Methyl Acetoacetate originating in or exported from United States of America (USA) and China PR—reg.**

**BACKGROUND OF THE CASE**

**F. No. 14/7/2014-DGAD:**— Whereas M/s Laxmi Organic Industries Ltd filed a petition before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD Rules) for initiation of anti dumping duty investigation concerning imports of Methyl Acetoacetate (hereinafter also referred to as the subject goods) originating in or exported from United States of America (USA) and China PR (hereinafter also referred to as the subject countries) and requested the Authority for levy of anti dumping duties on the subject goods.

2. And whereas, the Authority found that the petition filed by M/s Laxmi Organic Industries Ltd contained sufficient evidence of dumping of the subject goods originating in or exported from the subject countries; injury to the domestic industry; and the causal link between the alleged dumping and injury, to justify initiation of anti-dumping investigation, and the Authority initiated the anti dumping investigation into the alleged dumping of the subject goods from the subject countries, and consequent injury to the domestic industry in terms of Rule 5 of the AD Rules, to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

**PROCEDURE FOLLOWED**

3. The procedure described below has been followed:

- (i) The Authority notified the Embassies of the subject countries about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate investigation in accordance with the AD Rules.
- (ii) The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the applicants to justify initiation of the investigation, decided to initiate the investigation against imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries.
- (iii) The Authority issued a public notice dated 7th January, 2015, published in the Gazette of India Extraordinary, initiating the anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods.
- (iv) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters (whose details were made available by the Applicants) and the industry associations and gave them opportunity to make their views known in writing within the prescribed time limit in accordance with the AD Rules.
- (v) The Authority also forwarded a copy of the public notice to all the known importers of the subject goods in India and advised them to make their views known in writing within the prescribed time limit.
- (vi) The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known exporters to the Embassies of the subject countries in accordance with Rule 6(3) of the AD Rules. A copy of the application was also provided to the other interested parties, wherever requested.
- (vii) The Authority sent exporter's questionnaires (including Market Economy Treatment questionnaire in respect of China PR) to elicit relevant information to the following known exporters in the subject countries in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:
  - (a) Qingdao Double-Peach Speciality Chemicals (Group) Co. Ltd., China
  - (b) Zhangjiang Hope Chemicals Co. Ltd, China
  - (c) Nantong Acetic Acid Chemical Co. Ltd., China
  - (d) Wang Long Group Co. Ltd, China
  - (e) Eastman Chemicals Co., USA
- (viii) The following exporters/producer/traders responded and filed the exporter questionnaire response:

- (a) Jiangsu Tiancheng Biochemical Products Co. Ltd., China
  - (b) Nantong Tianhong International Trade Co. Ltd., China
  - (c) Nantong Acetic Acid Chemical Co. Ltd., China
  - (d) Qingdao Double-Peach Speciality Chemicals (Group) Co. Ltd., China
  - (e) Ningbo Wanglong Technology Co. Ltd., China
  - (f) Eastman Chemicals Company, USA
  - (g) Eastman Chemical Ltd, Singapore
- (ix) Jiangsu Tiancheng Biochemical Products Co. Ltd., China also filed Market Economy Treatment questionnaire.
- (x) The questionnaires were also sent to the following known importers/users of the subject goods in India calling for necessary information in accordance with the AD Rules.
- (a) C.J. Shah Mumbai
  - (b) Sojitz, Mumbai
  - (c) Hazel, Mumbai
  - (d) Sarna Chemicals Pvt. Ltd., Gujarat
  - (e) SM Chemicals, Hyderabad
  - (f) Arch Phamalabs Ltd., Mumbai
  - (g) Aurobindo Pharma Ltd., Hyderabad
  - (h) Colourtex Industries Ltd., Surat Gujarat
  - (i) Kailash Chemicals, Ahmadabad
  - (j) Dia Chemie, Mumbai
  - (k) Prima Chemicals Polygon Chemicals, Ahmadabad
- (xi) In response to the initiation notification, the following importers filed the questionnaire response.
- a. Prima Chemicals
  - b. M/s C. J. Shah & Co.
- (xii) The initiation of the investigation was based on the data provided by the Petitioner from the secondary source IBIS as complete DGCI&S (Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics) data was not available at that time. However, the request was made to the DGCI&S to arrange details of imports of subject goods into India for the past three years, including the period of investigation, and the said information was obtained from the DGCI&S and has now been adopted in this investigation.
- (xiii) The Authority held a public hearing on 15th September, 2015 to provide an opportunity to the interested parties to present their views orally in accordance with the Rules. The parties who attended the oral hearing were advised to file written submissions of the information presented orally. The interested parties were allowed to present rejoinders on the views/information presented by the other interested parties. The Authority has considered submissions received from the interested parties appropriately.
- (xiv) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
- (xv) The information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to the sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted, and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, the parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.
- (xvi) Further information was sought from the applicants and other interested parties to the extent deemed necessary.
- (xvii) The Authority has examined the information furnished by the domestic producer to the extent possible on the basis of guidelines laid down in Annexure III to work out the cost of production and the non-injurious price of the subject goods in India so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- (xviii) The period of investigation (POI) for the purpose of the present investigation was from April, 2013 to June, 2014. The examination of trends in the context of injury analysis covered the periods 2011-12, 2012-13, 2013-14 and the POI.
- (xix) At the request of the Authority, the Central Government granted extension of time upto 06.04.2016 for completing the investigation and notifying the final findings.
- (xx) A Disclosure Statement containing the essential facts in this investigation which would have formed the basis of the Final Findings was issued to the interested parties on 22.03.2016. The post Disclosure Statement submissions have been considered, to the extent found relevant, in this Final Findings Notification.

- (xxi) \*\*\* in this Final Findings Notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- (xxii) Exchange rate for conversion of US\$ to Rs considered for the POI is US\$ 60.87.

### **PRODUCT UNDER CONSIDERATION (PUC) AND LIKE ARTICLE**

4. The product under consideration in the present petition is Methyl Acetoacetate. Methyl Acetoacetate (also known as MAA/MAAE/AAME) is a Diketene based Ester or aceto-acetate. The chemical formula of MAA is C<sub>5</sub>H<sub>8</sub>O<sub>3</sub> and at 99% purity, it is a clear liquid with a colourless appearance.
5. Methyl Acetoacetate is classified in Chapter 29 of the Customs Tariff Act under the subheading 29183040, as “Methyl Acetoacetate”. Though the product under consideration has dedicated customs classification under the Customs Tariff Act, on analyzing the import data, it has been observed that the product under consideration is being imported under various other codes as well such as 29146990, 29153910, 29153940, 29153990, 29183090, 29331990, 29410090 and 29189900. Therefore, the customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the investigation.
6. The Authority, for the purpose of the present investigation, has considered that the product produced by the Domestic Industry is comparable to the product imported from the subject countries in terms of essential product characteristics such as physical & technical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification. The two are technically and commercially substitutable. The Authority treats the subject goods produced by the Domestic Industry as ‘Like Article’ to the subject goods being imported from the subject countries.
7. The issue relating to the PUC is not contentious and has not been argued upon by the interested parties in their submissions.

### **SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING**

8. The petition has been filed by M/s Laxmi Organic Industries Ltd. The petitioner has claimed that they have neither imported the subject goods from the subject countries nor are they related to any exporter or importer of the product in the subject countries; that they are the only producer of the subject goods in India and there is no other producer of the product under consideration in India.
9. As per the evidence available on record, the Authority notes that the production of the petitioner accounts for the total domestic production of the like article, the petitioner being the only domestic producer. The Authority, therefore, determines that M/s Laxmi Organic Industries Ltd (hereinafter also referred to as the Domestic Industry (DI) or the petitioner) constitutes the Domestic Industry within the meaning of Rule 2 (b) and the petition satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 (3) of the Anti-Dumping Rules.
10. The issue relating to the Domestic Industry and its standing is not contentious and has not been argued upon by the interested parties in their submissions.

### **MISCELLANEOUS ISSUES**

#### **Views of the Exporters, Importers, Consumers and other Interested Parties**

11. The opposing interested parties have made the following submissions:
- (i) With regard to the findings of the DG (Safeguards), the opposing interested parties submit that the injury period of the safeguard application and that of the present anti-dumping application are overlapping.
  - (ii) The DG (safeguards) went into detailed fact finding before terminating the safeguards investigation.
  - (iii) It is also emphasized that the DG (Safeguards) concluded that the position of the Domestic Industry has improved on account of market share, production, sales and capacity utilization. On this basis, the DG (Safeguards) held that there is no threat of serious injury to the Domestic Industry.
  - (iv) The application Proforma on safeguards requires that information on injury caused due to dumping or subsidization, if any, needs to be specifically provided. However, the Domestic Industry mischievously stated that there are no other factors that may have attributed to the injury caused to the Domestic Industry other than the increased imports of the PUC.
  - (v) It is submitted that it is grossly inappropriate to discard DGCI&S data, which is most authentic and readily available, and adopt IBIS data. The use of IBIS data is not appropriate as IBIS has reported several transactions which are duplicate.
  - (vi) The Petitioner’s contention that the imports of MAA have been cleared under a number of other classifications was insufficient to discard DGCI&S data and adopt secondary sources data.
  - (vii) The Domestic Industry relied on IBIS data, even though it had access to a more credible and reliable source of data, i.e., data collected by the DGCI&S.

- (viii) DGCI&S does not adopt the classification reported by the importers mechanically. DGCI&S adopts its own classification after carefully processing the data. Therefore, preference should be given to data published by the Govt. of India in a situation where the PUC has dedicated customs classification.
- (ix) The Domestic Industry's ability to produce MAA and satisfy the domestic demand in India is directly linked to its ability to produce sufficient quantity of Diketene.
- (x) It is submitted that the Petitioner has limited capacities for production of Diketene, a common intermediate used for production of a number of products by the Petitioner.
- (xi) It would be natural for the Petitioner to first focus on a product that has a higher profitability, and only then utilize the production facilities for the production of MAA.
- (xii) The Petitioner themselves accepted the fact of existence of seasonality involved in subject goods. The Petitioner is faced with seasonality in the production of MAA because of seasonality of other products. Therefore, the injury to the domestic industry is required to be determined after addressing the seasonality in production.
- (xiii) The seasonality in production has led to increase in imports.
- (xiv) The Domestic Industry stated during the Public Hearing that its installed capacity for Diketene is three times the requirement for producing MAA. Eastman USA submits that this appears to be incorrect and misleading because the DI by its own admission on its website produces many other products from Diketene apart from MAA, and therefore cannot divert all the Diketene produced to make MAA. Thus, it does not appear to have access to sufficient refined Diketene to fuel MAA production.
- (xv) The Petitioner has either kept confidential or not provided at all parameters prescribed in Proforma IVA. The Petitioner has not disclosed information on ROI, Cash Profit, Interest and Depreciation, NFA, Investment, Net Worth, and Working Capital. Moreover, no information on price undercutting has been provided and it appears that since price undercutting is significantly negative, the applicant Domestic Industry is refraining from giving such information.
- (xvi) Stock as number of days has been marked confidential. Actual figures of Normal value, export price and dumping margin have not been disclosed. Section VI Costing Information was claimed confidential. Indexed information should have been provided.
- (xvii) DI has claimed public documents such as its audit reports to be confidential. Ningbo Wanglong further submitted that Domestic Industry failed to provide adequate and sufficient information to enable the Exporters to reasonably understand the information submitted and have failed to fulfill their obligations under the Anti-dumping rules. This has seriously affect the Exporter's right to defense.
- (xviii) It is submitted that the Petitioner supplied excessive redactions of information, especially in relation to price and cost data, which have prejudiced Eastman USA's ability to make representations responsive to the specific claims of the Petitioner, especially the confidential claims of price suppression allegedly caused by imports from the subject countries.
- (xix) It is submitted that the Petitioner demands retrospective Anti-dumping Duty, even though DG (Safeguards) has held that there was no serious injury in the first three months of the POI of the present case.
- (xx) It is submitted that DI sought to initiate the anti-dumping investigation with mala fide intention to dominate the Indian market and to escape from competing in the free trade market. Thus, it is requested the Authority to reject the Application of the DI.
- (xxi) Eastman USA has submitted that the Petitioner's allegation of an incomplete presentation of the nature and structure of Eastman USA's manufacturing and export chain is completely misplaced and misconceived.
- (xxii) Eastman USA claims to have provided complete and accurate details of its manufacturing export chain in response to the exporter's questionnaire. The response submitted by Eastman USA contained information with respect to Eastman Singapore which is a wholly owned subsidiary of Eastman USA.
- (xxiii) Eastman USA segregated the data provided in response to the exporter's questionnaire and submitted a separate response on behalf of Eastman Singapore. Hence, Eastman USA's response should be deemed to incorporate the response on behalf of Eastman Singapore.
- (xxiv) Eastman India which is another wholly owned subsidiary of Eastman USA does not play any role in the export chain. Therefore, no information in its behalf is required to be filed under the AD Rules.

### **Views of the Domestic Industry**

12. The Domestic Industry has made the following submissions:

- (i) The submissions made by the opposing interested parties repeatedly emphasize upon the findings of the DG (Safeguards). In that investigation it was concluded that there is no threat of serious injury to the Domestic Industry. However, the requirement of serious injury is different from that of material injury as applicable under anti-dumping investigations.
- (ii) On the basis of the difference between the legal requirements to establish dumping for imposition of anti-dumping duty and unforeseen circumstances to impose safeguard duty, the Petitioner submitted that the findings of the DG (Safeguards) should not be taken as a guiding point in the present anti-dumping investigation.



- (iii) The Authority specifically noted that the trends in losses do not appear to conform to the causal analysis, probably due to the price factor, which is not a subject under safeguard investigations as per Section 8B of the Customs Tariff Act 1975. Price injury is one of the major factors in an anti-dumping investigation.
- (iv) An anti-dumping investigation is based on clear evidence of existence of dumping and material injury. Moreover, the WTO stipulates different standards and conditions for conducting various trade remedial investigations whereby: anti-dumping investigations relate to actions taken against dumping (selling at an unfairly low price) and safeguard investigations relate to emergency measures to limit imports temporarily, designed to “safeguard” domestic industries.
- (v) The assertion by the opposing interested parties that since the POI in the Safeguards investigation and the present investigation are overlapping, the findings of the DG (Safeguards) should be applicable to the present investigation, has no basis in law. Moreover, the POI in the instant investigation is April 2013 to June 2014, which is different from the POI adopted in the safeguard investigation i.e. 2010-11 to 2012-13.
- (vi) There is no requirement for analysis of post-POI data in an original anti-dumping investigation as per the established practice of the DGAD.
- (vii) As far as the arguments on the source of import data, while the product under consideration has a dedicated classification, i.e., 29183040, the subject goods are being imported under various chapter sub-headings.
- (viii) The Domestic Industry sourced the import data from IBIS, since the transaction-wise import data was not available from DGCI&S and only a summary of the imports from each country for the financial year was available.
- (ix) The import data sourced from IBIS was appropriately classified country-wise in terms of volumes, values, rates as well as shares in total imports and summarized for the purposes of the present Application.
- (x) The Domestic Industry had also submitted a brief note on the methodology adopted to classify the imports of the subject goods for the purposes of obtaining the volume and value.
- (xi) With reference to the submission on DI’s lack of access to sufficient refined Diketene, the Petitioner denied any statements made in relation to the installed capacity of Diketene being three times the requirement of producing MAA. According to the Petitioner, the averment exhibited naïveté of Eastman’s counsel with regard to the process of producing Diketene Derivatives.
- (xii) The Petitioner submits that any experienced person from the Diketene industry would agree to the fact that the capacity of producing Diketene is roughly pegged at two-thirds of the capacity of producing Diketene Derivative products as there are further raw material additives required for manufacture of Diketene Derivatives. The capacity increase is clearly evident, both in terms of Diketene and Diketene Derivatives.
- (xiii) The capacity of Diketene as well as Diketene Derivatives has increased by more than 100%. This fact has also been corroborated with the projection of sales over the injury period in the business plan.
- (xiv) This information is adequate as well as sufficient to enable a reasonable understanding. The submissions made by the opposing interested parties in this regard are baseless
- (xv) The DI has not made claims with regard to undercutting and is in fact suffering from price suppression and price underselling. All the information required by Proforma IVA is either provided or indexed to reflect an estimate. Hence, Eastman USA’s inability to respond to the allegation of price suppression has nothing to do with the confidentiality claimed by the Petitioner over sensitive information.
- (xvi) Most of the parameters listed by C. J. Shah and Prima, namely, ROI, cash profit, interest and depreciation, NFA and working capital are not prescribed by Proforma IVA. All the information required by Proforma IVA is either provided or indexed to reflect an estimate. Only such information that is not amenable to summarisation has been kept confidential with in consonance with the practice of the Authority.
- (xvii) In response to C. J. Shah and Prima’s allegation of non-disclosure of the actual figures of normal value, export price, dumping margin and costing data (section vi), it is submitted that these figures constitute business sensitive information and therefore, cannot be disclosed. Meaningful ranges have been provided to reflect an estimate of the actual figures.
- (xviii) With reference to the contention that the Domestic Industry would exercise monopoly over MAA, the Domestic Industry submitted that Anti-dumping Rules do not bar the benefit of protection to Domestic Industry vis-à-vis dumped imports.
- (xix) It is evident from Eastman’s response that Eastman USA first sells the PUC to Eastman Singapore, which in turn exports to India.
- (xx) Despite the mandated practice of the DGAD, separate questionnaires have not been filed for both Eastman USA and Eastman Singapore.
- (xxi) Since the Questionnaires have not been filed, the Authority should reject the responses and accord them the non-cooperative status.
- (xxii) Further, it is submitted that their data must be rejected outright for failure to comply with the requirements under the law and no further opportunity needs to be provided for any additional response.

#### **Examination by the Authority**

13. Submissions made by the Domestic Industry and the opposing interested parties with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:

- (i) The Petitioner submits that the findings of the DG (Safeguards) should not be taken as a guiding point in the present anti-dumping investigation. Different standards and conditions apply for conducting various trade remedial investigations. Anti-dumping investigations relate to actions taken against dumping and safeguard investigations relate to emergency measures to limit imports temporarily, designed to “safeguard” domestic industries. The requirement of serious injury in a safeguard investigation is a higher threshold (accounting for unforeseen circumstances) than material injury as applicable under anti-dumping investigations. The Safeguard investigation was based on a period up to 2012-13, whereas the dumping petition is based on the period April 13 till June 14. Therefore, the findings of the DG (Safeguards) cannot be taken into consideration for the present anti-dumping investigation.
- (ii) With reference to the allegation by all opposing interested parties of the inappropriateness of sourcing import data from IBIS, instead of DGCIS, the Authority notes that while the product under consideration had a dedicated classification, i.e., 29183040, the subject goods were being imported under various chapter sub-headings. Moreover, the transaction-wise import data was not available from DGCIS and only a summary of the imports from each country for the financial year was available. There were several precedents from investigations conducted by the DGAD, whereby import data from IBIS was given preference over import data from DGCIS. The IBIS import data provided by the Domestic Industry was adequately analyzed before initiating the investigation and methodology explained by the Domestic Industry was accepted after due consideration. Therefore, IBIS import data was considered as credible and reliable for the purposes of initiation of the present investigation. However, the request was made to the DGCIS to arrange details of imports of subject goods into India for the past three years, including the period of investigation, and the said information was obtained from the DGCIS and has now been adopted in this investigation.
- (iii) The opposing interested parties submitted that the production and sales of MAA by the Petitioner is seasonal as raised in the Safeguard investigation and inversely proportional to imports in the first two quarters of the calendar year. However, the correlation of the imports with sales of Domestic Industry in the Period of Investigation of the instant investigation is not suggestive of any seasonality. This trend as per averment of opposing interested parties is clearly non-existent as the movement of sales of the Domestic Industry mimic the movement of imports into India in first two quarters of calendar year 2014 which also forms a part of Period of Investigation. The production and sales of MAA by the Domestic Industry is strictly governed by the market forces of demand and supply. It has nothing to do with seasonality or access to raw material.
- (iv) The opposing interested parties submitted that the Petitioner claimed excessive confidentiality. The Authority notes that the allegation by made by opposing interested parties on the inadequacy and insufficiency of information provided by the Domestic Industry are baseless. Only such information that is not amenable to summarisation has been kept confidential with in consonance with the practice of the Authority. This information is adequate as well as sufficient to enable a reasonable understanding.
- (v) With reference to the allegation by various interested parties that the Petitioner did not provide information on undercutting, the Authority notes that though the DI had no claims with regard to undercutting, it is found that there is positive undercutting. It is in fact suffering from price suppression and price underselling. Use of Trade Remedial Measures to Maintain Monopoly
- (vi) The opposing interested parties contended that the Domestic Industry would exercise monopoly over MAA, however, the Petitioner is the sole producer of the subject goods. The issue about abuse of dominant position by being in a position of monopoly is not a subject matter under the Directorate General of Anti Dumping and Allied Duties.
- (vii) As far as the allegation that Eastman Chemicals Company had not filed all the information that is deemed necessary for receiving an individual margin of dumping, the Authority notes that Eastman USA as well Eastman Singapore had filed the separate questionnaire responses which were kept in the public file. Therefore, the Authority has decided to accept the Exporters Questionnaire response submitted by Eastman USA and has taken it into consideration for determination of the dumping margin.

## ASSESSMENT OF DUMPING – METHODOLOGY AND PARAMETERS

### Normal Value, Export Price and Determination of Dumping Margin

14. The opposing Interested Parties have made the following submissions:

- (i). Ningbo Wanglong made limited exports of the PUC (less than 50 MT) by a single transaction done in the POI. Further, it is selling the PUC in India at a profit and above the Normal Value and thus there is no question of PUC being dumped by it or causing injury to the Domestic Industry.

- (ii). Since Eastman has submitted all the relevant information, the Authority is requested to calculate individual dumping margins for all its trade channels and accordingly recommend duty rates in this behalf.

15. The Domestic Industry has made the following submissions:

- (i) China is a non-market economy. No country has granted market economy country status to China. None of the Chinese producers can satisfy market economy status.
- (ii) In the case of USA, the Domestic Industry proposed to consider its raw material prices and the utility rates as per the information provided in the petition.
- (iii) The net export price has been determined as per established rules after making adjustments towards the expenses such as ocean freight, marine insurance, bank charges, commission, packing, inland freight, loading/ unloading & port charges. VAT difference should be considered in case of China only.
- (iv) For the purpose of calculating dumping margin, fair comparison is made between the export price and normal value. The normal value and export price have been determined at ex-factory level and pertain to the same period. There are no known differences in the conditions and terms of sales. Both prices are free of taxes. Foreign producers are selling the goods in both the markets at the same level of trade. Thus, the comparison made is a fair comparison.
- (v) It is evident from Eastman's response that Eastman USA first sells the PUC to Eastman Singapore, which in turn exports to India. Despite the mandated practice of the DGAD, separate questionnaires have not been filed for both Eastman USA and Eastman Singapore. Since the Questionnaires have not been filed, the Authority should reject the responses and accord them the non-cooperative status. Further, it is submitted that their data must be rejected outright for failure to comply with the requirements under the law and no further opportunity needs to be provided for any additional response.

### **Examination by Authority**

#### **A. Normal Value**

#### **Determination of Normal Value for China PR**

16. Under section 9A (1)(c), the normal value in relation to an article means:

- (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under subsection (6), or
- (ii) When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:
  - (a) Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
  - (b) The cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section(6):

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of exporter there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

17. The Authority sent questionnaires to the known exporters/producers from the subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed. The following producers/exporters from subject countries have filed exporter's questionnaire response:

- (a) Jiangsu Tiancheng Biochemical Products Co. Ltd., China
- (b) Nantong Tianhong International Trade Co. Ltd., China
- (c) Nantong Acetic Acid Chemical Co. Ltd., China
- (d) Qingdao Double-Peach Speciality Chemicals (Group) Co. Ltd., China

- (e) Ningbo Wanglong Technology Co. Ltd., China
- (f) Eastman Chemical Company, USA
- (g) Eastman Chemical Ltd., Singapore

18. Jiangsu Tiancheng Biochemical Products Co. Ltd., China also filed Market Economy Treatment questionnaire.

19. As far as the allegation that Eastman Chemicals Company had not filed all the information that is deemed necessary for receiving an individual margin of dumping, the Authority notes that Eastman USA as well Eastman Singapore had filed the separate questionnaire responses which were kept in the public file. Therefore, the Authority has decided to accept the Exporters Questionnaire response submitted by Eastman USA and has taken it into consideration for determination of the dumping margin.

20. The Authority notes that in the past three years, China PR has been treated as a non market economy country in anti-dumping investigations by India subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters/producers in terms of the AD Rules.

21. As per Paragraph 8 of Annexure I of the AD Rules, the presumption of a non-market economy may be rebutted, if the exporter(s)/producer(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The co-operating exporters/producers of the subject goods from China PR are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Authority to consider the following criteria as to whether:

- The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology, labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms; and
- The exchange rate conversions are carried out at the market rate.

22. The Authority sent copies of exporter's questionnaire and questionnaire on market economy treatment (MET) to exporters in China PR. However, except Jiangsu Tiancheng Biochemical Products Co. Ltd., China, no producer/exporter has claimed MET. Though Jiangsu Tiancheng Biochemical Products Co. Ltd., China had claimed Market Economy Treatment (MET) status, yet from the MET response it is seen that the company has not provided evidence backed with documents about the complete details/sources of raw material suppliers and the sources of capital invested by its promoters. Further MET response for the parent company, namely, Jiangsu Tiancheng Science Group has also not been filed. In the absence of this information, the Authority proposes not to grant the company MET status. In view of the above, the Authority considers it appropriate to proceed with para-7 of Annexure I to the Rules for determination of normal value in case of China PR which provides as under:

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis if the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

23. In view of the above, the Authority has determined the normal value having regard to para-7 of Annexure-I for the purpose of present investigation. The normal value for the subject goods imported from China PR into India has been constructed considering optimum consumption of major raw materials as per information provided by the domestic industry, international prices for raw material, conversion cost, interest, SGA etc. at the levels allowed for the domestic industry along with a reasonable profit on the cost of production. Accordingly, the normal value so determined is as indicated in the Dumping Margin Table below.

**Determination of Normal Value for USA****Normal Value for M/s Eastman Chemical Company, USA**

24. M/s Eastman Chemical Company, USA has responded and provided the information in the prescribed format. The company has sold \*\*\*MT of the PUC in the domestic market during the Period of Investigation (POI). On the spot verification of the company's data showed that out of the total domestic sales of \*\*\*MT of MAA during the POI, sales of \*\*\*MT of MAA were to one customer, namely, Future Fuel Chemical Company ("future fuel") and \*\*\*MT to other customers. The company claimed that out of \*\*\*MT of sales to Future Fuel, \*\*\*MT was not in the ordinary course of business and the rest, i.e., \*\*\*MT were made pursuant to usual arms length basis in the ordinary course of business. Sales of \*\*8MT of MAA during the POI were made pursuant to a long terms supply agreement that Eastman Chemical Company and Future Fuel had entered into as part of an earlier transaction involving the sale of Eastman USA's wholly owned subsidiary, Eastman SE, Inc. to Future Fuel in \*\*\*. \*\*\* MT of MAA were sold by Eastman Chemical Company to Future Fuel during the POI.

25. During the POI, Eastman Chemical Company made a total of \*\*\*MT of export sales to India. It is noted that the total domestic sales of Eastman Chemical Company (\*\*\*- including the sales claimed not to be made in the ordinary course) expressed as a percentage of its export sales to India would be \*\*\*% and \*\*\*% (\*\*\* - sales claimed to be made in the ordinary course). Keeping only \*\*\*% domestic sales claimed to be made in the ordinary course expressed as a percentage of its export sales to India, the company requested that its export sales of MAA to China during the POI may be considered appropriate for constructing the normal value for Eastman Chemical Company. In this regard, the Authority notes that Future Fuel Chemical Company is not a related company of Eastman USA and thus sales to Future Fuel cannot be said to not in the ordinary course of trade just because these were made under a long terms supply agreement. The Authority, therefore, considers all the domestic sales for determination of the normal value for Eastman USA.

26. The cost of production of the Company has been compared with the transaction wise domestic sales and it was found that \*\*\*% sales are loss making. Therefore, the Authority determines the normal value on the basis of only the profitable domestic sales out of the total sales as reported in the Appendix-1. The adjustments on account of Discount, inland freight, packing cost and credit cost as claimed have been allowed. Accordingly, the normal value so worked out is indicated in the Dumping Margin Table below.

**Normal Value for non-cooperative producers/exporters from USA**

27. The Authority notes that no other producer/exporter from USA has submitted exporter's questionnaire response. Therefore, the normal value for the non cooperative producers/exporters from USA has been determined on the basis of facts available. Accordingly, the normal value so determined is as indicated in the Dumping Margin Table below.

**Determination of Export Price for China PR****Qingdao Double-Peach Specialty Chemicals (Group) Co., Ltd. (producer/exporter)**

28. Qingdao Double-Peach Specialty Chemicals (Group) Co., Ltd. has exported \*\*\*MT of the PUC to India during the POI. The goods have been exported directly to customers in India. The sales to Indian customers are on CIF basis. The producer/exporter has claimed adjustments on account of port and handling charges, ocean freight, marine insurance, credit expenses, and bank charges, which have been allowed. The net export price worked out by the Authority is as shown in the Dumping Margin Table below.

**Jiangsu Tiancheng Biochemical Products Co., Ltd.(producer/exporter)**

29. Jiangsu Tiancheng Biochemical Products Co., Ltd. has exported \*\*\*MT of the PUC to India during the POI. \*\*\*MT of the subject goods have been exported directly and \*\*\*MT through B K Rekhatex (HK) Ltd., Hong Kong, to customers in India. The sales to Indian customers are on CIF basis. It is seen from the questionnaire response that B K Rekhatex (HK) Ltd., Hong Kong, has not filed its questionnaire response despite exporting \*\*\*% of the total exports of the subject goods to India. Since the information relating to substantial percentage of the subject goods exported to India is not been filed and thus the value chain is not complete, the Authority rejects the response of Jiangsu Tiancheng Biochemical Products Co., Ltd.

**Nantong Acetic Acid Chemical Co., Ltd.(producer/exporter) and Nantong Tianhong International Trade Co., Ltd.(exporter/trader)**

30. Nantong Acetic Acid Chemical Co., Ltd. is a producer/exporter of the subject goods and has exported the PUC to India during the POI directly and through a related party, namely, Nantong Tianhong International Trade Co., Ltd. \*\*\*MT of the goods have been sold directly and \*\*\* MT through a related party, namely, Nantong Tianhong International Trade Co., Ltd. Further, out of \*\*\* MT, \*\*\*MT have been sold to India during the POI, whereas \*\*\*MT have been sold before the POI. Hence to get average ex-factory price, only the quantity sold during the POI by Nantong

Acetic Acid Chemical Co., Ltd. (producer/exporter) and Nantong Tianhong International Trade Co. Ltd.(exporter/trader) have been considered. The sales to Indian customers are on CIF basis. However, the Authority has determined average ex-factory price after making due adjustments. The producer/exporter and exporter/trader have claimed adjustments on account of port and handling charges, ocean freight, marine insurance, credit expenses and bank charges which have been allowed. The net export price worked out by the Authority is as shown in the Dumping Margin Table below.

#### **Ningbo Wanglong Technology Co. Ltd., China**

31. Ningbo Wanglong Technology Co. Ltd. (producer/exporter) has exported \*\*\*MT of the PUC to India during the POI under \*\*\*transaction. The company's total production volume of the subject goods in the POI is \*\*\*MT. The export volume to India in the POI is a mere \*\*\*% as against the company's total production volume of the subject goods in the POI. The Authority notes that the exports made by Ningbo Wanglong Technology Co. Ltd to India in the POI are too insignificant to represent fair export price behaviour. Further, the Authority has also noted that the average export price from China PR during the POI is much less than that of Ningbo Wanglong Technology Co. Ltd, clearly indicating that the export price of Ningbo Wanglong Technology Co. Ltd. is not in the normal course of trade. Therefore, the Authority does not considers the exports made by Ningbo Wanglong Technology Co. Ltd for granting them the individual dumping margin.

#### **Non-Cooperative exporters from China PR**

32. The Authority notes that no other exporter/producer from China PR has responded to the Authority in the present investigation. Therefore, the Authority proceeds to determine the net export price on the basis of facts available. Accordingly, the export price so determined is as indicated in the Dumping Margin Table below.

#### **Determination of Export Price for USA**

#### **Determination of Export Price for M/s Eastman Chemicals Company, USA (Producer) through M/s Eastman Chemical Ltd, Singapore (Exporter/Trader)**

33. The Authority notes that Eastman USA manufactures MAA and in the case of exports of MAA to India, Eastman USA firstly sells the PUC to Eastman Chemical Ltd, Singapore (Eastman Singapore), a wholly owned subsidiary of Eastman USA (without physically supplying Eastman Singapore with the PUC) and Eastman Singapore processes the invoices of all export sales made by Eastman USA to India. Eastman Singapore raised the invoices and processed the orders and exported the PUC to customers in India. Both Eastman USA and Eastman Singapore filed the questionnaire responses.

34. The company has exported \*\*\*MT of the PUC to India during the Period of Investigation (POI). The adjustments claimed are being considered for determination of net export price, i.e., ocean freight, insurance, packing cost and credit cost. The net export price for Eastman USA (Producer) and Eastman Singapore (Exporter) so determined is as indicated in the Dumping Margin Table below.

#### **Determination of Export Price for Non-Cooperative exporters from USA**

35. The Authority notes that no other exporter/producer from USA has responded to the Authority in the present investigation. Therefore, the Authority proceeds to determine the net export price based on facts available. Accordingly, the export price so determined is as indicated in the Dumping Margin Table below.

#### **Dumping Margin Table**

36. Considering the proposed Normal Values and the Export prices as determined as above, the Dumping Margin for the producers/exporters from the subject countries is determined as follows:

Producer	Exporter	Normal Value (US\$/Kg)	Net Export Price (US\$/Kg)	Dumping Margin (US\$/Kg)	Dumping Margin (%)	Dumping Margin Range (%)
<b>China PR</b>						
Qingdao Double-Peach Specialty Chemicals (Group) Co., Ltd.	Qingdao Double-Peach Specialty Chemicals (Group) Co., Ltd.	***	***	***	***	25-50
Nantong Acetic Acid Chemical Co., Ltd.	Nantong Acetic Acid Chemical Co., Ltd.	***	***	***	***	25-45
	Nantong Tianhong International Trade Co.,					

	Ltd.					
Any other	Any other	***	***	***	***	40-50
USA						
Eastman Chemical Company	Eastman Chemical Ltd, Singapore	***	***	***	***	120-150
Any other	Any other	***	***	***	***	400-450

## ASSESSMENT OF INJURY

37. The opposing interested parties have made the following submissions with regard to injury and causal link.
- (i) There is an increase in the imports from the subject countries in the POI as compared to 2012-13. It is further submitted that over all imports have increased up to 2013-14 and declined thereafter in the POI. Thus, the increase in imports from the subject countries is a mere realignment of imports.
  - (ii) Domestic Industry is able to increase its production and sales with increase in demand. The production and sales have, in fact, doubled in the POI as compared to the previous year.
  - (iii) Demand for the PUC has increased in absolute terms. The imports are bound to increase because of increase in demand and the scarcity of domestic supply of goods.
  - (iv) The market share of the Domestic Industry sharply increased from 30.85% in the POI to 46.16% whereas the market share of imports from subject countries only increased by less than 2% from the base year till the POI.
  - (v) It is not explained that when import prices have increased over the injury period, what prevented the Domestic Industry to increase its prices to the level of landed prices of imports. It is also not explained why the imports are increasing despite import prices being higher than the domestic selling price.
  - (vi) As regards price suppression alleged by the Petitioner, it is submitted that till the POI, the increase in selling price was more than the increase in cost. In the POI, however, the increase in cost was three times higher than the increase in price.
  - (vii) With significant increase in production and capacities of the Domestic Industry, the inventories with the Domestic Industry have significantly declined by 17%. Whereas production has increased by more than 100%.
  - (viii) Production of the Domestic Industry has increased significantly over the injury period. However, since the production is below the capacity of the first plant, the Authority may kindly examine the reasons for such low production by the Petitioner.
  - (ix) The Domestic Industry has submitted that it has suffered severely in terms of profits and return on capital employed. Even if this is correct, it's on account of the Petitioner's own intrinsic reasons. Expansion of capacity on the POI has led to high overhead cost and finance cost.
  - (x) The impact on the profitability of the Domestic Industry is due to the capital intensive expansion and cannot be attributable to the imports of PUC from subject countries.
  - (xi) The Petitioner has been suffering losses for quite some time. The DG (Safeguards) had investigated the surge in imports and the injury caused to the Domestic Industry. The period considered by the DG (Safeguards) included a period up to 2012-13. The DG (Safeguards) found no merits for the imposition of safeguard duties. Thus, continued financial losses by the Domestic Industry are not on account of imports.
  - (xii) The Petitioner has enhanced its capacities significantly in the POI. The Petitioner enhanced its capacity even when the previously existing capacities were underutilized.
  - (xiii) Capacity utilization of the Domestic Industry increased in 2011-12 and then declined in 2012-13. However, it has increased during the POI despite capacity additions.
  - (xiv) Capacity utilization in the POI was higher than the base year. The increase in capacity utilization was despite doubling of capacities. This clearly shows that if the Petitioner was not able to increase production earlier, it was due to capacity constraints and not sales constraints.
  - (xv) The import prices have increased consistently over the period in consonance with increase in raw material prices.
  - (xvi) The raw materials for the PUC constitute a significant part of the costs. The Petitioners have shown a significant increase in cost in the POI. Respondents analyzed month-wise imports of raw material which shows decline in prices. The Domestic Industry refuted this argument during the public hearing stating that import prices in USD terms have increased. However, it is submitted that the price of glacial acetic acid, which constituted 65% of the cost, in USD terms, also shows a decline.
  - (xvii) Having admitted that raw material constitutes significant proportion of the cost of this product, the Authority may kindly look into the elements that caused increase in the cost of production in the Domestic Industry. It would be seen that the enhancement of capacity has led to increase in cost leading to increase in losses.

- (xviii) Imports have increased and so has the production and sale volume of the Domestic Industry in view of the increase in demand. It may be noted that until 2012-13, the demand was more than the capacity. Further import prices have increased and imports are not undercutting the prices of the Domestic Industry. Thus, injury if any to the Domestic Industry cannot be attributed to the alleged imports.
- (xix) Domestic Industry has not suffered any injury. Rather, injury, if any, has been caused by its own decision to focus on the production of other more remunerative Diketene derivatives. In this regard, the DG (Safeguards) concluded that the Domestic Industry's restrictive/regulated production of MAA in accordance with their own suitability indicates that their assertion on loss of market share is incorrect.
- (xx) Ningbo Wanglong has submitted at the outset that it has made limited exports of the PUC (less than 50 MT) by a single transaction in the POI. Further, it is selling the PUC in India at a profit and above normal value. Therefore, there is no question of the PUC being dumped or causing injury to the Domestic Industry.

#### **Submissions made by Domestic Industry**

38. The Domestic Industry has made the following submissions with respect to the assessment of injury and causal link:
- (i) It is submitted that the examination of the performance of the Domestic Industry shall substantiate that the Domestic Industry is suffering material injury due to the incessant dumping of the subject goods from the Subject Countries.
  - (ii) The imports from the subject countries have increased during the injury period when compared on a yearly trend as well as base year. In relation to the domestic production and sales of the Petitioner, the imports from the subject countries are still substantially high and the rate of increase of the imports is significant.
  - (iii) The Domestic Industry has increased its price over the injury period consequent to the increase in cost of sales. Despite the fact that the prices are at par, the imports are increasing because of severe price suppression, resulting in material injury to the Domestic Industry.
  - (iv) The landed value of the imported product is not higher than the domestic price in real terms and no allegations with respect to price undercutting have been made by the Domestic Industry.
  - (v) The Petitioner has been forced to sell at a price which is lower than the import parity level in order to make sales in the Indian market to sustain its operations and keep its plant in an operating state.
  - (vi) Domestic Industry is forced to match import parity prices in order to maximize sales to keep capacity utilization higher and recover fixed costs. Therefore, there is no price undercutting.
  - (vii) In light of the growing demand for the PUC in the country, the Domestic Industry ought to have been able to sell the subject goods at reasonable profits in the home market. However, it is not able to do so.
  - (viii) The Petitioner is not even recovering its cost of sales, let alone minimum return on capital employed. Moreover, on a comparison of the landed prices of the imports of the subject goods from the Subject Countries and the Non-injurious price of the Domestic Industry, it can be seen that there is significant under-selling which is materially injuring the Domestic Industry.
  - (ix) It is clear from the above that the Domestic Industry is unable to realize the fair selling price and is forced to sell at prices below the cost of the subject goods in order to compete with the dumped imports from the subject countries. Hence, the Domestic Industry is forced to match or better the prices offered by the dumped imports from the Subject Countries.
  - (x) The domestic sales of the Domestic Industry have been adversely affected by the dumping of the subject goods into India from the Subject Countries. It can be seen that the sales of the Petitioner had significantly declined in 2012-13 as compared to 2011-12. However, the Domestic Industry has been forced to make sales at suppressed prices during the period of investigation, to compete with the low priced dumped imports in a bid to recover its marginal costs and to liquidate inventory.
  - (xi) The Domestic Industry is incurring significant losses as it is being forced to sell the subject goods at prices lower than the costs owing to significantly low prices of the dumped imports from the subject countries.
  - (xii) Moreover, the dumping of the subject goods has yielded a negative return on capital employed to the Domestic Industry and is causing material injury to the Domestic Industry.
  - (xiii) In light of the growing demand for the PUC in the country, the Domestic Industry ought to have been able to sell the subject goods at reasonable profits in the domestic market. However, while the cost of sales increased constantly till the POI, the profitability of the Domestic Industry has gone down by over 50% and the losses have accumulated.
  - (xiv) The demand in the country has increased significantly as was anticipated by the Domestic Industry. In view of the rising demand, the capacity was increased in line with the business plan so that the Domestic Industry is equipped to meet the Indian demand.
  - (xv) The Petitioner invested towards expanding its capacity to meet the total demand of the subject goods in the country. However, due to the compulsion of competing with unfairly priced imports, the capacity of the Petitioner is grossly underutilized.



- (xvi) The incessant dumping of imports from the subject countries has not allowed the Domestic Industry to attain a level of capacity utilization so that its operations become viable. It is clearly evident that more than 55% of its capacity still remains idle which is causing material injury to the Domestic Industry.
- (xvii) The submissions as regards decline of raw material prices made by the opposing interested parties are liable to be out rightly rejected as the raw material prices have increased during the injury period as well as the Period of Investigation. The Authority would note the same from the on-site verification conducted. Further, it should be noted that there has been a significant depreciation of “Rupee” in terms of currency exchange rates over the Period of Investigation, which has compounded the woes of DI as acetic acid is completely imported.
- (xviii) The prices of the dumped imports have not increased to commensurate with the global increase in prices of raw materials and have suppressed the selling prices of the Domestic Industry. Clearly the imports from the subject countries are entering the market at prices that will continue to have a significant suppressing effect on domestic prices.
- (xix) It should be noted that the domestic sales of the Petitioner are adversely affected by the reason of price suppression as they have not been able to increase the price of product under consideration. While the cost to make and sell has been steadily increasing, the selling price of the Petitioner has remained below the cost to make and sell throughout the injury period. The delta has only kept widening thereby attributing to the injury suffered by the Petitioner.
- (xx) Despite the increase in production, the capacity of the Petitioner is still grossly underutilized especially in light of the increased demand in the country.
- (xxi) Without prejudice to increase in capacity, the Petitioner is compelled to compete with unfairly priced imports and has been forced to adopt import parity pricing which has resulted in an improvement in production of subject goods.
- (xxii) The depressed performance of the Petitioner during the period of investigation and the injury period is clearly attributable to the dumped imports from the subject countries in the Domestic Industry.

#### **Examination by the Authority**

39. The Authority has taken note of various submissions of the interested parties on injury to the domestic industry and has analyzed injury to the domestic industry considering the facts available on record and applicable law. The submissions made by the interested parties have been considered to the extent found relevant and examined as follows in the relevant headings.

40. With regard to the contention of severe breach of causality, the Authority has made a separate analysis of causal link under appropriate heading. However, it notes that there are significant volumes of imports from subject countries.

41. As regards the contention that injury to the Domestic Industry is on account of its own inefficiencies, the Authority notes that the Domestic Industry has in fact made profits on other products that it produces. Therefore, the deterioration in performance and consequent injury to the domestic industry cannot be attributed to these parameters.

42. As regards the contention that injury margin calculations are baseless, the Authority has made its analysis under appropriate headings. As regards the contentions pertaining to non-attribution factors, the Authority has made a separate analysis under appropriate headings.

43. Annexure-II of the AD Rules provides for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports of the domestic producers of such articles. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

44. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry, para (iv) of Annexure-II of the AD Rules states as follows:

*“The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline I sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments.”*

45. For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping etc in accordance with Annexure II(iv) of the Rules supra.

46. Annexure II (iii) of the Anti Dumping Rules provides that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti dumping investigations, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:-

- The margin of dumping established in relation to imports from each country/territory is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual countries is less than three percent, the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article, and;
- Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of conditions of competition between the imported articles and the like domestic articles.

47. In the present case, it is noted that:

- The margin of dumping from each of the subject countries is more than the limits prescribed;
- The volume of imports from each of the subject countries is more than the limits prescribed;
- Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the exports from the subject countries compete not only with the like goods offered by each of them but also the like goods offered by the domestic industry in the Indian market.

48. In view of the above, the Authority considers it appropriate to cumulatively assess the effect of imports. The Authority has analyzed injury to the domestic industry after analyzing the information submitted by the interested parties.

### **Volume Effect**

#### **Assessment of Demand**

49. The Authority has determined the demand as the sum of domestic sales of the domestic industry, sales of other Indian producers and imports of the subject goods in India (as per the transaction wise import data procured from the DGCI&S) from all sources. The demand so assessed is shown in the following table.

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI	POI (Annualized)
Imports from USA	MT	1,087	1,665	1,344	2,578	2,062
Imports from China PR	MT	1,428	1,601	2,095	1,974	1,579
Imports from Subject Countries	MT	2,515	3,267	3,439	4,552	3,641
Imports from Other Countries	MT	1,131	505	891	447	357
Domestic Industry Sales	MT	1,778	2,692	2,050	4,903	3,922
Demand	MT	5,424	6,464	6,380	9,901	7,921
Domestic Production (Total)	MT	1,975	2,604	2,045	5,268	4,215

#### **Import Volume and Market Share**

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI	POI (Annualized)
<b>Imports Volume</b>						
Imports from USA	MT	1,087	1,665	1,344	2,578	2,062
Imports from China PR	MT	1,428	1,601	2,095	1,974	1,579
Imports from Subject Countries	MT	2,515	3,267	3,439	4,552	3,641
Imports from Other Countries	MT	1,131	505	891	447	357
<b>Total</b>	<b>MT</b>	<b>3,646</b>	<b>3,772</b>	<b>4,330</b>	<b>4,998</b>	<b>3,999</b>
<b>Market Share</b>						
Imports from USA	%	29.82	44.16	31.04	51.58	51.58
Imports from China PR	%	39.16	42.45	48.38	39.48	39.48
<b>Imports from Subject Countries</b>	<b>%</b>	<b>68.98</b>	<b>86.61</b>	<b>79.42</b>	<b>91.06</b>	<b>91.06</b>
Imports from Other Countries	%	31.02	13.39	20.58	8.94	8.94
Total Imports	%	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00

Market Share in Demand						
Sales of Domestic Industry	%	32.78	41.65	32.13	49.52	49.52
Imports from subject countries	%	46.37	50.54	53.90	45.97	45.97
Other Countries	%	20.86	7.81	13.97	4.51	4.51

50. It is noted that the submission made on behalf of the interested parties states that the absolute increase in imports is a mere realignment of imports between subject countries and other countries, while, the imports in relative terms have declined.

51. Contrary to the submissions made by the opposing interested parties with respect to volume effect, the imports from the subject countries have increased during the injury period when compared from the base year.

### **Price Effect**

52. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. The impact of dumped imports on the prices of the domestic industry has been examined with reference to the price undercutting, price suppression and price depression, if any.

### **Price undercutting**

53. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the Authority has compared landed price of imports with net sales realization of the domestic industry.

Particulars	UOM	USA	China PR	Subject Countries
Landed value of imports	Rs./kg	***	***	***
Net Sales Realization	Rs./kg	***	***	***
Price Undercutting	Rs./kg	***	***	***
	%	***	***	***
	Range	0 to 5	0 to 5	0 to 5

54. It is noted that the landed price of the subject goods from the subject countries is below the selling price of domestic industry showing positive price undercutting being caused by the dumped imports from the subject countries.

### **Price Underselling**

55. The Authority has also examined price underselling suffered by the domestic industry on account of dumped imports from the subject countries as follows:

Particulars	UOM	USA	China PR	Subject countries
Non Injurious Price	Rs./kg	***	***	***
Landed Value	Rs./kg	***	***	***
Price Underselling	Rs./kg	***	***	***
	%	***	***	***
	Range	15-25	15-25	15-25

56. It is noted that the domestic industry has suffered significant price underselling during the investigation period on account of imports of the subject goods from the subject countries.

### **Price Suppression**

57. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise

would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period. The price suppression is evident from the below table:

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI (Annualized)
Landed Price from Subject Countries	Rs. Kg	***	***	***	***
Indexed Landed Price	Indexed	100.00	102.52	106.94	108.34
Cost of Sales	Rs. Kg	***	***	***	***
Indexed Cost of Sales	Indexed	100.00	103.72	106.29	119.11
Domestic Net Sales Realization	Rs. Kg	***	***	***	***
Indexed Net Sales Realization	Indexed	100.00	107.27	107.56	111.52

58. The Authority notes that the cost of sales increased due to the increase in the raw material prices. Further, whereas both the cost of sales and the selling price have increased when compared with the base year, the increase in selling price is much below the increase in the cost of sales. Thus, the imports are suppressing the domestic prices in the injury period.

### **Economic Parameters of the Domestic Industry**

59. Annexure II to the AD Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of like product. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. An examination of performance of the domestic industry reveals that the domestic industry has suffered material injury.

60. Various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below:

#### **(a) Capacity, Production, Capacity Utilization and Sales**

- (i) Information on capacity, production, capacity utilization and sales volumes of the domestic industry has been as under:-

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI	POI (Annualised)
Installed Capacity of DI	MT	4,950	4,950	4,950	11,875	9,500
Production of Domestic Industry	MT	1,975	2,604	2,045	5,268	4,215
Capacity Utilisation of DI	%	39.89	52.61	41.32	44.37	44.37

- (ii) It is noted that the domestic industry's installed capacities are grossly underutilized. The Domestic Industry presently has sufficient capacity to meet the demand of the subject goods in the country and had invested towards expanding its capacity to meet the projected increasing demand of the subject goods in the country, which in fact increased significantly in the POI in comparison to the base year. The Domestic Industry has to compete with unfairly priced imports and is forced to adopt import parity pricing which has resulted in an improvement in the production of subject goods. Despite the increase in production, the capacity of the Petitioner is still grossly underutilized especially in light of the increased demand in the country. The depressed performance of the Petitioner during the period of investigation and the injury period is because of the dumped imports from the subject countries.

#### **(b) Market Share**

Market Share in Demand	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Sales of Domestic Industry	%	32.78	41.65	32.13	49.52
Imports from subject countries	%	46.37	50.54	53.90	45.97
Other Countries	%	20.86	7.81	13.97	4.51

Total	%	100.00	100.00	100.00	100.00
-------	---	--------	--------	--------	--------

(iii) It is noted that the Domestic Industry started its operations to manufacture the product under consideration in 2010-11 and since then has been competing with imports to gain market share in the Indian market. Owing to unfair pricing of the imports, the Domestic Industry had to sell at prices which are lower than the import parity level in order to make sales in the Indian market to sustain its operations and keep its plant in an operating state. Despite this, the Authority notes that the Domestic Industry's market share was less than 50%, despite having the capacity to meet the country's demand.

#### (c) Profitability

(iv) The profits of the domestic industry have been examined as under:

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI (Annualised)
Cost of Sales	Rs./MT	***	***	***	***
	Indexed	100.00	103.72	106.29	119.11
Selling price	Rs./MT	***	***	***	***
	Indexed	100.00	107.27	107.56	111.52
Profit/Loss	Rs./MT	***	***	***	***
	Indexed	(100.00)	(88.41)	(100.82)	(151.84)
Profit/Loss	Rs. Lacs	***	***	***	***
	Indexed	(100.00)	(66.63)	(75.10)	(263.19)

(v) It is noted that the opposing interested parties have made an averment based on the 2013-14 financial statements of the Domestic Industry that it is a financially healthy company and that its operations have been profitable.

(vi) However, the Authority notes that profitability has deteriorated dismally and stayed at negative levels in the injury period.

#### (d) Inventories

(vii) The submission made on behalf of opposing interested parties states that the inventories with the Domestic Industry have significantly declined. It is noted that this is due to the fact that the Domestic Industry was forced to make sales at suppressed prices to compete with the dumped imports and liquidate the inventory.

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	2012-13	POI	POI (Annualized)
Domestic Industry Sales	MT	1,778	2,692	2,050	4,903	3,922
Inventory	MT	98.16	***	***	***	***
Index	MT	100	142.91	83.18	83.31	83.31

#### (e) Employment and Wages and Productivity

(viii) The status of employment levels, wages and productivity of the domestic industry is as follows:

Particulars	UOM	2010-11	2011-12	2012-13	POI
No. of Employees	Nos	***	***	***	***
	Indexed	100.00	111.94	134.83	139.30

Particulars	UOM	2010-11	2011-12	2012-13	POI
Productivity Per Employee	MT/Nos	***	***	***	***
	Indexed	100.00	117.83	76.82	153.23
Productivity Per Day	MT/Day	***	***	***	***
	Indexed	100.00	131.90	103.58	213.45
Wages per unit of Production	Rs./Kg	***	***	***	***
	Indexed	100.00	120.94	194.48	112.77

(ix) It is noted that employment, productivity and wages have increased in the POI in comparison with the base year.

**(f) Magnitude of Dumping**

(x) Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margin determined against the subject countries are above de-minimis and substantial.

**(g) Ability to raise capital**

(xi) With regard to the ability to raise investments, it is noted that the domestic industry has not made fresh investments in the product under consideration, except for the planned expansions it had already invested in. Further, even though the demand is less than the capacity with the domestic industry, the domestic industry is not able to utilize its capacity and is suffering losses.

**(h) Factors affecting Domestic Prices**

(xii) The examination of the import prices from the subject countries and other countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market shows that the landed value of imported material from the subject countries is below the selling price and cost of production of the domestic industry, causing price undercutting and significant price suppression and underselling in the Indian market. There is no viable substitute to this product. It is also noted that demand for the subject goods was showing significant increase during the injury period and this could not have been a factor affecting domestic prices. Thus, the principal factor affecting the domestic prices is landed value of the subject goods from the subject countries.

**(i) Growth**

(xiii) The various parameters of growth are examined as below. It is noted that some of the growth parameters have deteriorated. Production and sales have shown a growth as the Domestic Industry was forced to produce and sell in order to build and retain market share, even though at the expense of its profitability. The overall growth of the domestic industry has been adverse during the injury period.

Growth		2010-11	2011-12	2012-13	POI
Production (MT)	%	-	31.90	(21.47)	106.08
Sales Volume (MT)	%	-	51.42	(23.85)	91.30
Cost of Sales (Rs./Kg)	%	-	***	***	***
Index	%	-	100	66.40	324.19
Selling Price (Rs./Kg)	%	-	***	***	***
Profitability (Rs./Kg)	%	-	***	(***)	(***)

**Conclusion on material injury**

(xiv) After examining the volume and price effects of the imports from the subject countries and its impact on the domestic industry, it is noted that the dumped imports of the subject goods from the subject countries have increased significantly in absolute terms as also in relation to consumption of the subject goods in India. After examining other

volume parameters, it is noted that domestic industry has suffered significant volume injury on account of dumped imports of subject goods from the subject countries. Further, with regard to the price effect on account of imports of the subject goods from the subject countries, the domestic industry has suffered price undercutting, price underselling and price suppression on account of imports of product under consideration from the subject countries as sales price of the subject goods could not increase in proportion to the increase in the cost of production of the subject goods during the injury period. With regard to consequent impact of the dumped imports on the domestic industry, it is concluded that the performance of the domestic industry has deteriorated. The decline in profits is quite significant and material. Thus, the Authority concludes that the domestic industry has suffered injury from dumped imports.

#### Causal Link

(xv) It is noted that the depressed performance of the Petitioner during the period of investigation and the injury period is clearly attributable to the dumped imports from the subject countries. Therefore, the Petitioner's low production is not due to capacity constraints as alleged in the submission made by interested parties.

#### **Other known factors**

61. Having examined the existence of material injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price undercutting, underselling and price suppression, and depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti-Dumping have been examined by the Authority to see whether any other factor, other than the dumped imports, could have contributed to injury to the domestic industry.

##### (a) Technological Advancements

(i) There have been no major technological advancements that may have been a cause for injury or material retardation.

##### (b) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

(ii) There are no trade restrictive practices currently which can be attributed to the cause of injury to the Domestic Industry.

##### (c) Contraction of demand and changes in the pattern of consumption.

(iii) There is no observable change in contraction of demand and the pattern of consumption.

##### (d) Productivity of the Domestic Industry

(iv) Based on the current situation of the market trends and internal operations, the productivity of the Petitioner has not caused injury to the Domestic Industry, but with the imposition of duties, the optimal productivity will be achieved.

(v) The dumped goods compete directly with the goods produced by the Domestic Industry, at the same level, viz., commercially, standards and specifications as domestically produced subject goods.

(vi) The imported dumped goods and the domestically produced goods are like articles and are used for the same applications and end use.

(vii) Thus, pricing becomes an important factor for purchase of the subject goods and determine whether the subject goods are to be procured either from imported sources or domestic sources.

##### (e) Volume and imports from third countries

(viii) Imports from third countries were negligible or are already subject to anti dumping duties and thus could not have caused injury to the domestic industry. Most of the imports of the subject goods from countries other than the subject countries and countries attracting anti dumping duty were at a price higher than that from the subject countries.

##### (f) Export performance of the domestic industry

(ix) The export performance is not relevant since the Authority has considered only the domestic performance of the Domestic Industry for injury analysis.

(g) Parameters establishing causal link

(x) It is noted that while listed known other factors do not show that injury to the domestic industry has been caused by these factors, the following parameters show that injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports. The volume of dumped imports from the subject countries increased resulting in increase in the share of dumped imports in the demand of the product under consideration in India. Consequently the domestic industry lost its market share.

(xi) Unabated dumping of the PUC from the subject countries is causing an adverse effect on the operations of the Domestic Industry.

(xii) Hence, there is a causal link between the material injury to the Domestic Industry and the dumping of the subject goods from the subject countries.

### Conclusion on Injury and Causation

62. From the above examination of injury and causal link, the Authority proposes to conclude that the domestic industry has suffered injury as a result of dumping of the subject goods from the subject countries. There has been a significant increase in the volume of dumped imports from the subject countries in absolute terms throughout the injury period and in relation to production and consumption in India. The dumped imports have adversely impacted the prices of the domestic industry in the market. The dumping margin for the subject countries has been determined and is considered significant. Performance of the domestic industry has significantly deteriorated in respect of profitability and overall performance as the domestic industry has also suffered price undercutting, price underselling and price suppression. The Domestic Industry's installed capacities are grossly underutilized. The Authority concludes that the domestic industry has suffered injury as a result of dumped imports from the subject countries.

### **Magnitude of Injury Margin**

63. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry has been compared with the landed value of the exports from the subject countries for determination of injury margin during the POI. The injury margins determined are as under:-

**Injury Margin Table**

Producers	Exporters	NIP (USD/Kg)	Landed Value (USD/Kg)	Injury Margin (USD/Kg)	Injury Margin (%)	Injury Margin Range (%)
<b>China PR</b>						
Qingdao Double-Peach Specialty Chemicals (Group) Co., Ltd.	Qingdao Double-Peach Specialty Chemicals (Group) Co., Ltd.	***	***	***	***	20-30
Nantong Acetic Acid Chemical Co., Ltd.	Nantong Acetic Acid Chemical Co., Ltd.	***	***	***	***	15-25
	Nantong Tianhong International Trade Co., Ltd.					
Any other	Any other	***	***	***	***	25-35
<b>USA</b>						
Eastman Chemical Company	Eastman Chemical Ltd, Singapore	***	***	***	***	10-20
Any other	Any other	***	***	***	***	15-30

64. The level of injury margins as determined are considered significant.



## INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

65. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

66. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of this product. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline in the performance of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

## POST DISCLOSURE STATEMENT SUBMISSIONS BY THE INTERESTED PARTIES

### Post Disclosure Statement submissions by the opposing Interested Parties

67. Following are in brief the post Disclosure Statement submissions made by the opposing Interested Parties:

- (a) In the case of Jiangsu Tiancheng Biochemical Products Co., Ltd., it has been recorded that since B K Rekhatex (HK) Ltd., Hong Kong, has not filed its questionnaire response despite exporting substantial percentage of the subject goods to India and thus the value chain is not complete, the Authority proposes to reject the response of Jiangsu Tiancheng Biochemical Products Co. Ltd., China PR. It is submitted that the above conclusion arrived by the Authority in its Disclosure Statement is contrary to the law and practice followed by various investigating Authorities in the world. Jiangsu Tiancheng Biochemical Products Co., Ltd. has reported all sales transactions which were destined for exports to India. The same formed the basis of reporting export transactions in Appendix-2 of the Questionnaire Response. The goods have been sold first to an independent buyer and the same should form basis of calculating Export Price to India. Goods have physically transported to India directly from China PR. Filing of response by non-related trader/inventor is beyond the control of Jiangsu Tiancheng Biochemical Products Co., Ltd. Such non filing of Questionnaire Response cannot be used as a tool to reject Jiangsu Tiancheng Biochemical Products Co., Ltd., China PR, response.
- (b) Further, the rejection of complete response of Jiangsu Tiancheng Biochemical Products Co., Ltd., China PR, by the Designated Authority is also in gross violation of Para 5 of the Annex II of Anti-dumping Agreement.
- (c) B K Rekhatex (HK) Ltd., Hong Kong, is not a related company of Jiangsu Tiancheng Biochemical Products Co., Ltd., China PR. Further, the sale price between Jiangsu Tiancheng Biochemical Products Co., Ltd., China PR and this company is at arm's length basis not influenced by compensatory arrangement. In view of the above the export price claimed by Jiangsu Tiancheng Biochemical Products Co., Ltd., China PR, with regard to sales to India directly and through B K Rekhatex (HK) Ltd., Hong Kong, should be accepted for determination of Export Price.
- (d) Arbitrary rejection of data submitted by Ningbo Wanglong: The said rejection of data on the ground that Ningbo Wanglong has made limited exports in the POI is unreasonable and wrong in law. The reason for making limited exports by Ningbo Wanglong was that during the POI there was shortage of supply of PUC in China PR. Accordingly, Ningbo Wanglong preferred to sell the PUC in China PR (domestic market) rather than exporting to India. Limited export is and cannot be an indicator, justification, reason and / or ground to show that it does not represent fair trade pricing. As long as the exports are made in normal course of trade [which was done in the present case], the export price can be used and relied upon by the Authority. It is relevant to state that Ningbo Wanglong is a regular exporter of PUC to India. Subsequent to the initiation of the subject investigation, Ningbo Wanglong exported about \*\*\*MT of PUC from January 2015 till date.
- (e) Ningbo Wanglong further submits that the export price of the exporter cannot be rejected by the Authority since Explanation (b) to Section 9A(1) of the Customs Tariff Act 1975 is not attracted in the present case. The explanation (b) (which is akin to Article 2.3 of the WTO Anti-dumping Agreement clearly states that only in cases where there is "no export price or where it appears to the authorities concerned that the export price is unreliable because of association or a compensatory arrangement between the exporter and the importer or a third party, the export price may be constructed..." The said section read with the explanation does not allow the Authority to reject the data given by an exporter and construct the export price on the grounds of limited exports to India. Reliance is also made to H and R Johnson (India) Ltd.Vs. Designated Authority Ministry of Finance and Ors., 2005 (123) ECR 337 (Tri.-Delhi).

- (f) Further, Section 9A(6A) of the Act mandates that the margin of dumping shall be determined on the basis of the records concerning normal value and export price maintained and information provided, by such exporter or producer. Therefore, the rejection of export price of the Ningbo Wanglong for the reason that it made limited exports is against the statutory provisions.
- (g) Reference may also be made to Annexure II (Best information available in terms of paragraph 8 of article 6) of the WTO Anti-dumping Agreement for the purposes of interpretation of Article 6(8) as well as Rule 6(8) of the AD Rules. Clause 3 of the Annexure II makes it obligatory for the Authority to take into account the information given by an exporter if the information is (i) verifiable and is appropriately submitted so that it can be used in the investigation without undue difficulties, (ii) supplied in a timely fashion, and (iii) is supplied in a medium or computer language requested by the authorities, where applicable.
- (h) The Authority had more than 1 year to raise its concerns about limited exports made by Ningbo Wanglong. No objection was ever raised by Authority, Domestic Industry and / or any other party in this regard. The Authority without observing the principles of Natural Justice and without giving an opportunity to Ningbo Wanglong to be heard in this regard, proceeded to reject Ningbo Wanglong's data; (ii) put the Ningbo Wanglong in the 'residuary category' or the category of exporters who have not cooperated with the Authority.
- (i) Eastman USA submits that while the Authority has declined from treating the sales made to Future Fuel as not being in the 'ordinary course of trade', on account of Future Fuel Chemical Company not being related company of Eastman USA, it is submitted that Future Fuel not being a related company of Eastman USA, cannot be a ground for not treating the sales made by Eastman USA to Future Fuel as not being in the ordinary course of trade. The WTO Appellate Body observed in a case that, "Where a sales transaction is concluded on terms and conditions that are incompatible with 'normal' commercial practice for sales of the like product, in the market in question, at the relevant time, the transaction is not an appropriate basis for calculating 'normal' value." In this regard, it is submitted that whereas the sales to Future Fuel were above cost, they were significantly lower than the usual market price for MAA sales in the domestic market.
- (j) The domestic industry is not facing any injury. Various parameters such as sale, production, market share, capacity utilization of the Domestic Industry etc, have shown a positive trend. Ningbo Wanglong denies that there is price underselling and suppression due to imports of the PUC from the subject countries. It may be noted there has been a constant increase in the landed price and sales value of PUC from the subject countries as well as from China PR individually. An analysis of injury parameters clearly shows that the Domestic Industry did not suffer any injury. The Domestic Industry's Balance Sheet for period 2013-14, which forms a part of the POI, clearly shows that Domestic Industry is a financially healthy company and is in the mode of expansion.
- (k) The Authority has not dealt with the issue repeatedly raised by Ningbo Wanglong that excessive confidentiality has been claimed by the Domestic Industry.
- (l) The PUC is a major raw material used in Pyrazolone industry and pharmaceutical industry in India. Imposition of anti-dumping duty on PUC will adversely impact the said 2 sectors amongst others and will also be against public interest.

#### **Post Disclosure Statement submissions by the Domestic Industry**

68. Following are in brief the post Disclosure Statement submissions made by the Domestic Industry:

- (a) The Authority has rightly determined that the parameters and conditions for a safeguard investigation are different from those analyzed in an anti-dumping investigation. Anti Dumping investigations relate to actions taken against dumping (selling at an unfairly low price) from certain subject countries, i.e., China PR and United States, whereas Safeguard investigations relate to emergency measures to limit imports temporarily from all sources. Furthermore, the Period of Investigation in the instant Anti Dumping investigation is different than the Period of Investigation in the Safeguard investigation.
- (b) The Authority is requested to adopt the import data as provided by IBIS as it includes imports of the product under consideration which have not been recorded in the dedicated classification, i.e., 29183040.
- (c) The export price of Ningbo Wanglong Technology Co. Ltd. cannot be considered to represent the export price for China as their exports are too insignificant to be representative of fair pricing behaviour.
- (d) The Authority should compare the export data submitted by Ningbo Wanglong Technology Co. Ltd. with the DGCIS's data. If the data provided by Ningbo Wanglong Technology Co. Ltd. deviates from the data provided in DGCIS, then Ningbo Wanglong Technology Co. Ltd. should be considered as non-cooperative and the data should thus be rejected.
- (e) The Authority may also determine an appropriate export price based on third country export data of Ningbo in order to construct the export price.
- (f) The Authority is requested to ensure that the export price of Eastman USA reflects its true ex-factory value after deduction of all the post-factory expenses of Eastman USA as well as Eastman Singapore.

- (g) The Authority is also requested to verify that Eastman Singapore is profit making, after considering its Selling, General and Administrative Expenses, so as to ensure that Eastman Singapore is not resorting to any middle-man dumping.
- (h) The Domestic Industry presently has sufficient capacity to meet the demand of the subject goods in the country. The Authority may note that while the increased capacity only became operational during the Period of Investigation, the Domestic Industry already had plans to expand its capacity in the Period of Investigation according to its Business Plan in order to cater to the increasing domestic demand for the Product under Consideration. The Domestic Industry had received finance from financial institutions based on this Business Plan and had invested towards expanding its capacity well before the POI.
- (i) The Domestic Industry submits that its financial statement for 2013-14 shows a profit because the Laxmi Organic Industries Limited is a multiproduct company. Therefore, the profits reflected in the financial statement are due to the other products sold by the Domestic Industry and do not relate to the subject goods. It is also submitted that past practice and precedents of the Authority clearly notes that anti-dumping investigations are product specific investigations and not company specific investigation.

### **Examination by the Authority**

69. The Authority notes that most of the above arguments of the opposing interested parties and the domestic industry are repetitive and have already been dealt with by the Authority in the Disclosure Statement earlier and have also been dealt with again in the Final Findings Notification.

- (i) Jiangsu Tiancheng Biochemical Products Co., Ltd. has exported substantial percentage of the subject goods to India through B K Rekhatex (HK) Ltd., Hong Kong, who has not been filed the response. Thus the value chain is not complete. The Authority notes that the company has not submitted any response of the above mentioned exporter/traders claiming that all the information which is in possession of the exporter/trader had been provided for the Authority and that the company does not have information regarding complete value chain because of nature of the relationship between the company and its unrelated traders. In this regard, the Authority notes that since \*\*\*% of the subject goods produced by the company have been exported to India by the above mentioned exporter/trader, the company cannot claim that it has no relationship with them and cannot ask these companies to file the responses to complete the value chain. The Authority, therefore, maintains its stand to reject the response of Jiangsu Tiancheng Biochemical Products Co. Ltd., China PR.
- (ii) As far as rejecting the response of Ningbo Wanglong Technology Co. Ltd. (producer/exporter) is concerned, the Authority notes that the company's export volume to India in the POI is a mere \*\*\*% as against the company's total production volume of the subject goods in the POI. The Authority re-iterates that the exports made by Ningbo Wanglong Technology Co. Ltd to India in the POI are too insignificant to represent fair export price behaviour. Further, the Authority has also noted that the average export price from China PR during the POI is much less than that of Ningbo Wanglong Technology Co. Ltd, clearly indicating that the export price of Ningbo Wanglong Technology Co. Ltd. is not in the normal course of trade. It is also noted by the Authority that there are precedents where the Authority has rejected responses of cooperative producers/exporters on the ground that the exports made by such cooperative producers/exporters to India in the POI are too insignificant to represent fair export price behaviour. Therefore, the Authority maintains its stand not to consider the exports made by Ningbo Wanglong Technology Co. Ltd for granting them the individual dumping margin.
- (iii) As far as Eastman USA's contention is concerned, the Authority notes that Future Fuel Chemical Company is not a related company of Eastman USA and thus sales to Future Fuel cannot be said to not in the ordinary course of trade just because these were made under a long terms supply agreement. The Authority has, therefore, rightly considered all the domestic sales for determination of the normal value for Eastman USA.
- (iv) As far as the contention that excessive confidentiality has been claimed by the Domestic Industry, the Authority notes that the information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to the sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted, and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties.
- (v) As far as the submissions of the domestic industry are concerned, the Authority notes that it has already dealt with these submissions under appropriate headings in the Final Findings Notification.

### **CONCLUSION AND RECOMMENDATIONS**

70. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein and considering the facts available on record, the Authority concludes that:

- a. The product under consideration has been exported to India from the subject countries below the normal values.
  - b. The domestic industry has suffered material injury on account of the subject imports from the subject countries.
  - c. The material injury has been caused by the dumped imports of the subject goods from the subject countries.
71. The Authority notes that the investigation was initiated and it was notified to all the known interested parties. Adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted an investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules and having established positive dumping margins as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of duty is required to offset dumping causing injury. The domestic industry has requested for imposition of anti dumping duty to address injury being suffered.
  72. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the anti-dumping duty equal to the amount indicated in the table below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

DUTY TABLE

Sl.No.	Sub-heading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
1	29183040 29146990, 29153910, 29153940, 29153990, 29183090, 29331990, 29410090 and 29189900	Methyl Acetoacetate	China PR	China PR	Qingdao Double-Peach Specialty Chemicals (Group) Co., Ltd.	Qingdao Double-Peach Specialty Chemicals (Group) Co., Ltd.	0.353	Kg	US\$
2	29183040 29146990, 29153910, 29153940, 29153990, 29183090, 29331990, 29410090 and 29189900	Methyl Acetoacetate	China PR	China PR	Nantong Acetic Acid Chemical Co., Ltd.	Nantong Tianhong International Trade Co., Ltd.	0.277	Kg	US\$
3	29183040 29146990, 29153910, 29153940, 29153990, 29183090, 29331990, 29410090 and 29189900	Methyl Acetoacetate	China PR	China PR	Any combination other than the combinations specified above		0.404	Kg	US\$
4	29183040 29146990, 29153910, 29153940, 29153990,	Methyl Acetoacetate	China PR	Any	Any	Any	0.404	Kg	US\$

	29183090, 29331990, 29410090 and 29189900								
5	29183040 29146990, 29153910, 29153940, 29153990, 29183090, 29331990, 29410090 and 29189900	Methyl Acetoacetate	Any country other than the subject countries	China PR	Any	Any	0.404	Kg	US\$
6	29183040 29146990, 29153910, 29153940, 29153990, 29183090, 29331990, 29410090 and 29189900	Methyl Acetoacetate	USA	USA	Eastman Chemical Company	Eastman Chemical Ltd, Singapore	0.243	Kg	US\$
7	29183040 29146990, 29153910, 29153940, 29153990, 29183090, 29331990, 29410090 and 29189900	Methyl Acetoacetate	USA	Any	Any	Any	0.293	Kg	US\$
8	29183040 29146990, 29153910, 29153940, 29153990, 29183090, 29331990, 29410090 and 29189900	Methyl Acetoacetate	Any country other than the subject countries	USA	Any	Any	0.293	Kg	US\$

\*Note: Where there is overlapping of anti-dumping duty on the subject goods with respect to a subject country in different customs notifications, the duty applicable to that subject country shall be one imposed under the customs notification in which the said country has been specifically mentioned under the Column "Country of Origin".

73. Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act.
74. An appeal against the findings after its acceptance by the Central Government shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff Rules, 1995.

A.K. BHALLA, Addl. Secy. & Designated Authority